शर्मा शर्डअवेब
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 20 | गुवाहाटी | रविवार, 13 अगस्त, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

वात्सल्य भारत पर पांचवीं क्षेत्रीय संगोष्ठी आयोजित पेज 3

पूर्व भारत में देश की विकास का मजबूत इंजन बनने की क्षमता : प्रधानमंत्री पेज 4

छह वर्ष पूर्व दूर की कौड़ी थी उप्र में निवेश : योगी पेज 5

नवीन युवा नीति बनेगी विजन 2030 को साकार करने का सशक्त माध्यम : मुख्यमंत्री पेज 8

सुप्रभात

भविष्य के अन्धकार में छिपे कार्य के लिए श्रेष्ठ मंत्रणा दीपक के समान प्रकाश देने वाली है।

- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

केंद्रीय गृह मंत्री पदक से सम्मानित हुए 140 पुलिसकर्मी

नई दिल्ली (हि.स.)। देश के 140 पुलिसकर्मियों को वर्ष 2023 में जांच में उत्कृष्टता के लिए *केंद्रीय गृह मंत्री पदक* से नवाजा गया है। गृह मंत्रालय ने शनिवार को एक विज्ञप्ति जारी कर कहा कि पुरस्कार प्राप्त करने वाले कर्मियों में से 15 केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के, 12 राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के, 10 उत्तर प्रदेश पुलिस के, 09 केरल और राजस्थान के, 08 तमिलनाडु के, 07 मध्य प्रदेश के, 06 गुजरात के और शेष अन्य राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों/संगठन से हैं। इनमें 22 महिला पुलिस अधिकारी को भी केंद्रीय गृह मंत्री पदक से सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि इस पदक का गठन 2018 में अपराध की जांच के उच्च पेशेवर मानकों को बढ़ावा देने और जांच में ऐसी उत्कृष्टता को मान्यता देने के उद्देश्य से किया गया था। इसकी घोषणा प्रत्येक वर्ष 12 अगस्त को की जाती है।

अंतिम परिसीमन रिपोर्ट के खिलाफ राज्य में विरोध-प्रदर्शन

शिवसागर। असम के शिवसागर जिले में शनिवार को राज्य के विधानसभा और संसदीय क्षेत्रों के लिए अंतिम परिसीमन रिपोर्ट के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया गया और आंदोलनकारियों ने पुरानी सीटों की बहाली की मांग की। कुछ प्रदर्शनकारियों ने अंतिम परिसीमन रिपोर्ट पर अपनी आपत्ति दर्ज कराने के लिए अपनी शर्ट उतार दीं, जबकि एक तिवा संगठन ने इसका विरोध करते हुए दावा किया कि मोरीगांव सीट के आरक्षण की उसकी मांग अनसुनी कर दी गई है। अंतिम रिपोर्ट जो शुक्रवार को प्रकाशित हुई, ने राज्य में विधानसभा क्षेत्रों की संख्या 126 और लोकसभा सीटों की संख्या 14 बरकरार रखी। हालांकि, इसने मसौदा अधिसूचना में उल्लेखित एक संसदीय और 19 विधानसभा क्षेत्रों के नामकरण को संशोधित किया। चुनाव आयोग के एक बयान के अनुसार, 19 विधानसभा और दो लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए आरक्षित किए गए हैं, जबकि नौ विधानसभा और एक लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र अनुसूचित जाति (एससी) के लिए आरक्षित किए गए हैं। अंतिम रिपोर्ट के खिलाफ नाराजगी मोरीगांव विधानसभा क्षेत्र को आरक्षित न करने, शिवसागर जिले में लाहोवाल और अमगुरी विधानसभा क्षेत्र को बरकरार रखने की मांग को स्वीकार न करने और शिवसागर के क्षेत्रों को आसपास के जिलों में शामिल करने के कारण थी। स्थानीय लोगों और संगठनों ने फैसले के खिलाफ अमगुरी शहर में विरोध प्रदर्शन किया और मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और राज्य में सत्तारूढ़ भाजपा के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार की सहयोगी असम गण परिषद (अगप) के स्थानीय विधायक प्रदीप हजारिका के खिलाफ नारे लगाए। जैसे ही पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को शर्मा और हजारिका के पुतले जलाने से रोका, उन्होंने अंतिम परिसीमन रिपोर्ट पर अपनी आपत्ति दर्ज कराने के लिए अपनी शर्ट उतार दीं। विपक्षी रायजोर दल के कार्यकर्ताओं ने भी शिवसगर शहर के पास परिसीमन की अंतिम रिपोर्ट के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और कुछ समय के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग को अवरुद्ध कर दिया। रायजोर दल के अध्यक्ष और शिवसागर विधायक अखिल गोगोई ने कहा कि अंतिम चुनाव आयोग का आदेश संपूर्ण परिसीमन प्रक्रिया के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट के समक्ष कई राजनीतिक दलों की याचिका के परिणाम के अधीन है। ऑल तिवा स्टूडेंट्स एसोसिएशन ने मोरीगांव विधानसभा क्षेत्र को एसटी के लिए आरक्षित न करने के खिलाफ अपना विरोध जताया। हमने राज्य सरकार और चुनाव आयोग के समक्ष सबूत के साथ प्रस्तुत किया था कि मोरीगांव को एसटी के लिए क्यों आरक्षित किया जाना चाहिए। लेकिन हमारी मांग अनसुनी कर दी गई। हम यह सोचने पर मजबूर हैं कि सरकार तिवाओं को -शेष पृष्ठ दो पर

हिमंत का शासनकाल असम का स्वर्णयुग : प्रमोद बोड़ो

कोकराझाड़ (हि.स.)। यूपीपीएल के अध्यक्ष और बीटीसी प्रमुख प्रमोद बोड़ो ने कहा है कि डॉ हिमंत विश्व शर्मा का शासनकाल असम की राजनीति के स्वर्णकाल के रूप में इतिहास में जाना जाएगा। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर के सभी फैसले डॉ शर्मा ही लेते हैं। बीटीसी प्रमुख प्रमोद ने ये बातें आज एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहीं। उन्होंने 15 विधानसभा क्षेत्रों को बीटीआर क्षेत्र में शामिल -शेष पृष्ठ दो पर

असम में हिंदू-मुस्लिम शांति से रह रहे : सीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि असम में हिंदू और मुसलमान शांति से रह रहे हैं। उन्होंने कहा कि जबसे तुष्टीकरण की राजनीति को किनारे कर दिया गया है, तबसे सद्भाव और प्रगति बढ़ी है। ये बातें मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने आज एक निजी टेलीविजन चैनल को दिए गए साक्षात्कार के दौरान कहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि असम में मदरसे इसलिए बंद किए जा रहे हैं क्योंकि हम चाहते हैं कि मुसलमान छात्र-छात्रा मेडिकल कॉलेजों में जाएं। उन्होंने कहा कि आज असम -शेष पृष्ठ दो पर

भाजपा की संस्कृति के आगे नहीं टिक पाएंगे गौरव गोगोई : डॉ. शर्मा

नई दिल्ली/गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि कांग्रेस का *सामंतवाद* भाजपा की संस्कृति से अलग है और गौरव गोगोई जैसा कोई व्यक्ति पार्टी में टिक नहीं पाएगा। शर्मा ने कहा कि अगर वह गलत साबित हुए तो उन्हें खुशी होगी। एक इंटरव्यू में मुख्यमंत्री से उनके उस बयान के बारे में पूछा गया, जिसमें उन्होंने कहा था कि कांग्रेस के कई लोग भाजपा में शामिल होना चाहते हैं। उनसे पूछा गया कि क्या कोई सूची बनाई गई है और क्या उसमें गोगोई का नाम है, जो लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता हैं। मेरा मानना है कि गौरव गोगोई भाजपा में टिक नहीं पाएंगे। अगर मैं गलत साबित हुआ तो मुझे खुशी होगी। शर्मा -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

लोकतंत्र की बात करने वाले ईवीएम को खत्म करने की साजिश रच रहे : पीएम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) को लेकर विपक्षी दलों पर निशाना साधा और उन पर इसे खत्म करने की साजिश रचने का आरोप लगाया। मोदी ने पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के क्षेत्रीय पंचायती राज परिषद को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित करते हुए ईवीएम को लेकर विपक्ष पर हमला बोला और कहा कि जो लोग खुद को लोकतंत्र के चैंपियन के रूप में चित्रित करते हैं ये वही लोग हैं जो ईवीएम से छुटकारा पाने की साजिश रचते हैं। उन्होंने मणिपुर हिंसा को लेकर इस सप्ताह संसद में अविश्वास प्रस्ताव पर विपक्षी दलों पर हमला करते हुए कहा कि विपक्ष अविश्वास प्रस्ताव के दौरान केवल आरोप लगा रहे थे और बिना किसी तर्क के बोल रहे थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि असल में विपक्ष मणिपुर पर चर्चा नहीं करना चाहता था। हमने लोकसभा में विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव को हराया और पूरे देश में नकारात्मकता फैलाने वालों को करारा जवाब दिया। विपक्ष के सदस्य केवल अराजकता पैदा करते हुए सदन को बीच में छोड़कर चले गए। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि

सच्चाई यह है कि विपक्ष अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान करने से डर रहे थे। कार्यक्रम में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा मौजूद थे। उन्होंने कहा कि सच्चाई यह है कि विपक्ष अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान से डर गया। अगर मतदान हुआ होता विपक्षी गठबंधन बेनकाब हो गया होता। विपक्ष के लोग सदन छोड़कर भाग गए, यह पूरा देश ने देखा। मोदी ने पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार की भी आलोचना की और सत्तारूढ़ दल पर विरोधियों, खासकर भाजपा को डराने के लिए आतंक का राज कायम करने का आरोप लगाया। उन्होंने दोहराया कि भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा प्रताड़ना झेलने के बावजूद मानो वे बंगाल के खोए हुए गौरव को वापस लाने के मिशन में लगे हुए हैं। मोदी ने सत्तारूढ़ दल पर आरोप लगाया कि पंचायत चुनाव के दौरान बंगाल में विरोधियों के साथ क्या नहीं हुआ। बिना समय दिए चुनाव की घोषणा हुई, नामांकन दाखिल करने के दौरान उन पर हमला हुआ, विरोधियों और उनके रिश्तेदारों को धमकी मिली और हत्या हुयी। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा कि बंगाल में विपक्ष को धमकाने के लिए हिंसा का इस्तेमाल किया जाता रहा है। लोकतंत्र की बात करने वाली टीएमसी पंचायत चुनाव के दौरान बेनकाब हो गई है। बता दें कि हाल ही में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दावा किया था कि 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ईवीएम हैक करके चुनाव जीतना चाहती है। ममता ने कहा था कि इसके उनके पास सबूत हैं। इससे पहले भी कई राजनीतिक पार्टियां ईवीएम पर सवाल खड़े कर चुकी हैं। हालांकि, चुनाव आयोग ने सफाई में कहा है कि ईवीएम को हैक नहीं किया जा सकता।

अनवार उल हक काकड़ बने पाकिस्तान के केयर टेकर पीएम

इस्लामाबाद। सीनेट सदस्य अनवार-उल-हक काकड़ को पाकिस्तान में आगामी आम चुनाव होने तक, शनिवार को देश का कार्यवाहक प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया। प्रधानमंत्री कार्यालय के एक बयान के मुताबिक, निवर्तमान प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और

भंग की जा चुकी नेशनल असेंबली में विपक्ष के नेता राजा रियाज अहमद के बीच विचार-विमर्श के अंतिम दिन काकड़ के नाम पर सहमति बनी। बयान में कहा गया है कि प्रधानमंत्री और विपक्ष के नेता ने संयुक्त रूप से (काकड़ को नियुक्त करने की) सलाह पर हस्ताक्षर किए और उसे राष्ट्रपति को भेज दिया। काकड़ (52 वर्षीय) बलूचिस्तान प्रांत के एक पश्तून हैं और बलूचिस्तान अवामी पार्टी (बीएपी) के सदस्य हैं। यह पार्टी देश के शक्तिशाली प्रतिष्ठान (सेना) के करीब मानी जाती है। अपनी प्रथम प्रतिक्रिया में, काकड़ ने ट्वीट किया कि अल्लाह का शुक्रगुजार हूं,जिन्होंने पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री के रूप में राष्ट्र की सेवा करने का मुझे अवसर दिया। इंशाअल्ला अपना सर्वश्रेष्ठ दूंगा, जो पाकिस्तान के हित में होगा। मीडिया से बात करते हुए विपक्ष के नेता रियाज ने कहा कि हमने फैसला किया कि कार्यवाहक प्रधानमंत्री एक छोटे प्रांत से होंगे। उन्होंने कहा कि काकड़ के नाम का सुझाव उन्होंने ही दिया, जिसे मंजूर कर लिया गया। राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने संविधान के अनुच्छेद 224(1ए) के तहत कार्यवाहक प्रधानमंत्री के तौर पर काकड़ की नियुक्ति की मंजूरी दी। शहबाज ने परामर्श प्रक्रिया के दौरान सहयोग और पिछले 16 महीने के दौरान विपक्ष के शानदार नेतृत्व को लेकर रियाज का शुक्रिया अदा किया। पूर्व सूचना मंत्री मरयम औरंगजेब ने भी पुष्टि की कि प्रधानमंत्री और विपक्ष के नेता के बीच चर्चा के दौरान काकड़ का नाम आम सहमति वाले उम्मीदवार के रूप में उभरा। नेशनल असेंबली नौ अगस्त को भंग किए जाने के बाद, कार्यवाहक प्रधानमंत्री चुनने के लिए शहबाज शरीफ और विपक्षी दलों के बीच बैठकों का दौर शुरू हुआ था। काकड़ 2018 में सीनेट (पाकिस्तानी संसद के उच्च सदन) के लिए चुने गए थे और वह एक बहुत सक्रिय राजनेता रहे हैं। वह उच्च सदन में आने से पहले बलूचिस्तान प्रांतीय सरकार के प्रवक्ता भी रह चुके हैं। काकड़ ने राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र में स्नातकोत्तर की डिग्री हासिल की है और वह बलूचिस्तान विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र हैं।

एफिल टावर में बम की सूचना से मचा हड़कंप

पेरिस। एफिल टावर में बम की सूचना से हड़कंप मच गया है। खबरों के अनुसार, पुलिस ने बम की सूचना मिलने के बाद एफिल टावर परिसर को खाली करा दिया है। फ्रांस पुलिस के सूत्रों ने बताया कि दुनिया में सबसे ज्यादा देखे जाने वाले पर्यटक स्थलों में से एक पेरिस में स्थित एफिल टॉवर में बम की सूचना मिली है, जिसके बाद एहतियात के तौर पर उसे खाली करा दिया गया है। साथ ही अगले आदेश तक जनता के लिए एफिल टावर को बंद कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार, मौके पर बम निरोधक दस्ता मौजूद है। साथ ही फ्रांस पुलिस के जवान आसपास के इलाकों की तलाशी ले रहे हैं। बता दें कि फ्रांस के पेरिस में स्थित करीब 324 मीटर उंचे एफिल टावर को 1889 में बनाया गया था। इसे देखने हर साल लाखों लोग दुनिया भर से आते हैं।

राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करने वाला मौलवी गिरफ्तार

पोरबंदर (गुजरात)। पोरबंदर शहर में राष्ट्रीय ध्वज का कथित तौर पर अपमान करने का एक ऑडियो क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने शनिवार को एक मौलवी को हिरासत में ले लिया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

पुलिस अधीक्षक (एसपी) भागीरथ सिंह जडेजा ने बताया कि आरोपी की पहचान वासिद रजा के रूप में हुई है और शुक्रवार को उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज होने के बाद कीर्तिमंदिर पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करने और समूहों के बीच शत्रुता को बढ़ावा देने के आरोप में उसके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। मौलवी बहार-ए-शरीयत नामक व्हाट्सएप ग्रुप का एडमिन है, जिसमें उससे राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रगान पर उसकी राय पूछी गई थी। जडेजा ने कहा कि कीर्तिमंदिर पुलिस थाने में दर्ज प्राथमिकी का आधार इसी का एक ऑडियो क्लिप है। उन्होंने बताया कि उसके खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 153, 153ए, 153बी (दंगा भड़काने के इरादे से जानबूझकर उकसाना) और 505 और 505 ए (शत्रुता को बढ़ावा देने के लिए बयान, अफवाह फैलाना) के साथ-साथ राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम अधिनियम के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पुणे में जल्द चलेंगी स्काईवॉक बसें : गडकरी

मुंबई (हि.स.)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार को कहा कि पुणे में जल्द स्काईवॉक बसें चलाई जाएंगी। सरकार इस योजना पर काम कर रही है। इससे पुणे शहर को ट्रैफिक जाम से राहत मिल सकेगी। आज पुणे में नए चांदनी चौक फ्लाईओवर का लोकार्पण करने के बाद गडकरी ने कहा कि पुणे शहर दिन-ब-दिन तेजी से बढ़ रहा है। बढ़ती जनसंख्या के साथ-साथ पुणे में वाहनों की संख्या भी बढ़ गई है। मेरे पास पुणे के लिए एक हवाई स्काईबस का विचार है। मैं अजित पवार और चंद्रकांत पाटिल से अनुरोध करता हूं कि वे इस प्रस्तुति को एक बार अवश्य देखें। नितिन गडकरी ने आश्वासन दिया कि इस स्काई वॉक बस में एक बार में 250 यात्री यात्रा कर सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि चूंकि यहां पहले से ही ट्रैफिक जाम है, इसलिए अब पुणे में वाहनों की संख्या न बढ़ाएं। यहां बहुत ज्यादा प्रदूषण है। हम देश में पेट्रोल डीजल पर बैन लगाना चाहते हैं। इससे 40 प्रतिशत तक प्रदूषण कम होगा। वीआईपी संस्कृति खत्म होनी चाहिए। सायरन की आवाज़ खत्म होनी चाहिए। पुणे के विकास के लिए चालीस हजार करोड़ रुपए की विकास योजना तैयार की गई है। इसमें दो-तीन मंजिला फ्लाईओवर हैं। यहां रिंग रोड का काम जल्द पूरा होगा। मेट्रो का काम भी अंतिम चरण में है। हम स्काईवॉक बस के लिए भी योजना लाएंगे।

मणिपुर : पब्लिक कर्फ्यू से आवश्यक वस्तु आपूर्ति में रुकावट

इंफाल (हि.स.)। हिंसा प्रभावित मणिपुर के जिरीबाम में लगाए गए पब्लिक कर्फ्यू की वजह से आवश्यक वस्तुओं की राज्य में आपूर्ति ठप पड़ गई है। जिरीबाम में शुक्रवार

से ही जाम लगाया गया है। जिरीबाम में 9 अगस्त को किए जा रहे शांतिपूर्ण प्रदर्शन के दौरान जिला पुलिस अधीक्षक द्वारा कथित रूप से किए गए महिला के साथ दुर्व्यवहार के विरुद्ध स्थानीय जनता ने पब्लिक कर्फ्यू लगा रखा है। इनकी मांग है कि पुलिस अधीक्षक आकर उक्त महिला से माफी मांगें। इसके बाद शुक्रवार की सुबह से सड़क को आवाजाही के लिए पूरी तरह अवरुद्ध कर दिया गया। आज दूसरे दिन शनिवार को भी यह जनता कर्फ्यू जारी है। इस कर्फ्यू की वजह से मणिपुर में आवश्यक वस्तुओं को लेकर जाने वाले वाहनों की लंबी कतारें लग गई हैं। पहले से ही आवश्यक वस्तुओं की किल्लत झेल रहे मणिपुर में इस पब्लिक कर्फ्यू की वजह से और अधिक किल्लत हो गई है।

डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण विधेयक को राष्ट्रपति की मंजूरी

नई दिल्ली (हि.स.)। डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण विधेयक (डीपीडीपी विधेयक) को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मंजूरी मिल गई है। संसद के दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा ने इस विधेयक को इसी हफ्ते पास किया था। केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच एक्स और कू पर ट्वीट कर कहा कि डीपीडीपी विधेयक अब अधिनियम बन गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने विधेयक को मंजूरी दे दी है। इस विधेयक को लोकसभा ने 07 अगस्त और राज्यसभा ने 09 अगस्त को मंजूरी दी थी। इसमें व्यक्तिगत डेटा के संग्रह और उपयोग को लेकर कई प्रावधान किए गए हैं।

अतीक-अशरफ हत्याकांड में एससी ने लगाई यूपी सरकार को फटकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 15 अप्रैल को प्रयागराज में लोकसभा के पूर्व सदस्य अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की पुलिस हिरासत में हुई हत्या पर उत्तर प्रदेश सरकार को फटकार लगाई है और कहा है कि इसमें किसी की मिलीभगत है। अदालत ने राज्य सरकार से 2017 के बाद से हुई 183 *पुलिस मुठभेड़* पर स्थिति रिपोर्ट भी मांगी है। राज्य पुलिस के अनुसार, मार्च 2017 में योगी आदित्यनाथ सरकार के सत्ता संभालने के बाद से कई पुलिस मुठभेड़ में 183 लोग मारे गए हैं। जस्टिस एस. रवींद्र भट और जस्टिस अरविंद कुमार की पीठ ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश सरकार को छह सप्ताह के भीतर एक हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया, जिसमें इन मुठभेड़ का विवरण, जांच की स्थिति, दायर आरोप पत्र और मुकदमे की

स्थिति का विवरण दिया जाए। पीठ ने कहा कि उसकी (अतीक की) सुरक्षा में पांच से दस लोग थे...कोई कैसे आकर गोली मार सकता है? ऐसा कैसे हो सकता है? किसी की मिलीभगत है। इसने गैंगस्टर से नेता बने अहमद की बहन आयशा नूरी की याचिका पर उत्तर प्रदेश सरकार को नोटिस भी जारी किया। नूरी ने याचिका में अपने भाइयों की हत्या की व्यापक जांच के लिए निर्देश देने का अनुरोध किया है। सुप्रीम कोर्ट ने हालांकि याचिकाकर्ता विशाल तिवारी की उस अर्जी को खारिज कर दिया जिसमें पुलिस मुठभेड़ और इनमें पुलिसकर्मियों की भूमिका की जांच के लिए एक स्वतंत्र न्यायिक जांच आयोग गठित करने का अनुरोध किया गया था और कहा कि राज्य सरकार पहले ही इस तरह का एक आयोग बना चुकी है। शीर्ष अदालत पहले आयशा नूरी की याचिका समेत उन याचिकाओं पर सुनवाई करने के लिए सहमत हुई थी, जिनमें अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्या के मामले में शीर्ष अदालत के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में जांच आयोग के गठन का अनुरोध किया गया था।

अगरतला स्टेशन पर आठ विदेशी नागरिक गिरफ्तार

अगरतला (हि.स.)। अगरतला रेलवे स्टेशन पर आठ विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार कर लिया गया है। जीआरपी द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार रोहिंग्या स्वतंत्रता दिवस से पहले ऐन मौके पर म्यांमार और बांग्लादेश से आकर भारत के अलग-अलग शहरों में जाने वाले थे। रेलवे पुलिस बल (आरपीएफ) द्वारा त्रिपुरा में अगरतला रेलवे पर भारत में अवैध रूप से प्रवेश करने के आरोप में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। जीआरपीके थाना प्रभारी संजीत सेन ने बताया कि एक गुप्त सूचना के आधार पर आरपीएफ ने स्टेशन से कुल आठ लोगों को हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान उन्होंने गलत तरीके से सीमा पार करके भारत में घुसने की बात स्वीकार की। वे बांग्लादेश से भारतीय क्षेत्र में बिना उचित दस्तावेज के घुस आए। गिरफ्तार विदेशियों के पास से अधिकारियों ने पांच मोबाइल फोन, भारत और बांग्लादेश के मुद्रा के साथ ही रेल टिकट बरामद किए। हिरासत में लिए गए लोगों को रेलवे पुलिस को सौंप दिया गया। जहां जांच की जा रही है। गिरफ्तार किए गए विदेशियों में पांच बांग्लादेश के नागरिक और तीन म्यांमार के रहने वाले रोहिंग्या शामिल हैं। गिरफ्तार बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान अब्दुल जलील, बिलाल हुसैन, अब्दुल कादर, मो. कसार तथा मो. रसेल के रूप में हुई है। जबकि, तीन रोहिंग्याओं की पहचान मोहम्मद हुसैन, रफीका बेगम और जाहिदा बेगम के रूप में हुई है। उनपर पासपोर्ट अधिनियम की धाराओं के तहत आरोप लगाए गए हैं।

पृष्ठ एक का शेष

अंतिम परिसीमन रिपोर्ट ...

स्वदेशी लोग नहीं मानती है। विपक्षी दलों ने अंतिम परिसीमन रिपोर्ट की आलोचना की और इसके प्रकाशित होने के तुरंत बाद इसे सत्तारूढ़ भाजपा द्वारा अपने राजनीतिक भविष्य को सुरक्षित रखने की एक चाल करार दिया। उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव आयोग राजनीतिक दलों के साथ-साथ व्यक्तियों और संगठनों द्वारा उसके समक्ष रखी गई आपत्तियों को संबोधित करने में विफल रहा है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने दावा किया कि अंतिम अधिसूचना में लोगों की मांगों के अनुरूप राज्य सरकार द्वारा रखे गए कुछ सुझावों को स्वीकार कर लिया गया है। 2001 की जनगणना के आधार पर राज्य के सभी विधानसभा और संसदीय क्षेत्रों का पुनर्निर्धारण किया गया। असम में अंतिम परिसीमन प्रक्रिया 1971 की जनगणना के आधार पर 1976 में हुई थी। चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों, संगठनों और व्यक्तियों की आपत्तियों और मांगों को सुनने के लिए 19 जुलाई से तीन दिनों तक गुवाहाटी का दौरा करने के साथ 20 जून को मसौदा परिसीमन दस्तावेज को अधिसूचित किया था। चुनाव आयोग की एक टीम ने 26-28 मार्च को असम का दौरा किया था और मसौदा पेश करने से पहले परिसीमन अभ्यास के संबंध में राजनीतिक दलों, जन प्रतिनिधियों, नागरिक समाज के सदस्यों, सामाजिक संगठनों, जनता के सदस्यों और अधिकारियों के साथ बातचीत की थी।

हिमंत का शासनकाल...

किए जाने पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर भी अहम टिप्पणी की है। ज्ञात हो कि निर्वाचन आयोग ने शुक्रवार को निर्वाचन क्षेत्रों के पुनर्निर्धारण की अंतिम सूची जारी की। इसके बाद राज्य के विभिन्न हिस्सों में मिलीजुली प्रतिक्रिया जारी रही। इस बीच, यूपीपीएल प्रमुख प्रमोद बोड़ो ने भी अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। प्रमोद बोडो ने साफ किया कि यूपीपीएल कोकराझाड़ लोकसभा सीट पर अपना उम्मीदवार उतारेगी। भाजपा मंगलदै-उदालगुड़ी लोकसभा सीट पर अपना उम्मीदवार उतारेगी। उन्होंने हालांकि यह भी दोहराया कि इस संबंध में अब तक कोई औपचारिक चर्चा नहीं हुई है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने कुछ दिन पहले कहा था कि भाजपा पूर्वोत्तर की कुल 25 लोकसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। हालांकि, मुख्यमंत्री डॉ शर्मा को संबोधित करते हुए प्रमोद बोड़ो ने यह भी कहा कि जब तक हिमंत विश्व शर्मा हैं, तब तक ज्यादा प्रचार करने की जरूरत नहीं है। पूर्वोत्तर में सब कुछ हिमंत विश्व शर्मा पर निर्भर करता है। उन्होंने हिमंत विश्व शर्मा के शासन के दौर को स्वर्ण युग बताया और कहा कि नवगठित विपक्षी गठबंधन का कोई असर नहीं होगा। उन्होंने कहा कि बीटीआर में 15 विधानसभा क्षेत्रों को शामिल करने से क्षेत्र के विकास में तेजी आएगी। स्वायत्त क्षेत्रों में अनुसूचित जनजातियों के लिए अधिक निर्वाचन क्षेत्र आरक्षित किए जाने चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि अंतिम सूची का अभी पूरी तरह से अध्ययन किया जाना बाकी है। अध्ययन पूरा होने के बाद वे टिप्पणी करेंगे। यह अंतिम सूची जनता की सोच को दर्शाती है या नहीं, जनता की आपत्तियों का कितना प्रतिशत स्वीकार किया गया है, यह अध्ययन के बाद ही पता चलेगा। उनके द्वारा कई निर्वाचन क्षेत्रों का नाम बदलने के बाद दो नाम भी सामने आए हैं। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि शायद यह लोगों की भावनाओं के कारण हुआ है। बहुचर्चित उदालगुड़ी लोकसभा क्षेत्र का गठन नहीं होने का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इस निर्वाचन क्षेत्र के गठन की मांग हमेशा रहेगी।

भाजपा की संस्कृति...

ने कहा कि कांग्रेस के पास जो सामंत हैं, या थे... उन्होंने अपने घर में एक ऐसी संस्कृति देखी है, जो पराई है। मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि भाजपा में शामिल होने के बाद लोगों को एक बड़ा परिवर्तन करना पड़ता है और कांग्रेस से पार्टी में परिवर्तन उनके लिए समस्याग्रस्त नहीं था क्योंकि उनके पिता राजनेता नहीं थे। शर्मा ने टिप्पणी की कि यह परिवर्तन हर किसी के द्वारा नहीं किया जा सकता है। मैं यह नहीं कह रहा हूं कि कोई भी इसे नहीं कर सकता है। इसलिए जब गौरव गोगोई जैसे लोगों को भाजपा में आना है, तो उन्हें एक बड़े सांस्कृतिक परिवर्तन के लिए आना होगा। मैं उन्हें तब से जानता हूं जब वह एक बच्चे थे और इसलिए मुझे लगता है कि यह उनके लिए मुश्किल होगा। उनके परिवार के लोग भी एनजीओ में शामिल हैं, इसलिए यह बहुत आसान नहीं होगा। इसलिए बेहतर है कि मुझे उनसे अनुरोध नहीं करना चाहिए। भाजपा नेता ने कहा कि गौरव गोगोई के पिता तरूण गोगोई को उनके जैसे लोगों ने ही असम का मुख्यमंत्री बनाया था। विधायक के रूप में, हमने उनके लिए वोट किया, और यह संवैधानिक मानदंड है... मेरे तरुण गोगोई के साथ बहुत अच्छे व्यक्तिगत संबंध थे। जब वह मुख्यमंत्री नहीं थे और कोविड से संक्रमित होने के बाद अस्पताल में भर्ती थे, तो मैं उनके बगल में था उन्होंने कहा कि कोविड वार्ड में अस्पताल का बिस्तर और हर दूसरे दिन उनसे मिलूंगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उस समय तक मैं भाजपा में था और वह कांग्रेस में थे। वह मुझे सुझाव देते थे। असम में हर राजनेता के साथ मेरे सौहार्दपूर्ण संबंध हैं।

असम में हिंदू-मुस्लिम ...

की एमबीबीएस की 25 फ़ीसदी सीट पर कब्जा मुसलमान छात्रों का हुआ है। इससे पता चलता है कि हम मुसलमान की प्रगति की राजनीति करते हैं, उनकी तुष्टीकरण नहीं करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे मुस्लिम महिलाओं के लिए 7 मेडिकल कॉलेज बना रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि असम के मुस्लिम समाज को लंबे समय तक वोट के लिए इस्तेमाल किया गया। लेकिन, हम उनके पास वोट मांगने नहीं जाएंगे। हम उनका विकास करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे हर महीने मुस्लिम बहुल किसी जिले में जाकर रहते हैं और उस जिले के सर्वांगीण विकास की योजनाओं की शुरुआत करते हैं। इस साक्षात्कार के दौरान डॉ शर्मा ने कई मुद्दों पर अपनी बातें खुलकर रखी।

छह साल की बच्ची का आधा शरीर खा गया तेंदुआ

अमरावती। आंध्र प्रदेश के तिरुपति से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। तिरुमला पर्वतों पर स्थित विश्व प्रसिद्ध भगवान वेंकटेश्वर स्वामी के दर्शन करने के लिए जाते समय, 6 साल की बच्ची को तेंदुए ने मार कर खा लिया। मंदिर दर्शन के लिए पैदल मार्ग से जाते समय तेंदुए ने बच्ची पर हमला किया। तेंदुए ने अचानक से बच्ची पर झपट्टा मार कर उसपर हमला किया और उसके शरीर का आधा हिस्सा खा लिया। इस घटना के सामने आने के बाद मंदिर जा रहे सभी श्रद्धालु दहशत में आ गए हैं। तिरुमला स्थित भगवान के दर्शन के लिए कई श्रद्धालुओं के साथ एक परिवार ने शुक्रवार शाम करीब 8 बजे अलिपिरी पैदल मार्ग से पर्वत पर चढ़ना शुरू किया। कुछ घंटी की चढ़ाई के बाद, यानी तकरीबन रात 11 बजे अचानक 6 साल की लक्षिता पर एक तेंदुए ने हमला कर दिया। हमला होते ही आस-पास के लोग चिल्लाने लगे, जिसके बाद तेंदुआ बच्ची को घसीटते हुए जंगल के अंदर ले कर चला गया। पुलिस ने इस घटने के बारे में बच्ची के परिजनों को सूचित कर दिया है। बच्ची का शव शनिवार सुबह बरामद

किया गया। तेंदुए ने बच्ची के शरीर का लगभग आधा हिस्सा खा लिया था। शव बरामद होने के बाद उसे पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा गया है। हादसे के बाद मंदिर के दर्शन के लिए जाने वाले श्रद्धालुओं में दहशत फैली हुई है। दरअसल, ऐसा ये पहला मामला पहला नहीं है जो सामने आया है। पिछले एक महीने में तेंदुए के हमले का यह दूसरा हमला है। पिछले हमले के समय टीटीडी (तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम) प्रशासन ने कई जगह सुरक्षा कर्मी रखने की बात कही थी, मगर प्रशासन कोई सावधानी बरतती नहीं दिख रही है। जबकि प्रतिदिन भगवान के लिए श्रीद्धालु करोड़ों का चढ़ावा चढ़ाते हैं।

भाजपा की महिला नेता ने की आत्महत्या

गुवाहाटी। असम में भाजपा की एक महिला नेता ने पार्टी के एक अन्य वरिष्ठ नेता के साथ अपनी कुछ अंतरंग तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। घटना शुक्रवार रात गुवाहाटी के बामुनिमैदाम इलाके में हुई। मृतक की पहचान राज्य भाजपा की प्रमुख सदस्य इंद्राणी तहबिलदार के रूप में हुई है। तहबिलदार ने चैंबर ऑफ कॉमर्स के उपाध्यक्ष का पद संभाला था। सूत्रों के मुताबिक, तहबिलदार एक अन्य भाजपा नेता के साथ विवाहेतर संबंध में शामिल हो गए, जो उसके घर पर किरायेदार के रूप में रहता था। कथित जोड़े की कुछ तस्वीरें हाल ही में ऑनलाइन लीक हो गईं। आरोप है कि महिला भाजपा नेता ने अपनी अंतरंग तस्वीरें सार्वजनिक होने के बाद आत्महत्या जैसा कदम उठाया। मध्य गुवाहाटी के डीसीपी दीपक चौधरी ने कहा कि पुलिस घटना की जांच कर रही है। इसे अप्राकृतिक मौत माना गया है। दीपक चौधरी ने कहा कि हालांकि, अभी तक हमें किसी अन्य व्यक्ति के साथ मृतक महिला की अंतरंग तस्वीरें लीक होने के संबंध में ऐसी कोई शिकायत नहीं मिली है, लेकिन हम हर पहलू पर गौर कर रहे हैं।

स्वर्वेद भाष्य

पंचम मंडल **द्वितीय अध्याय**

(मन)

पञ्च विषय गो अर्थ है, `क संग नहिं भींग।
मन सत्ता एक वस्तु है, यह मन कर है लींग॥ 31॥

शब्दार्थ : (पञ्च विषय) शब्द, स्पर्श, रूप, रस, गंध (लींग) चिह्न (सत्ता) वस्तु।

भाष्य : इंद्रियों के पांच विषयों का संबंध एक साथ जिसेस न हो, वह मन है। यही मन का लक्षण है। मन एक पदार्थ है।

इन्द्रिय विषय जो पांच हैं, एक संग नहिं होय।
यह तो मन कर लिंग है, अणु सत्ता मन सोय॥ 32॥

शब्दार्थ : (संग) साथ (अणु) छोटा।

भाष्य : जिससे इंद्रियों के पांच विषय एक साथ नहीं प्राप्त होते। यह मन का लक्षण है। मन एक अणु पदार्थ है। उपर्युक्त दोनों दोहों का भाव एक ही है, केवल प्रकट करने के ढंग दो हैं।

प्रिया गुप्ता की याद में कामाख्या स्टेशन परिसर में वृक्षारोपण

गुवाहाटी (हिंस)। प्रमुख श्रमिक नेता और ऑल इंडिया रेलवे मेन्स फेडरेशन के अध्यक्ष, एनएफ रेलवे वर्कर्स यूनियन के पूर्व महासचिव और पूर्व सांसद प्रिया गुप्ता की पुण्य तिथि हर साल 12 अगस्त को मनाई जाती है। इस कड़ी में शनिवार को श्रमिक नेता प्रिया गुप्ता की याद में एनएफ रेलवे मजदूर यूनियन की मालीगांव शाखा ने कामाख्या रेलवे स्टेशन पर ट्रेन डिपो कार्यालय के परिसर में वृक्षारोपण किया। गुप्ता की 44वीं पुण्य तिथि के अवसर पर समारोह की शुरुआत उनके चित्र पर पुष्पांजलि और दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। एनएफ रेलवे मजदूर संघ के एसोसिएट सचिव शुचेन हजारिका ने दीप प्रज्ज्वलित किया, एनएफ रेलवे मजदूर यूनियन के सह सचिव कल्पना राजकुमार, केंद्रीय उपाध्यक्ष नेकिबुर जमान आदि उपस्थित सभी सदस्यों ने पुष्पांजलि अर्पित की। मालीगांव शाखा सचिव पंकज कलिता ने रेलवे कर्मचारियों के बीच जागरूकता बढ़ाने और पौधे लगाकर पर्यावरण प्रदूषण से समाज की रक्षा करने की बात कही। उन्होंने कहा कि प्रिया गुप्ता अपनी मृत्यु के दिन तक कर्मचारियों की भलाई के लिए आंदोलन करते रहे हैं। उन्होंने सभी सदस्यों से उनकी पुण्यतिथि पर लगाये गए पौधों की देखभाल करने का अनुरोध किया।

वात्सल्य भारत पर पांचवीं क्षेत्रीय संगोष्ठी आयोजित

बाल संरक्षण, बाल सुरक्षा और बाल कल्याण पर हुई चर्चा

गुवाहाटी (हिंस)। राजधानी गुवाहाटी के पांजाबाड़ी स्थित श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र अंतर्राष्ट्रीय प्रेक्षागृह में आज महिला और बाल विकास मंत्रालय की पहल के तहत 5वीं बाल संरक्षण, बाल सुरक्षा और बाल कल्याण *वात्सल्य भारत* पर क्षेत्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई। इस संगोष्ठी में पूर्वोत्तर के आठ प्रतिभागी राज्यों के 1200 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। यह सेमिनार बाल संरक्षण, बाल सुरक्षा और बाल कल्याण से संबंधित मुद्दों पर जागरूकता और प्रचार बढ़ाने के लिए देश भर में आयोजित होनेवाले क्षेत्रीय सेमिनारों की श्रृंखला का हिस्सा है। संगोष्ठी में भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री डॉ. मुंजापाड़ा महेंद्रभाई, भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास विभाग के अपर सचिव संजीव कुमार चड्ढा और राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष प्रियांक कानूनगो ने भाग लिया। संगोष्ठी में भाग लेने वाले आठ राज्यों में असम, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, मेघालय, सिक्किम, त्रिपुरा और नगालैंड शामिल थे। संगोष्ठी में बाल कल्याण समितियों, जिला बाल संरक्षण इकाइयों, किशोर न्याय बोर्ड, ग्राम बाल संरक्षण समिति के सदस्यों और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

मेरी माटी मेरा देश के तहत ई/48 केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल ने किए कई कार्यक्रमों का आयोजन

कोकराझाड़ (विभास)। ई/48 केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव के तहत *मेरी माटी मेरा देश* शीर्षक पर ग्राम उदमारी पार्ट 4 बिलासिपाड़ा में बल के कमांडर मैनेजर सिंह तथा कंपनी के सदस्यों के द्वारा ग्राम के लोगों के बीच में कई कार्यक्रम आयोजित की गई। इस कार्यक्रम के जरिए हर घर-घर तिरंगा देश भक्ति तिरंगा कैसे लगवाएं कैसे उतारे एवं त्रिरंगा का सम्मान हम कैसे करें आदि विषयों पर नाटक के जरिए प्रदर्शित किए गए। इसके बाद पौधरोपण कार्यक्रम का आोजन किया गया। पौधरोपण कार्यक्रम में ग्रामवासियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के कार्मिकों के साथ पंचायत प्रेसिडेंट सनवर हुसैन तथा ग्राम के सदस्यों द्वारा पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वहीं स्थानीय लोगों के द्वारा आयोजति इस कार्यक्रम को भूरि-भूरि प्रशंसा की गई।

लायंस उमंग ने मनाया तीज व सिंजारा उत्सव

गुवाहाटी (विभास)। समाज सेवा के साथ-साथ अपनी सदस्याओ के बीच आपसी समन्वय बनाने के उद्देश्य से लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी उमंग की ओर से तीज व सिंजारा उत्सव का रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किया गया। क्लब की जनसंपर्क अधिकारी प्रियंका गर्ग ने बताया कि अध्यक्ष कंचन पोद्दार के नेतृत्व में आयोजित इस रंगारंग उत्सव में सभी सदस्याओ ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सभी सदस्यांए अपनी संस्कृति के अनुरूप पारंपरिक राजस्थानी वेशभूषा पहन कर पहुंची, जहां सभी ने सामूहिक रूप से नृत्य किया। इस दौरान विभिन्न तरह के खेलों के अलावा विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया, जिसमें विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम संयोजिका सुनीता पारीक, सरोज खेतान, बिमला कोचर, ललिता धनावत की देखरेख में आयोजित सिंजारा उत्सव में मधु बंका ने गणेश वंदना प्रस्तुत की जबकि शशि सरावगी व माया पटवारी द्वारा सावन के पारंपरिक गीत गाकर सभी का मन मोह लिया गया। इस मौके पर जिलापाल प्रथम सीमा गोयनका, अध्यक्ष कंचन पोद्दार, सचिव संगीता अग्रवाल, कोषाध्यक्ष स्वाति चौधरी, अंजू अग्रवाल, निभा सराफ, पिंकी हवेलिया, अनीमा गोयल, उर्वशी गर्ग, श्वेता खंडेलिया, सविता गोयल, बबीता जालान, सुनीता पारीक, सुनीता भडेच, सीमा अग्रवाल, विद्या गर्ग शालू चौधरी, अनिता चौधरी, विशाखा संथालिया, ललिता धनावत, सरोज खेतान, बिमला कोचर, कंचन बेताला, माया दूधोरिया, नीलम जालान, सुशीला गुप्ता आदि सदस्याए मौजूद थी। वही लायंस जिला 322जी के अधिवेशन में सर्वाधिक लोगों को क्लब से जोड़ने के लिए अध्यक्ष कंचन पोद्दार, रितु बंका, संगीता अग्रवाल, स्वाति चौधरी, पूनम तोदी को सुपर हीरो का पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। साथ ही जुलाई महीने में लायंस उमंग को जनसंपर्क के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ क्लब का पुरस्कार से नवाजा गया। इसके अलावा जीएमसीएच में क्लब की ओर से फीड द हंगर परियोजना के तहत विनीता जालान की देखरेख में बड़ी संख्या में लोगों को भोजन कराया गया। इस मौके पर सरोज खेतान सहित अन्य सदस्याए मौजूद थी।

प्रथम वाहिनी एसएसबी ने *मेरी माटी मेरा देश* अभियान मनाया

गुवाहाटी (हिंस)। *मेरी माटी मेरा देश* अभियान के तत्वावधान में आजादी का अमृत महोत्सव का समापन कार्यक्रम गुवाहाटी के सोनापुर स्थित प्रथम वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की ओर से मनाया गया। इस दौरान सभी अधिकारियों एवं अन्य कार्मिकों ने असम के विभिन्न गांव पंचायतों में इस कार्यक्रम में भाग लिया। वीर और वीरांगनाएं जिन्होंने देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया उन्हें याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की गई। प्रथम वाहिनी सोनापुर के द्वितीय कमान अधिकारी अनुज कुमार के नेतृत्व में बरखात जीपी के अंतर्गत एलपी स्कूल मैराकुची में यह कार्यक्रम मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत वीर पट्ट और शिलाफलकम ने उद्घाटन के साथ किया। कमांडेंट अनुज कुमार ने वीर पट्ट पर पुष्प अर्पित किए और *मिट्टी को नमन, वीरों का वंदन* विषय पर पंच प्राण प्रतिज्ञा समारोह आयोजित किया और बाद में स्वतंत्रता के 75वें वर्ष के जश्न के प्रतीक के रूप में 75 पौधे लगाकर कार्यक्रम का समापन किया। कार्यक्रम कमारकुची जीपी के तहत कमारकुची हाई स्कूल, बरुवाबाड़ी जीपी के तहत ज्ञान ज्योति हाई स्कूल और सोनापुर जीपी के तहत समता हाई स्कूल, आजारा जीपी के तहत राजधर बोरा हायर सेकेंडरी स्कूल, डंडुआ जीपी के तहत डंडुआ एमवी स्कूल में भी आयोजित किया गया था। इससे पहले असम पुलिस के शहीद एसआई विनोद फांगसो को सम्मानित करने के लिए आयोजित कार्यक्रम में जिला परिषद कामरूप (मेट्रो) के अध्यक्ष शिरोमोनी कोंवर और जिला परिषद कामरूप (मेट्रो) के सीईओ डोरोथी सुचिआंग, एसीएस, समता हाई स्कूल में एसएसबी प्रथम बटालियन के जवानों के साथ उपस्थित थे। कार्यक्रम में दिवंगत एसआई विनोद फांगसो के परिवार के सदस्य उपस्थित थे। आज, जनता को 13 से 15 अगस्त तक राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रोत्साहित करने के संदेश के साथ *हर घर तिरंगा* अभियान के एक हिस्से के रूप में नलबाड़ी में एक साइकिल रैली भी आयोजित की गई।

रंगिया : धर्मपरायण महिला शांति देवी शर्मा का निधन

रंगिया (विभास)। रंगिया के प्रतिष्ठित व्यवसायी मालचंद शर्मा की धर्मपत्नी तथा धर्मपरायण महिला शांति देवी शर्मा का शनिवार, 12 अगस्त को प्रात: 3.30 बजे स्वर्गवास हो गया। उनके निधन से अंचल में भारी शोक व्याप्त है। मालूम हो कि स्व. शांति देवी कई दिनों से गम्भीर बीमारी से पीड़ित थी। निधन की खबर पाकर समाजबंधुओं द्वारा उनका अंतिम दर्शन उनके निवास स्थान पर श्रद्धासुमन के साथ किया गया।

रंगिया में विधायक ने किया विशेष प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन

रंगिया (विभास)। असम लोक सेवा और केंद्रीय लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित प्रतियोगी परीक्षाओं में रंगिया विधानसभा और आसपास के क्षेत्र के छात्र-छात्राओं के लिए उत्कृष्ट परिणाम सुनिश्चित करने के उद्देश्य से रंगिया के विधायक तथा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता द्वारा एक विशेष कदम उठाया गया है। *प्रत्याशा-2023* नामक इस कार्यक्रम के माध्यम से क्षेत्र के 60 प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं के लिए मुफ्त प्रशिक्षण शिविर की व्यवस्था की गई है। इस उद्देश्य से रंगिया के ऐतिहासिक हरदत्त- बीरदत्त भवन प्रांगण में समारोह का आयोजन कर विधायक भवेश कलिता ने इस विशेष प्रशिक्षण शिविर का आधिकारिक रूप से उद्घाटन किया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विद्यार्थियों की प्रतिभा कम नहीं है परंतु, उचित मार्गदर्शन और प्रशिक्षण के अभाव में हमारे बच्चे प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल नहीं हो पाते हैं। खासकर केंद्रिय लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित प्रतियोगी परीक्षाओं में असम के बच्चों की सफलता दर बहुत कम है, उन्होंने कहा कि लोकसेवा आयोग द्वारा आयोजित प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए रंगिया में इस वर्ष पहली बार छात्र-छात्राओं के लिए मुफ्त विशेष प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई है। शिविर में गुवाहाटी की बरठाकुर आईएएस अकादमी के सहयोग से रंगिया महाविद्यालय के स्नातकोत्तर भवन में अंचल के प्रतिभासंपन्न 60 छात्रों को प्रशिक्षित किया जाएगा। चार महीने का यह कोचिंग शिविर सप्ताह में चार दिन आयोजित होगा। उद्घाटन समारोह में असम कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बिद्युत चंदन डेका, श्रीमंत शंकरदेव संघ के पदाधिकारी भवेंद्र नाथ डेका, कामरूप जिले की आयुक्त कीर्ति जल्ली, अतिरिक्त पायुक्त तथा रंगिया के महकमाधिपति दीपन बर्मन, रंगिया पौरसभा के अध्यक्ष अमरेंद्र लहकर, आरएसएस असम क्षेत्र के क्षेत्रीय संघ चालक डॉ. उमेश चक्रबर्ती सहित बहुत से गणमान्य लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम में कुलपति डॉ. बिद्युत चंदन डेका ने कहा कि आज का समय बहुत प्रतिस्पर्धात्मक है और प्रतियोगी परीक्षाओं में हर अंक महत्वपूर्ण है। इसलिए, छात्रों को ऐसी परीक्षाओं के लिए सभी पहलुओं में तैयार करने में प्रशिक्षण का विशेष महत्व है। अपने भाषण में उन्होंने रंगिया में इस तरह के कोचिंग कैंप के आयोजन के लिए विधायक भवेश कलिता को धन्यवाद दिया। उल्लेखनीय है कि इस मुफ्त प्रशिक्षण के लिए छात्रों की योग्यता के आधार पर 60 छात्र-छात्राओं को चुना गया है।

दिगंबर जैन महिला महासभा, गुवाहाटी शाखा का एक दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन संपन्न

गुवाहाटी (विभास)। श्री भारतवर्षीय दिगंबर जैन महिला महासभा का नारी शक्ति और मानव सेवा को समर्पित एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन छत्रीबाडी स्थित लोहिया लायंस ऑडिटोरियम में शाखा अध्यक्ष बीना छाबड़ा की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस अवसर पर अधिवेशन स्थल के मुख्य द्वार का उद्घाटन अजीत चंदूवाड एवं उनके परिवार के सदस्यों ने फीता काट कर किया। श्रीमती गीता पांड्या द्वारा जिन शासन का झंडा फहराया गया। रमेश काला और जयकुमार सेठी एवं उनके परिवार वालों ने सभागार का फीता काटकर उद्घाटन किया। इस अवसर पर मंच पर राष्ट्रीय कार्यकारिणी कार्यवाहक अध्यक्ष रंजना बाकलीवाल, राष्ट्रीय कार्यकारिणी महामंत्री डॉ. ज्योत्सना जैन, राष्ट्रीय कार्यकारिणी मंत्री रजनी जैन, राष्ट्रीय कार्यकारिणी उपाध्यक्ष शिखा जैन, गुवाहाटी शाखा अध्यक्ष बीना छाबड़ा, गुवाहाटी शाखा की महामंत्री सुनीता रारा, एवं कार्यक्रम की मुख्य अतिथि विशिष्ठ लेखिका अंशु सारडा उपस्थित थी। मंच पर आसीन अतिथियों के स्वागत की कड़ी के

पश्चात किरण पहाड़िया, ज्योति डागा, सुधा काला और रेखा बड़जात्या को भी दुपट्टा पहनाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के शुभारंभ में किरण पहाड़ियां एवं मंच पर आसीन पदाधिकारी द्वारा दीप प्रज्वलित किया गया तथा आचार्य विद्यासागर जी के छायाचित्र का अनावरण चंद्रकांत अजमेरा सरिता पांड्या और मंजू गोधा व उनके पारिवारिक सदस्यों ने किया। तत्पश्चात डॉ. (सीए) संतोष जैन काला को अधिवशन को सफल अंजाम देने हेतु दुपट्टा एवं फूलोम गामोछा से सन्मानित किया गया द्य अध्यक्ष बीना छाबड़ा ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि आज की वर्तमान परिस्थिति में महिलाओं को एक होकर अपने अस्तित्व की रक्षा में आगे आना होगा। आज जिस तरह हमारी समाज की बहू बेटियों के साथ विभिन्न तरह के अन्याय व अत्याचार होते हैं उसका मुकाबला नारी सशक्तिकरण के द्वारा ही किया जा सकता है। जैन धर्म एवं जैन मुनियों की सुरक्षा के लिए भी हमें एकजुट रहना होगा। मंचासीन सभी पदाधिकारियों ने भी अपना अपना संबोधन दिया। इसी कड़ी में लोअर असम की अध्यक्ष कल्पना छाबड़ा ने भी अपना संबोधन दिया। प्रथम चरण में शाखा महामंत्री सुनीता रारा ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। अधिवेशन के द्वितीय चरण में स्वास्थ्य परिचर्चा के अंतर्गत मधुमेह रोग से मुक्ति पाने के उपाय के बारे में डॉक्टर भारत भूषण कुकरेजा ने विस्तृत रूप से बताया एवं निधि सरावगी द्वारा प्राणी हीलिंग में ऊर्जा से उपचार पर व्याख्यान दिया गया। इस सत्र का संचालन राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. ज्योत्स्ना जैन ने किया। कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रम रेखा बरज्यात्या की देखरेख में प्रस्तुत किए गए। अधिवेशन में गुवाहाटी के अलावा अन्य नगरों की कार्यकर्ताओं एवं भिभिन्न महिला सभाओं की पदाधिकारियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। मंच का संचालन मेघा छाबड़ा ने बखूबी किया।

शंकरदेव संघ के 93वें वार्षिकोत्सव को लेकर बैठक आयोजित

विधायक कलिता ने किया अधिवेशन की प्रस्तावित भूमि का निरीक्षण

रंगिया (विभास)। उत्तर पूर्वांचल के धार्मिक संगठन श्रीमंत शंकरदेव संघ का 93वां वार्षिक अधिवेशन वर्ष 2024 के 9, 10 और 11 फरवरी को भव्य रूप रंगिया में आयोजित किया जाएगा। रंगिया में आयोजित होने वाले इस अधिवेशन को सफल बनाने के उद्देश्य से आज रंगिया नगर स्थित श्रीमंत शंकरदेव संघ, रंगिया जिला शाखा नामघर की अतिथिशाला प्रांगण में समिति के पदाधिकारियों और स्वागत समिति के पदाधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई जिसमें रंगिया के विधायक तथा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भी शामिल रहे। बैठक में आगामी 93 वें वार्षिक अधिवेशन की प्रस्तुति के संबंध में विचार-विमर्श किया गया। इसके साथ ही विधायक कलिता ने मरानजना गांव पंचायत के अंतर्गत भयरा हाथीखला में आयोजित होने वाले श्रीमंत शंकरदेव संघ के आगामी 93वें रंगिया अधिवेशन की प्रस्तावित भूमि का निरीक्षण किया।

नगरबेड़ा में 77वें स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियां जोरों पर

नागरबेड़ा (विभास)। कामरूप जिले के नगरबेड़ा राजस्व सर्किल के अंचल अधिकारी की पहल के साथ-साथ राज्य के विभिन्न हिस्सों में क्षेत्र के लोगों के सहयोग से नगरबेड़ा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मैदान के प्रांगण में 77वां स्वतंत्रता दिवस समारोह केंद्रीय रूप से मनाया जा रहा है। तैयारियां जोरों पर हैं। समारोह समिति ने एक दिवसीय रंगारंग कार्यक्रम के साथ मनाए जाने वाले स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम की घोषणा की। एक दिवसीय कार्यक्रम के साथ मनाए जाने वाले स्वतंत्रता दिवस के पहले कार्यक्रम के अनुसार उनके आवासों, कार्यक्रमों, दुकानों और दुकानों पर सुबह 7 बजे राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाएगा। नगरबेड़ा राजस्व सर्किल अधिकारी एवं कार्यपालक दंडाधिकारी बनश्री मालाकार द्वारा सुबह 9 बजे राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाएगा। राष्ट्रगान पर्यावरण और भाषण। सुबह 9.30 बजे विभिन्न संस्थानों और स्कूलों के छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएगा। सुबह 10.30 बजे, एक ग्रेडेड स्कूल, कृति के छात्र और विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित हस्तियां आयोजित की गईं। कार्यक्रम एक चमक के साथ समाप्त होगा। इस बार स्वतंत्रता दिवस को धूम-धाम से मनाने के लिए समारोह समिति के अधिकारियों ने जरूरी काम पहले ही पूरा कर लिया है। स्वतंत्रता दिवस समारोह समिति ईमानदारी से उक्त दिन के हर कार्यक्रम के सुचारू संचालन और सफलता को सुनिश्चित करने में लोगों की उपस्थिति और सहयोग की मांगा किया है स्वतंत्रता दिवस समारोह समिति ने।

हैलाकांदी से एक विस सीट काटने को लेकर भाजपा में जश्न

हैलाकांदी (हिंस)। निर्वाचन क्षेत्र के पुनर्निर्धारण की अंतिम सूची प्रकाशित होने के बाद हैलाकांदी में जीत का जश्न मनाया जा रहा है। हैलाकांदी जिले से एक निर्वाचन क्षेत्र के कटने के बाद हैलाकांदी भाजपा के सदस्यों ने पटाखे फोड़कर खुशी व्यक्त की। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को चुनाव आयोग ने निर्वाचन क्षेत्र के पुनर्निर्धारण की अंतिम सूची जारी की थी। हैलाकांदी शहर के बाटप्वाइंट पर कल रात भाजपा कार्यकर्ताओं ने पटाखे फोड़े और मिठाइयां बांटकर जीत का जश्न मनाया। उन्होंने निर्वाचन क्षेत्र के पुनर्निर्धारण की अंतिम सूची जारी करने के लिए भारत के चुनाव आयोग को धन्यवाद दिया।

अभामस की महिला शाखा नगांव ने शौचालय निर्माण करवाया

डॉ. अमर चंद सुराणा ने शौचालय का उद्घाटन किया

नगांव (निसं)। शुक्रवार को अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन, नगांव शाखा ने शहर के लाऊखोवा रोड़, हैबरगांव स्थित मारवाड़ी हिंदी हाई स्कूल में नव निर्मित शौचालय का निर्माण करवा कर स्कूल प्रबंधन को सुपुर्द किया। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन, नगांव शाखा द्वारा निर्मित उक्त शौचालय का उद्घाटन शुक्रवार को किया गया है। सर्वप्रथम स्कूल कमिटी द्वारा सभी का स्वागत किया गया तथा इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. अमर चंद सुराणा, अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की अध्यक्षा श्रीमती रंजु जितानी, सचिव नीरजा खाटुवाला, स्कूल के निवर्तमान प्रधानाध्यापक छोटेलाल गुप्ता का फुलम गामोछा से अभिनंदन किया गया। तत्पश्चात सम्मेलन की अध्यक्षा रंजु जितानी ने अपना वक्तव्य रखा। सचिव नीरजा खाटुवाला ने मुख्य अतिथि शहर के जाने-माने वरिष्ठ चिकित्सक तथा समाज सेवक डॉ. अमर चंद सुराणा का जीवन परिचय सभा के सम्मुख प्रस्तुत करते हुए बताया कि डॉ. सुराणा ने अपनी प्राथमिक शिक्षा इसी हिंदी स्कूल से प्राप्त की थी। सम्मेलन की तरफ से फुलम गामोछा पहनाकर डॉ. सुराणा का अभिनंदन किया गया। साथ ही सम्मेलन की तरफ से स्कूल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष ओमप्रकाश जाजोदिया, उपाध्यक्ष सुनील आलमपुरीया, 1 न. वार्ड की महिला पार्षद मल्लिका सुत्रधर का भी फुलम गामोछा से अभिनंदन किया गया। तत्पश्चात मुख्य अतिथि डॉ. अमर चंद सुराणा ने फिता काटकर शौचालय का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर डॉ. सुराणा ने कहा कि 60 साल बाद स्कूल में आकर बहुत खुशी हो रही है तथा उन्होंने इस जनसेवा के कार्य के लिए अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन नगांव शाखा की भूरी- भूरी प्रसंशा की। स्कूल प्रबंधन समिति की तरफ से सम्मेलन को एक स्मृति चिन्ह (प्रसंशा पत्र) प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम में सम्मेलन की सदस्याएं सरोज भजनका, बबीता बगड़ीया, मंजु करवा, कोषाध्यक्ष कुसुम आलमपुरीया, लीला वर्मा, मनीता मित्तल, नीता बगड़िया, शारदा बगड़िया, नीलम चांदगोठिया, सुनीता गोयनका, संचिता बगड़िया, श्वेता अग्रवाल, सरोज नाहटा, अंजु भजनका, कुसुम सेठिया, सरिता छाजेड़, सुमन बोथरा, संगीता चोरड़िया, उपस्थित थीं। कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी का सहयोग सराहनीय रहा।

पूर्वी भारत में देश के विकास का मजबूत इंजन बनने की क्षमता : प्रधानमंत्री

- नरेन्द्र मोदी बोले- संसद में विपक्ष अविश्वास प्रस्ताव पर वोटिंग से डर गया था
- पश्चिम बंगाल पंचायत चुनावों में 'धांधली' को लेकर टीएमसी पर हमला बोला

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि पूर्वी भारत में देश के विकास का एक मजबूत इंजन बनने की क्षमता है। प्रधानमंत्री आज पश्चिम बंगाल के कोलाघाट में क्षेत्रीय पंचायती राज परिषद के उद्घाटन के दौरान भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं को वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने इस दौरान विपक्षी गठबंधन आई.एन.डी.आई.ए. पर तीखा हमला करते हुए कहा कि हमने संसद में विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव को हराया और पूरे देश में नकारात्मकता फैलाने वालों को भी करारा जवाब दिया। हालात ये हैं कि विपक्ष के लोग बीच चर्चा में ही सदन छोड़कर भाग गए। सच्चाई ये थी कि विपक्ष अविश्वास प्रस्ताव पर वोटिंग से डर गया था। उन्होंने कहा कि वो लोग नहीं चाहते थे कि वोटिंग हो क्योंकि वोटिंग होती तो 'घमंडिया' गठबंधन की पोल खुल जाती, कौन किसके साथ है, ये दूध का दूध, पानी का पानी हो जाता। प्रधानमंत्री ने कहा कि विपक्ष को मणिपुर की चिंता नहीं है। वे मणिपुर के मुद्दे पर चर्चा नहीं चाहते हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष के लोग सदन से भाग गए, ये पूरे देश ने देखा है, लेकिन ये दुःखद है कि इन लोगों ने मणिपुर के लोगों के साथ इतना बड़ा विश्वासघात किया। सत्र प्रारंभ होने से पहले देश के गृहमंत्री ने इन राजनीतिक दलों को चिट्ठी लिखकर कहा था कि वो तत्काल मणिपुर के मुद्दे पर चर्चा करना चाहते हैं और अकेले मणिपुर पर विस्तृत चर्चा हो ये जरूरी है।

इतने संवेदनशील विषय पर पक्ष-विपक्ष में बात होती तो मणिपुर के लोगों को भी मरहम लगता और समस्या के समाधान के कुछ नए रास्ते भी निकल आते, लेकिन ये लोग मणिपुर पर चर्चा नहीं चाहते थे, क्योंकि उनको मालूम था कि मणिपुर का सच सबसे ज्यादा उनको चुभने वाला है। उनको मणिपुर के नागरिकों के दुःख-दर्द और पीड़ा की परवाह नहीं थी। उन्होंने कहा कि उनके लिए उनकी राजनीति, देश से बड़ा दल ही प्राथमिकता है। इसलिए उन्होंने मणिपुर की चर्चा तो टाल दी और अविश्वास प्रस्ताव लाकर राजनीतिक बहस को ही प्राथमिकता दी। प्रधानमंत्री ने कहा कि ये सदन में भले ही व्यवधान डाल लें, लेकिन भाजपा के हम सभी कार्यकताओं और जन प्रतिनिधियों को जनता के बीच जाकर सच्चाई के हर पहलू से लोगों को अवगत कराना ही कराना है।

प्रधानमंत्री ने पश्चिम बंगाल में हाल ही में हुए पंचायत चुनावों को लेकर ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस पर भी हमला किया और कहा कि पूरे देश ने पूर्वी राज्य में हत्या की राजनीति देखी है। प्रधानमंत्री ने तृणमूल कांग्रेस पर पश्चिम बंगाल पंचायत चुनाव के दौरान भाजपा उम्मीदवारों को धमकाने और बूथ कैप्चरिंग का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, हाल ही में वहां पंचायत चुनाव हुए हैं। इन चुनावों में तृणमूल कांग्रेस ने कैसा खूनी खेल खेला, ये भी देश ने देखा है। उसके टोलाबाजों की फौज वोटिंग में ठप्पेबाजी की फौज बन जाती है। सारे गुंडों को कॉन्ट्रैक्ट दिया जाता है कि कितने पोलिंग बूथ को कौन कैप्चर करेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि वे यह सुनिश्चित करने के लिए कुछ भी करते हैं कि कोई भी भाजपा उम्मीदवार नामांकन दाखिल न कर सके। वे न केवल भाजपा कार्यकताओं को बल्कि मतदाताओं को भी धमकाते हैं। बूथ पर कब्जा करने के लिए ठेके दिए जाते हैं। यह राज्य में राजनीति करने का उनका (तृणमूल कांग्रेस) तरीका है। प्रधानमंत्री ने भाजपा कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज की इस बैठक से कुछ दिन पहले हरियाणा में स्थानीय स्वराज के प्रतिनिधियों से बातचीत करने का अवसर मिला था। उन्होंने कहा कि जब मैं पार्टी के कार्यक्रम में आता हूं, कार्यकताओं से मिलता हूं, तो मुझे हमेशा एक नई प्रेरणा और नया उत्साह मिलता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पूर्वी भारत में देश के विकास का एक मजबूत स्तंभ, एक मजबूत इंजन का पूरा पूरा सामर्थ्य है। वहां प्राकृतिक संसाधनों की भरमार है और वहां हमारे तेजस्वी, ऊर्जावान एवं ओजस्वी नागरिकों का भी एक बहुत बड़ा सामर्थ्य है। इसलिए पूर्वी भारत के आप सभी प्रतिनिधियों से मिलना, बात करना अपने आप में बहुत अहम हो जाता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आप सभी भारतीय लोकतंत्र की एक बड़ी मजबूत इकाई का नेतृत्व कर रहे हैं। जिला परिषद का अध्यक्ष राज्य के कैबिनेट मिनिस्टर से भी ज्यादा ताकत रखता है, उससे ज्यादा काम कर सकता है। भाजपा के कार्यकर्ता के तौर पर भी आप अपने जिले में, राज्य में पार्टी की नींव मजबूत करने में भी अपने काम और व्यवहार के जरिये लोगों का दिल जीत रहे हैं और इसके लिए बार-बार लोग भाजपा पर विश्वास जता रहे हैं।

लोकसभा से निलंबन को लेकर जरूरत पड़ी तो जाएंगे सुप्रीम कोर्ट : अधीर रंजन चौधरी

अजय कुमार

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं सांसद अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि उनको नियमों को ताक पर रखकर लोकसभा से निलंबित किया गया है, इसलिए अगर जरूरत पड़ी तो वह सुप्रीम कोर्ट का भी रुख करेंगे। चौधरी ने शनिवार को पार्टी मुख्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि हम चाहते थे कि सदन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मणिपुर पर अपना पक्ष रखें लेकिन उन्होंने हमारी एक न सुनी। मजबूर होकर हमें अविश्वास प्रस्ताव लाना पड़ा। हम यह सोचकर प्रस्ताव लाए थे कि इसी बहाने प्रधानमंत्री मणिपुर मुद्दे पर अपनी बात रखेंगे लेकिन वह अपने दो घंटे से अधिक के भाषण में दो मिनट ही मणिपुर पर बोल पाए। चौधरी ने कहा कि जब तक अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा खत्म न हो, तब तक किसी अन्य विषय पर चर्चा नहीं होनी चाहिए। यह हमारे सदन की परंपरा है।

इसके बावजूद मोदी सरकार ने सभी परंपरागत तौर-तरीकों की धज्जियां उड़ाते हुए एक के बाद एक बिल पारित कर दिए। इस दौरान विपक्ष को किसी भी विधेयक पर अपनी बात रखने का मौका नहीं मिल पाया। चौधरी ने कहा कि उन्होंने लगातार जनता के मुद्दों सहित मणिपुर के मुद्दों पर मजबूती से पक्ष रखा है। इसलिए योजनाबद्ध तरीके से संसद से उन्हें निलंबित कर दिया गया। उल्लेखनीय है कि लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने प्रधानमंत्री मोदी के बारे में अपशब्दों का इस्तेमाल किया। सदन की ओर से उन्हें माफी मांगने को कहा गया लेकिन उन्होंने माफी नहीं मांगी थी। इसके चलते उन्हें सदन की कार्यवाही से निलंबित कर दिया गया था।

अगले माह भारत की यात्रा करेंगे ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री, जी-20 शिखर सम्मेलन में लेंगे हिस्सा

केनबरा, (हि.स.)। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज अगले माह भारत की यात्रा करेंगे। नौ से दस सितंबर तक प्रस्तावित भारत यात्रा के दौरान वे जी-20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। ऑस्ट्रेलिया की सरकार ने प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज के भारत दौरे की पुष्टि कर दी है। ऑस्ट्रेलिया की सरकार की ओर से बताया गया कि ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री की भारत यात्रा उनके तीन देशों के दौरे का हिस्सा होगी। भारत के अलावा अल्बानीज इंडोनेशिया और फिलीपींस भी जाएंगे। साथ ही कहा गया है कि जी-20 वैश्विक आर्थिक सहयोग के लिए दुनिया का प्रमुख मंच है। इसमें शामिल होने वाले नेता वैश्विक अर्थव्यवस्था को मजबूत, टिकाऊ और लचीले विकास की ओर वापस लाने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। ऑस्ट्रेलियाई सरकार की ओर से जारी बयान में प्रधानमंत्री अल्बानीज के हवाले से कहा गया कि यह पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है कि ऑस्ट्रेलिया साझा चुनौतियों और अवसरों का समाधान करने के लिए जी-20 जैसे बहुपक्षीय आर्थिक मंचों पर बढ़-चढ़ कर अपनी बात रखता है। ऑस्ट्रेलिया अपने अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के साथ मिल कर काम करने में आगे रहता है। ऑस्ट्रेलिया ने विकास और समृद्धि, स्थिरता और संप्रभुता और स्थायी शांति के लिए सम्मान बढ़ाने के लिए हिन्द प्रशांत क्षेत्र में निवेश किया है और इसके लिए प्रतिबद्ध है।

दिल्ली सेवा बिल बना कानून, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने किया अप्रूव

अजय त्यागी

नई दिल्ली। दिल्ली सर्विस बिल को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अप्रूव कर दिया है। उनके हस्ताक्षर के साथ ही यह आज से कानून बन गया। यह कानून उस अध्यादेश की जगह लेगा जिसके तहत केंद्र सरकार ने आम आदमी पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार से दिल्ली की नौकरशाही पर नियंत्रण छीन लिया था। संसद में भारी हंगामे के बीच बिल पारित हुए। आम आदमी पार्टी को कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी दलों ने समर्थन दिया, बावजूद इसके राज्यसभा में बिल को अच्छा समर्थन मिला। राष्ट्रपति ने चार बिलों को अप्रूव कर आज कानून की शक्ल दी है। इनमें डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन बिल भी शामिल है। इनके अलावा रजिस्ट्रेशन ऑफ बर्थ एंड डेथ बिल और द जन विश्वास बिल को भी आज राष्ट्रपति मुर्मू ने अप्रूवल दी है। दो बिलों पर उन्होंने हस्ताक्षर किए हैं। दिल्ली सेवा बिल को जब वोटिंग के लिए पटल पर रखा गया तो विपक्षी नेता सदन से वॉकआउट कर गए थे। राजधानी दिल्ली में सर्विसेज पर कंट्रोल के लिए केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलटते हुए 19 मई को एक अध्यादेश जारी किया था। गृह मंत्री अमित शाह ने केंद्र के इस प्रस्तावित कानून का संसद में पुजोर बचाव किया।

संसद में उन्होंने कहा कि यह अध्यादेश सर्वोच्च न्यायालय के उस आदेश के तहत है जिसमें कहा गया है कि संसद को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली से संबंधित कानून बनाने का अधिकार है। संविधान में ऐसे प्रावधान हैं जो केंद्र को दिल्ली के लिए कानून बनाने की इजाजत देता है। दिल्ली सेवा बिल पारित होने से पहले दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल ने एक ट्वीट में कहा था कि यह दिल्ली के लोगों को गुलाम बनाने की कोशिश है। राज्यसभा में आम आदमी पार्टी की तमाम कोशिशों के बाद भी बिल के समर्थन में 130 वोट पड़े, जबकि विपक्षी गठबंधन सिर्फ 102 वोट ही जुटा सका था। मणिपुर मुद्दे पर विपक्षी सदस्यों की नारेबाजी के बीच डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन विधेयक ध्वनि मत से पारित किया गया। इस बिल के जरिए विपक्ष का आरोप है कि सरकार देश को सर्विलांस स्टेट बनाने की कोशिश कर रही है।

अगले माह राहुल गांधी करेंगे यूरोपीय देशों का दौरा

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी यूरोपीय देशों का दौरा करने वाले हैं। वे इस साल सितंबर के दूसरे सप्ताह में फ्रांस सहित चार यूरोपीय देशों का दौरा करेंगे। कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता से मिली जानकारी के अनुसार राहुल गांधी फ्रांस, बेल्जियम और नॉर्वे का दौरा करेंगे। इस दौरान राहुल यूरोपीय संघ के सदस्यों के साथ भी बातचीत करेंगे। राहुल गांधी अपनी यात्रा के दौरान छात्रों और प्रवासी भारतीयों से भी मुलाकात करेंगे। गौरतलब है कि इस साल की शुरूआत में राहुल गांधी ने अमेरिका और ब्रिटेन का दौरा किया था। राहुल गांधी ने छात्रों, प्रवासी भारतीयों और कुछ प्रमुख विश्वविद्यालय के सदस्यों से भी बातचीत की थी।

चीन-पाक को जवाब देने आईएएफ ने श्रीनगर में तैनात किया मिग-29 स्क्वाड्रन

-उत्तर के रक्षक ने श्रीनगर हवाई अड्डे पर मिग-21 की जगह ली, दुश्मन को मिलेगा मुंहतोड़ जवाब

श्रीनगर (ईएमएस)। पाकिस्तान व चीन को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए भारत ने श्रीनगर हवाई अड्डे पर अपग्रेडेड मिग-29 फाइटर जेट का एक स्क्वाड्रन तैनात किया है। मिली जानकारी के अनुसार इंडियन एयरफोर्स के ट्राइडेंट स्क्वाड्रन जिसे उत्तर के रक्षक के रूप में भी जाना जाता है, ने श्रीनगर हवाई अड्डे पर मिग-21 स्क्वाड्रन की जगह ले ली है। बता दें कि अभी तक भारतीय वायुसेना का मिग-21 स्क्वाड्रन पाकिस्तान की ओर खतरे की देखभाल के लिए जिम्मेदारी उठा रहा था। भारतीय वायु सेना के पायलट स्क्वाड्रन लीडर विपुल शर्मा ने मीडिया को बताया कि श्रीनगर कश्मीर घाटी के केंद्र में स्थित है और इसकी ऊंचाई मैदानी इलाकों से अधिक है। सीमा के निकट होने के कारण कम समय में बेहतर रिस्पॉन्स देने वाला एयरक्राफ्ट रखना रणनीतिक रूप से ठीक है। एक और बात जो मिग-29 ट्राइडेंट स्क्वाड्रन को मिग-21 से अलग बनाती है वह है, इन लड़ाकू विमानों की उन्नत तकनीक, जो लंबी दूरी की मिसाइलों से लैस हैं। बता दें कि मिग-21 की तुलना में मिग-29 के कई फायदे हैं। हालांकि, मिग-21 स्क्वाड्रन को कमतर नहीं आंका जा सकता, जिसने वर्षों तक कश्मीर घाटी में अपनी जिम्मेदारी सफलतापूर्वक निभाई और साल 2019 में बालाकोट हवाई हमलों के बाद पाकिस्तानी आतंकवादी शिविरों पर बम बरसाने, पीएएफ के एफ-16 को मार गिराने में भी कामयाब रहे। जहां तक मिग-29 की बात है तो यह इस मामले में बेहतर है कि अपग्रेड के बाद उसे बहुत लंबी दूरी की हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों और हवा से जमीन पर मार करने वाले हथियारों से लैस किया गया है। सरकार द्वारा सशस्त्र बलों को दी गई आपातकालीन खरीद शक्तियों का उपयोग करते हुए इसे घातक हथियारों से भी लैस किया गया है। भारतीय वायुसेना के अधिकारियों ने बताया कि ह्यअपग्रेडेड मिग-29 लड़ाकू विमानों को युद्ध के समय दुश्मन के एयरक्राफ्ट की क्षमताओं को जाम करने की क्षमता भी प्रदान की गई है। आईएएफ के एक अन्य पायलट स्क्वाड्रन लीडर शिवम राणा ने कहा कि अपग्रेडेड मिग-29 फाइटर जेट रात में नाइट विजन गॉगल्स के साथ काम कर सकता है और हवा से हवा में ईंधन भरने की क्षमता के कारण इसकी रेंज लंबी है। गौरतलब है कि भारतीय वायुसेना ने मिग-29 इस साल जनवरी में श्रीनगर हवाई अड्डे पर डिप्लॉय किया था। लद्दाख सेक्टर के साथ-साथ कश्मीर घाटी में इन विमानों ने बड़े पैमाने पर उड़ान भरी। बताया जा रहा हे कि अब श्रीनगर हवाई अड्डे पर मिग-29 स्क्वाड्रन की तैनाती के बाद, चीन या पाकिस्तान की ओर से भारतीय हवाई क्षेत्र के उल्लंघन के किसी भी प्रयास को मुंहतोड़ जवाब देने में आसानी होगी।

'केंद्रीय गृह मंत्री पदक' से सम्मानित हुए 140 पुलिसकर्मी

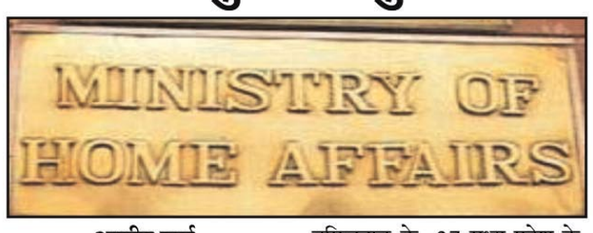

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। देश के 140 पुलिसकर्मियों को वर्ष 2023 में "जांच में उत्कृष्टता के लिए 'केंद्रीय गृह मंत्री पदक' से नवाजा गया है। गृह मंत्रालय ने शनिवार को एक विज्ञप्ति जारी कर कहा कि पुरस्कार प्राप्त करने वाले कर्मियों में से 15 केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के, 12 राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के, 10 उत्तर प्रदेश पुलिस के, 09 केरल और राजस्थान के, 08 तमिलनाडु के, 07 मध्य प्रदेश के, 06 गुजरात के और शेष अन्य राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों/संगठन से हैं। इनमें 22 महिला पुलिस अधिकारी को भी केंद्रीय गृह मंत्री पदक से सम्मानित किया गया। इस पदक का गठन 2018 में अपराध की जांच के उच्च पेशेवर मानकों को बढ़ावा देने और जांच में ऐसी उत्कृष्टता को मान्यता देने के उद्देश्य से किया गया था। इसकी घोषणा प्रत्येक वर्ष 12 अगस्त को की जाती है।

रुद्रप्रयाग में मलबे में दबे वाहन से 5 लोगों के शव बरामद

रुद्रप्रयाग, (हि.स.)। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में आज सुबह मार्ग खोलते वक्त एक क्षतिग्रस्त वाहन (यूके 07 टीबी 6315) मलबे में दबा मिला। इसके भीतर पांच व्यक्तियों के शव मिले हैं। यह सूचना रुद्रप्रयाग पुलिस के ट्विटर हैंडल पर साझा की गई है। रुद्रप्रयाग पुलिस ने कहा है कि क्षतिग्रस्त गाड़ी स्विफ्ट डिजायर है। आज सुबह यहां पर दोनो छोर से मार्ग खोलने का कार्य शुरू कर दिया गया है। यहां काफी बड़े बोल्डर, मलबा इत्यादि काफी मात्रा में आया है। फिलहाल मार्ग को सुचारु करने में काफी समय लग सकता है।

हिमाचल के आठ जिलों में बाढ़ की चेतावनी, पर्यटकों के लिए पुलिस ने जारी की एडवाइजरी

शिमला, (हि.स.)। हिमाचल प्रदेश में मानसून का रौद्र रूप देखने को मिल रहा है। पिछले दो दिन से राज्य में मूसलाधार बारिश हो रही है। इसके चलते कई जगह भूस्खलन हुआ है। मौसम विभाग ने अगले दो दिन भी मूसलाधार बारिश का अलर्ट जारी किया है। साथ ही आठ जिलों में बाढ़ की चेतावनी भी जारी की गई है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के निदेशक सुरेंद्र पॉल ने शनिवार को बताया कि शिमला, कांगड़ा, चम्बा, हमीरपुर, बिलासपुर, मंडी, कुल्लू और सोलन जिलों में अगले 24 घंटों के दौरान बाढ़ आने की आशंका है। इन जिलों में भारी वर्षा, बादल फटने और भूस्खलन की भी संभावना बनी हुई है। इस बीच मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मद्देनजर हिमाचल प्रदेश पुलिस विभाग ने पर्यटकों और स्थानीय लोगों के लिए विशेष एजवाइजरी भी जारी कर दी है। पुलिस महानिदेशक संजय कुंडू की ओर से आठ बिंदुओं पर जारी एडवाइजरी में कहा गया है कि लगातार हो रही व्यापक वर्षा के कारण कई सड़कें यातायात के लिए अवरुद्ध हो गई हैं और नदी-नालों में अचानक बाढ़ की स्थिति बन गई है। कई स्थानों पर भूस्खलन होने से सड़क हादसे हो रहे हैं। कई पर्यटन स्थलों को जोड़ने वाली सड़कों पर भूस्खलन हुआ है तथा बड़ी संख्या में सड़क मार्ग अवरुद्ध रहे हैं। ऐसे में पर्यटक एवं स्थानीय लोग बहुमूल्य जीवन और संपत्ति को बचाने के लिए अनावश्यक यात्रा न करें। अतिआवश्यक होने पर ही घरों से बाहर निकलें। इसके साथ ही कहीं पर जाने से पूर्व वहां की स्थिति और प्रशासन की सलाह का पालन करने को कहा गया है। राज्य में पिछले 24 घंटों के दौरान हुई भारी बारिश से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की रिपोर्ट के अनुसार शनिवार को राज्य में भूस्खलन से दो नेशनल हाइवे समेत 395 सड़कें बंद रहीं। सोलन में कालका-शिमला एनएच-5 और मंडी में मंडी-कुल्लू एनएच-21 अवरुद्ध है। मंडी जिले में सबसे ज्यादा 191 सड़कें बंद हैं। शिमला में 43, बिलासपुर में 41, कुल्लू में 38 और सोलन में 33 सड़कें अवरुद्ध हुई हैं। रिपोर्ट के मुताबिक वर्षा से 1184 बिजली ट्रांसफार्मर ठप पड़ गए हैं। मंडी में 573, कुल्लू में 550, सोलन में 44 और चम्बा में 14 ट्रांसफार्मर खराब हैं।

पुलिस की एडवाइजरी-

1. भारी बारिश के दौरान अत्यावश्यक होने पर ही घरों से निकलें, अनावश्यक यात्रा से बचें।
2. उन इलाकों में रात में यात्रा करने से बचें, जहां सड़कें ठीक नहीं हैं, क्योंकि अंधेरे में भूस्खलन और चट्टानें दिखाई नहीं देती हैं।
3. नदियों और नालों से दूर रहें।
4. जहां भूस्खलन का अंदेशा हो, उस जगह से दूर रहें।
5. बारिश में सड़क पर पेड़ और पत्थरों के गिरने का खतरा बना रहता है। इसलिए वाहनों को सावधानी पूर्वक चलाएं।
6. गाड़ी चलाते समय कम दृश्यता में लो बीम (फोग) का इस्तेमाल करें।
7. बाढ़ वाली सड़कों पर गाड़ी चलाने की कोशिश न करें।
8. किसी भी आपात हालत, यात्रा संबंधी सलाह और सड़कों की स्थिति की जानकारी के बारे में जिला पुलिस सहायता कक्ष एवं 112 नम्बर में संपर्क करें।

अगले 5 साल में 3 लाख नए पैक्स समिति बनाने का लक्ष्य : अमित शाह

गांधीधाम, (हि.स.)। केन्द्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को गांधीधाम-कंडला में इफको के 350 करोड़ रुपए के खर्च से तैयार विश्व के पहले नैनो डीएपी (तरल) प्लांट का शिलान्यास किया। इस अवसर पर सहकारी क्षेत्र के बड़ी संख्या में मौजूद किसानों के बीच केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि देश में सहकारिता के जरिए किसानों को समृद्ध करने के निश्चय के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्राकृतिक खेती को प्रमुखता देकर नई हरित क्रांति शुरू हुई है। वहीं, पैक्स के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए आगामी 5 साल में 3 लाख नए पैक्स (प्राइमरी एग्रीकल्चर क्रेडिट सोसायटी) बनाना तय किया गया है। इफको परिसर में नैनो डीएपी (तरल) प्लांट का शिलान्यास करने के बाद केन्द्रीय मंत्री ने किसानों से कहा कि पीएम मोदी ने सहकारिता मंत्रालय बनाने के बाद देश के किसानों को समृद्ध बनाने का लक्ष्य तय किया है। इसमें आज इफको भी इस प्लांट के जरिए जुड़ गया है। इफको के नया तरल खाद कई तरह से किसानों और खेती के लिए फायदेमंद साबित होगा। इससे जहां धरती माता सुरक्षित होंगी, जमीन में केमिकल और जहर नहीं मिलेगा, किसानों के समक्ष आज जमीन को उपजाऊ बनाए रखने की चुनौती है, इससे उन्हें मुक्ति मिलेगी। उन्होंने कहा कि नैनो डीएपी मिट्टी में नहीं मिलता, पौधों में ही रहता है। इससे जल प्रदूषित भी नहीं होगा, उत्पादन भी बढ़ेगा। साथ ही इसकी कीमत कम होने से किसानों को आर्थिक फायदा भी होगा। इससे केंद्र सरकार पर सब्सिडी का बोझ कम होगा, यूरिया उर्वरक का आयात कम होगा और देश को कृषि व उर्वरक क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लक्ष्य में मदद मिलेगी।

उन्होंने न केवल देश में बल्कि पूरे विश्व में नैनो उर्वरकों के उत्पादन की इफको की पहल की सराहना करते हुए कहा कि आज प्रधानमंत्री के नेतृत्व में प्राकृतिक कृषि को प्रमुखता देने के साथ ही देश में नई हरित क्रांति के बीज बोए गए हैं। देशभर के वैज्ञानिकों, कृषि वैज्ञानिकों के प्रयास, किसानों की मेहनत और प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व के कारण आज भारत अनाज के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन गया है। नई हरित क्रांति के तीन लक्ष्यों के बारे में उन्होंने कहा कि भारत को केवल गेहूं और चावल ही नहीं बल्कि सभी प्रकार के खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाना है। दूसरा, किसान का प्रति एकड़ उत्पादन बढ़ाना और मिट्टी का संरक्षण करना। तीसरा, जैविक कृषि उत्पादों के निर्यात के माध्यम से किसानों के घरों में समृद्धि लाना। इसके अलावा, देश को कृषि में आत्मनिर्भर बनाने के लिए, सहकारिता मंत्रालय ने तीन बहु-राज्य सहकारी समितियों का गठन किया है। शाह ने कहा कि एक बहु-राज्य समिति बीज प्रमाणीकरण और संवर्द्धन के लिए काम करेगी।

दूसरी सोसायटी किसानों द्वारा उत्पादित उत्पादों के प्रमाणीकरण और विपणन के लिए काम करेगी। जबकि तीसरी सोसायटी छोटे से छोटे किसान के उत्पाद को विश्व बाजार तक पहुंचाने के क्षेत्र में काम करेगी। जिसका सीधा फायदा किसानों को होगा। इस प्रकार सहयोग से समृद्धि का लक्ष्य साकार हो सकेगा। सहकारी क्षेत्र को मजबूत और व्यवस्थित करने के लिए सहकारिता मंत्रालय द्वारा उठाए गए विभिन्न कदमों का जिक्र करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि बहुआयामी उपनियम बनाने के लिए प्राथमिक कृषि ऋण समितियों यानी पैक्स के उपनियमों में संशोधन किया गया है। पेट्रोल पंप, दवा की दुकानें, सस्ते अनाज की दुकानें, डेयरी, मछुआरा समितियां, बैंकिंग सहित विभिन्न आयाम अब पीएसी के अंतर्गत आते हैं। उन्होंने कहा कि 15 हजार पैक्स सीएससी (कॉमन सर्विस सेंटर) दिए गए हैं। इसके साथ उन्होंने उम्मीद जताई कि अगले पांच वर्षों में 3 लाख नए पैक्सों का पंजीकरण कर कृषि क्षेत्र को मजबूती की नई ऊंचाई दी जाएगी। इसके साथ ही पैक्सों में कृषि उत्पादों के भंडारण की नई व्यवस्था बनेगी। इससे परिवहन की लागत बचेगी। केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि इसका सीधा लाभ किसानों को होगा। केंद्रीय मंत्री ने 350 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इफको प्लांट के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि अगले एक साल में तीन चरणों में उत्पादन इकाई शुरू की जाएगी। यह इकाई प्रतिदिन 500 एमएल की दो लाख बोतलों का उत्पादन करेगी। प्रति वर्ष छह करोड़ नैनो डीएपी बोतलों के उत्पादन से छह करोड़ डीएपी बैग उर्वरक के आयात पर रोक लगेगी और सरकार द्वारा उर्वरक पर दी जाने वाली 10,000 करोड़ की सब्सिडी का बोझ भी कम होगा। इस सब्सिडी से प्राप्त रकम का उपयोग अंततः किसानों के लिए किया जाएगा। आज सहकारी क्षेत्र उर्वरक बिक्री में एक मजबूत स्तंभ के रूप में खड़ा है। उन्होंने कहा कि नैनो डीएपी का उत्पादन इसे और अधिक शक्तिशाली बनाएगा। समारोह को इफको के चेयरमैन दिलीप संघाणी, गुजरात सरकार के राज्य मंत्री जगदीश विश्वकर्मा ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी, विधायक मालती बेन माहेश्वरी, इफको के अधिकारी समेत बड़ी संख्या में सहकारिता क्षेत्र के किसान और अग्रणी मौजूद रहे।

स्वतंत्रता दिवस पर चुनार किला पर फहरेगा 75 फीट ऊंचा राष्ट्र ध्वज

मीरजापुर, (हि.स.)। शहर का सबसे व्यस्ततम मार्केट और सौंदर्य प्रसाधन की दुकानों से घिरे पक्का घाट मार्ग की राह अब आसान होगी। जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने बताया कि 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस पर पक्का घाट तिरंगा कलर में फसाड लाइटिंग से तिरंगी आभा से दमकेगा। लाइटिंग की व्यवस्था नियमित कराई जाएगी। जिलाधिकारी ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस पर ऐतिहासिक चुनार किला पर 75 फीट ऊंचा राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया जाएगा, जो चुनार किला के लिए पहला अवसर होगा। दरअसल, त्रिमुहानी से पक्का घाट तक जाने के लिए स्थानीय नागरिकों के सहयोग से संकठा घाट मार्ग का चौड़ीकरण किया गया है। यह संभव हो पाया है जिलाधिकारी दिव्या मित्तल की कृत संकल्प से। अब दो पहिया हो या चार पहिया वाहन घाट के करीब तक आसानी से पहुंच सकेंगे।

जिलाधिकारी ने कहा कि मार्ग का चौड़ीकरण होने से पक्का घाट मार्केट में आने वाले ग्राहकों को सुविधा मिलेगी ही, दुकानदारों के आमदनी में भी इजाफा होगा। जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद के धरोहरों को संरक्षित करने का प्रयास किया जा रहा है। पक्का घाट पर सफाई, लाइटिंग, रेलिंग आदि व्यवस्था कराई गई है। जल्द ही यहां सीसीटीवी कैमरा भी लगाया जाएगा। जिलाधिकारी ने बताया कि सितम्बर माह के प्रथम सप्ताह में रामचंद्र शुक्ल पार्क में मीरजापुर की जानी मानी विधा लोकगीत कजली के संरक्षण के लिए कजली स्मारक के रूप में शिलापट्ट लगाया जाएगा।

छह वर्ष पूर्व दूर की कौड़ी थी उप्र में निवेश : योगी

गोरखपुर, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि छह वर्ष पूर्व उत्तर प्रदेश में निवेश दूर की कौड़ी थी। लचर कानून व्यवस्था के चलते लोग यहां उद्योग लगाने, कारोबार करने में डरते थे। जब उद्यमी और व्यापारी ही सुरक्षित नहीं थे तब उनकी पूंजी कैसे सुरक्षित रहती। बाहर से निवेशकों का यहां आना तो दूर, यहां के उद्यमी-व्यापारी भी भाग रहे थे। पर, छह सालों में यूपी की कानून व्यवस्था पूरे देश में नजीर बनी है। हर निवेशक यूपी आना चाहता है, अधिकाधिक निवेश करना चाहता है। फरवरी में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में मिला 36 लाख करोड़ रुपये का निवेश प्रस्ताव इसका प्रमाण है। मुख्यमंत्री योगी शनिवार को गीडा सेक्टर 26 में मेसर्स केयान डिस्टलरीज प्राइवेट लिमिटेड के 1200 करोड़ रुपये के निवेश वाले एथेनाल व ईएनए प्लांट का भूमिपूजन व शिलान्यास करने के बाद यहां उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि छह साल पहले सपा-बसपा की सरकारों में यूपी के लोगों के सामने पहचान का संकट था। यहां के नौजवानों को देश में कोई ठौर ठिकाना नहीं था। दूसरे राज्यों में लोग किराए पर मकान नहीं देना चाहते थे। हॉस्टल मिलने में दिक्कत होती थी। उसे पहचान छुपाने को मजबूर होना पड़ता था। आज नौजवानों के सामने पहचान का कोई संकट नहीं। वह शान से खुद को यूपी वाला बताता है। उन्होंने कहा कि फरवरी माह में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट को लेकर 10 लाख करोड़ रुपये का लक्ष्य रखा गया था लेकिन यूपी में निवेश के प्रति बढ़े आकर्षण से 36 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले। इस निवेश से एक करोड़ नौजवानों को नौकरी व रोजगार की सुविधा मिलेगी। यूपी के नौजवानों को मुंबई, पंजाब, सूरत या बेंगलुरु जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। उसे अपने ही जिले में रोजगार मिल जाएगा। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि नए एथेनाल प्लांट की शुरूआत होने से सहजनवा का विकास ग्रीन एनर्जी के नए केंद्र के रूप में होगा। ग्रेन बेस्ड एथेनाल प्लांट लगने से अन्नदाता किसानों की आमदनी तो कई गुना बढ़ेगी ही, ऊर्जा व पेट्रोलियम के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता भी बढ़ेगी। यही नहीं पेट्रो पदार्थों के लिए विदेश जाने वाला पैसा किसानों को जेब मे जाएगा। किसान समृद्ध होंगे। देश समृद्ध होगा।

किसानों को वेस्ट से भी कमाई होगी। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सहजनवा के भीटी रावत में आज एथेनाल प्लांट लगने जा रहा है। उन्होंमे सपा सरकार पर हमला करते हुए कहा कि यहाँ 10 वर्ष पूर्व सपा सरकार बूचड़खाना लगाना चाहती थी। विरोध हुआ आंदोलन करके उसे रोका गया। अगर यहां सपा सरकार का थोपा बूचड़खाना का कलंक होता तो अन्य कोई उद्योग नहीं लग पाता। सीएम योगी ने कहा कि गीडा में सीपी मिल्क की तरफ से डेरी उद्योग, तत्वा प्लास्टिक की तरफ से पाइप निर्माण उद्योग, वरुण ब्रेवरेज की तरफ से बॉटलिंग प्लांट और केंद्रीय भंडारण निगम की तरफ से वेयरहाउस का निर्माण किया जा रहा है। अंकुर उद्योग का इस्पात प्लांट शुरू हो चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सहजनवा और गीडा में निवेश, रोजगार व विकास कार्यों का संगम देखने को मिल रहा है। अकेले भीटी रावत में 207 एकड़ में औद्योगिक विकास की प्रक्रिया आगे बढ़ी है। 25 एकड़ में गारमेंट पार्क का भी निर्माण किया जा रहा है। दुनिया में गारमेंट उत्पादों की काफी मांग है और यदि महिलाओं को प्रशिक्षित कर इस सेक्टर से जोड़ दिया जाए तो घरेलू कामकाज निपटाते हुए भी महिला 10000 से 15000 रुपये प्रतिमाह अतिरिक्त आय अर्जित कर सकती है। गारमेंट पार्क के लिए 101 भूखंडों का विकास किया जा रहा है। इसके साथ ही गारमेंट सेक्टर के लिए फ्लैटेड फैक्ट्री कॉम्प्लेक्स भी बनाया जा रहा है। 92 यूनिटों वाले प्लास्टिक पार्क का विकास किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि भीटी रावत में एक पॉलिटेक्निक का निर्माण भी शीघ्र पूरा होगा। उन्होंने प्रशासन के अधिकारियों को निर्देशित किया कि इस पॉलिटेक्निक में ऐसे ट्रेड शुरू किए जाएं जो गीडा के उद्योगों से मिलते जुलते हों। मुख्यमंत्री ने गीडा प्रशासन ने कहा कि वह गीडा में स्किल डेवलपमेंट सेंटर स्थापित करने पर भी ध्यान दे। सीएम इंटर्नशिप योजना से युवाओं को उद्योगों के साथ जोड़ा जाए। दक्षिणांचल में औद्योगिक विकास को लेकर तैयार की जा रही परियोजना का जिक्र करने से पूर्व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस व सपा जब भी मिलती हैं, तब अनर्थ ही करती हैं। जनता के पैसे से धुरियापार में चीनी मिल लगा दी गई जबकि वहां एक डंठल गन्ना पैदा नहीं होता। वह मिल एक दिन भी नहीं चली और कंडम हो गई। सीएम योगी ने कहा कि डबल इंजन की सरकार धुरियापार में 8385 एकड़ में नया औद्योगिक नगर बसाने जा रही है। इससे काम की तलाश में बैंकाक, सिंगापुर, लाओस आदि देशों को जाने वाली दक्षिणांचल के युवाओं को अपने ही क्षेत्र में रोजगार मिल सकेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि निवेशकों की सुविधा के लिए निवेश मित्र, निवेश सारथी जैसे सिंगल विंडो सिस्टम लागू किए गए हैं। इससे कार्यालय का चक्कर लगाने, बाबूगिरी व घूसखोरी से मुक्ति मिली है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अब दुनिया के लोगों का भारत के प्रति नजरिया बदला है। भारत विकास के नए-नए प्रतिमान स्थापित कर रहा है। आज अपना देश दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। आजादी के अमृत वर्ष महोत्सव में दुनिया की सर्वाधिक अर्थव्यवस्था, सैन्य शक्ति व रिसर्च की ताकत पर अधिकार रखने वाले जी-20 के देशों की अगुवाई का अवसर देश को प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि हमें यह संकल्प लेना होगा कि अगले 25 वर्षों अर्थात अमृतकाल में हम कैसे भारत का निर्माण चाहते हैं। विकसित भारत में विकसित उत्तर प्रदेश की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। हमें उत्तर प्रदेश को देश का ग्रोथ इंजन बनाने के संकल्प को लेकर आगे बढ़ना है। अपने संबोधन में सीएम योगी ने कहा कि युवाओं को नशे तथा गलत संगत से दूर रहकर विकास की सकारात्मक सोच एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा से जुड़ने की अपील की।

उप्र में 40 दिनों में 471 लोगों को दिलाई गई सजा : पुलिस महानिदेशक

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश पुलिस विभाग के कार्यवाहक पुलिस महानिदेशक विजय कुमार ने शनिवार को गोमतीनगर विस्तार स्थित पुलिस मुख्यालय में प्रेसवार्ता की। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार की जीरो टॉलरेंस की नीति और अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए एक जुलाई से पूरे प्रदेश में 'ऑपरेशन कन्विक्शन' शुरू किया था। इसके तहत बीते 40 दिनों में 471 लोगों को सजा दिलाई गई है। तीन मामलों में आरोपी को फांसी और 149 अभियगों में आजीवन कारावास की सजा करायी गई है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश में अपराध पर लगाम, अपराधियों एवं माफियाओं की गिरफ्तारी और न्यायालय में प्रभावी पैरवी कर उन्हें कठोर सजा दिलाये जाने के निर्देश दिए गए थे। इसी पर बल देते हुए 'ऑपरेशन कन्विक्शन' शुरू किया था। पुलिस ने महिला संबंधी अपराध, लव जेहाद, संगठित अपराध, हत्या, लूट, डकैती, गोकशी के अपराधों पर अभियान चलाया था। इसके तहत बीते 471 अपराधियों को महज 40 दिनों के भीतर सजा दिलाई जा चुकी है। उन्होंने बताया कि चार माफियाओं को सजा सुनाई गई है उसमें उसमे नोएडा के अनिल दुजाना गैंग के मेंबर कृष्ण मूढी, बस्ती के गैंगस्टर नीरज पांडे और राजू उर्फ जरांडे, पीलीभीत के माफिया एजाज अहमद को दो मामलों में सजा सुनाई गई है। ट्रायल में पुलिस पैरवी बढ़ी है, जो प्रक्रिया लंबी चलती थी। उसको टाइम फ्रेम में सेटकर कम वक्त में सजा दिलाई जा रही है। 40 दिन में 149 में आजीवन कारावास की सजा हुई। पॉक्सो और महिला संबंधी अपराध के 242 मामले में सजा सुनाई गई है। चार्जशीट लगने के एक महीने में चार मामलों में सजा दिलाई गई।

सीसीएचएन की परीक्षा में अनुत्तीर्ण अभ्यर्थी सितम्बर में दुबारा दे सकेंगे परीक्षा

लखनऊ, (हि.स.)। सर्टिफिकेट इन कम्यूनिटी हेल्थ फार नर्सेस (सी.सी.एच.एन.) शिक्षण की नवम्बर 2022 से मार्च 2023 की फाइनल परीक्षा किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय ने कराई थी। इस परीक्षा में अनुत्तीर्ण अभ्यर्थियों के लिए सितम्बर में पुनः परीक्षा आयोजित की जाएगी। आयुष्मान भारत योजना के तहत जनता को उनके घर के निकटस्थ प्रोत्साहक, रोग निवारक एवं पुनर्वास जैसी व्यापक स्वास्थ्य सेवायें प्रदान करने के उद्देश्य से उपकेन्द्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र स्तरीय हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर की स्थापना की गई है। प्रदेश के समस्त उपकेन्द्रों को हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर्स के रुप में क्रियाशील किया जाना प्रदेश सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है। इन केन्द्रों पर एक नर्स की तैनाती की जाती है, जिनको राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत चार माह का एक विशेष प्रशिक्षण-सर्टिफिकेट इन कम्यूनिटी हेल्थ फार नर्सेस (सी0सी0एच0एन0) प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। प्रशिक्षण की फाइनल परीक्षा में उत्तीर्ण होने के उपरान्त इनकी तैनाती सम्बंधित जनपद के उपकेन्द्रीय हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर्स में सीएचओ के पद पर की जाती है। मार्च 2023 तक 13,692 नर्सों को सीसीएचएन प्रशिक्षण प्रदान कर हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर्स पर तैनात किया जा चुका है। यह प्रशिक्षण के0जी0एम0यू0, लखनऊ के माध्यम से संचालित किया जा रहा है। सीसीएचएन प्रशिक्षण का नवम्बर 2022, मार्च 2023 सत्र की फाइनल परीक्षा 19 मार्च 2023 को केजीएमयू ने कराई थी। इस परीक्षा में 451 अनुत्तीर्ण अभ्यर्थियों को नियमानुसार दूसरी बार मौका दिया जा रहा है। परीक्षा के विषय में जानकारी के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश की आधिकारिक वेबसाइट https://upnrhm.gov.in का भी अवलोकन करते रहें।

सर्व सेवा संघ परिसर में गरजा बुलडोजर, भवन जमींदोज, विरोध कर रहे कार्यकर्ता हिरासत में

- उत्तर रेलवे ने जिला प्रशासन, आरपीएफ-पुलिस फोर्स की मौजूदगी में की ध्वस्तीकरण कार्रवाई

वाराणसी, (हि.स.)। सामाजिक कार्यकताओं और गांधीवादियों के तमाम विरोध प्रदर्शन को दरकिनार कर उत्तर रेलवे के अधिकारियों ने शनिवार को राजघाट स्थित सर्व सेवा संघ परिसर में बुलडोजर से ध्वस्तीकरण की कार्रवाही की। जिला प्रशासन, आरपीएफ-पुलिस फोर्स की मौजूदगी में परिसर स्थित गांधी विद्या संस्थान और सर्व सेवा प्रकाशन भवन को ध्वस्त कराया गया। इस दौरान कार्रवाई का विरोध कर रहे गांधीवादी सामाजिक कार्यकताओं को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। सर्व सेवा संघ परिसर में स्थित डाक घर से सामान हटाने के लिए रेलवे ने 13 अगस्त रविवार तक का समय दिया है। गौरतलब हो कि राजघाट स्थित सर्व सेवा संघ परिसर 8.07 एकड़ जमीन में है। परिसर में बड़ा भवन और 50 आवास बने हैं। चार संग्रहालय भी हैं। संघ के जमीन पर मालिकाना का हक दावा जिलाधिकारी की कोर्ट ने खारिज कर दिया था। इसके बाद रेलवे प्रशासन ने परिसर से कब्जा हटाने और भवन ध्वस्त करने का नोटिस चस्पा कर दिया था।

बीते 22 जुलाई को परिसर में रखा सामान बाहर प्रशासन और रेलवे की टीम ने निकलवा दिया था। इसके विरोध में चल रहे धरना प्रदर्शन में किसान नेता राकेश टिकैत, सामाजिक कार्यकर्ता योगेंद्र यादव और मेधा पाटेकर भी शामिल हुई थीं। इसके पहले कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी, मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह सहित अन्य नेताओं ने भी ट्वीट कर विरोध जताया था। लेकिन सुप्रीम कोर्ट में सर्व सेवा संघ की याचिका खारिज होने के बाद रेलवे प्रशासन ने आज ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू की। पूर्वाह्न दस बजे से ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू की गई। ध्वस्तीकरण के दौरान सर्व सेवा संघ के संयोजक रामधीरज सहित 20 की संख्या में सामाजिक संगठनों के कार्यकताओं ने मुख्य द्वार के पास बैठकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। फिर भी कार्रवाई नहीं रूकी तो गांधीवादी सड़क पर लेट गए। कार्यकताओं के उग्र तेवर को देख पुलिस ने 10 लोगों को हिरासत में ले लिया।

सिटी एसपी शुभांशु जैन सहित दो अधिकारी केंद्रीय गृह मंत्री पदक से सम्मानित

रांची, (हि.स.)। रांची के सिटी एसपी शुभांशु जैन और इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार सिंह को बेहतर अनुसंधान के लिए केंद्रीय गृह मंत्री पदक (मेडल फॉर एक्सीलेंस इन इन्वेस्टिगेशन-2023) से सम्मानित किए गए हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने शनिवार को इसकी अधिसूचना जारी कर दी है। पूर्वी सिंहभूम (जमशेदपुर) के गोलमुरी थाना क्षेत्र स्थित फ्लैट से 21 जुलाई, 2022 की रात नौ बजे पुलिस को सविता रानी हेम्ब्रम (36), उसकी मां लखीया मुर्मू (60) और सविता की बेटी गीता हेम्ब्रम (13) का शव मिला था। तीनों की धारदार हथियार से हत्या की गयी थी। जमशेदपुर के तत्कालीन एएसपी शुभांशु जैन के नेतृत्व में एसआईटी ने इस तिहरे हत्याकांड का खुलासा किया था। इनके अलावा इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार सिंह को नैना हत्याकांड का खुलासा करने के लिए पदक से सम्मानित किया गया है। जमशेदपुर जिले के बमार्माइंस के तत्कालीन थानेदार इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार सिन्हा ने वर्ष 2018 में नैना हत्याकांड का खुलासा किया था। चार वर्षीय नैना की हत्या उसके फुफेरे भाई विक्रम दास ने की थी। उल्लेखनीय है कि देश के 140 पुलिसकर्मियों को वर्ष 2023 में ह्यजांच में बेहतर अनुसंधान के लिए केंद्रीय गृह मंत्री पदक से सम्मानित किया गया है। इनमें 22 महिला पुलिस अधिकारी भी शामिल हैं। सम्मान पाने वाले में सीबीआई के 15, एनआईए के 12, उत्तर प्रदेश के 10, केरल और राजस्थान के नौ-नौ, तमिलनाडु के आठ, मध्य प्रदेश के सात, गुजरात के छह , झारखंड के दो, बिहार के चार पुलिसकर्मी शामिल हैं। इनके अलावा शेष अन्य राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और संगठनों के पुलिसकर्मियों को भी सम्मानित किया गया है।

राज्यसभा में पेश विधेयक कानून बना तो चुनाव आयोग की स्वायत्तता पर पड़ेगा असर : आभा सिन्हा

रांची, (हि. स.)। प्रदेश कांग्रेस कमेटी की प्रवक्ता आभा सिन्हा ने कहा कि लोकतंत्र के लिए चुनाव आयोग का निष्पक्ष रहना बहुत जरूरी है। केंद्र सरकार ने मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति, सेवा शर्तों और कार्यकाल को लागू करने के लिए राज्यसभा में जो विधेयक पेश किया है यदि यह कानून बन गया तो इससे चुनाव आयोग की स्वायत्तता पर असर पड़ेगा। शनिवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि विधेयक में प्रस्ताव है कि मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता और एक केंद्रीय कैबिनेट मंत्री के पैनल की सिफारिश पर राष्ट्रपति द्वारा की जाएगी। सिन्हा ने कहा कि यदि यह बिल कानून बन गया तो चुनाव आयोग स्वतंत्र नहीं रह पाएगा। निष्पक्ष नहीं रह पाएगा। भारत के संविधान में शक्तियों का पृथक्करण है यानी न्यायपालिका और कार्यपालिका एक-दूसरे की शक्ति नहीं छीन सकतीं लेकिन कानून के जरिए सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने जो संतुलन बनाया था उसे खत्म करने की कोशिश की जा रही है।

डुमरी में बज गई उपचुनाव की डुगडुगी, झामुमो ने बेबी देवी पर लगाया दांव, 17 अगस्त को करेंगी नामांकन

रांची, (हि.स.)। जगरनाथ महतो के निधन से खाली डुमरी विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए पांच सितंबर को मतदान होना है। इसके लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई है। मंत्री बेबी देवी झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) उम्मीदवार के रूप में 17 अगस्त को नामांकन पत्र दाखिल करेंगी। नामांकन के समय 'इंडिया' की पूरी ताकत डुमरी में दिखे, इसकी तैयारी की जा रही है। झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता मनोज पांडेय ने कहा कि डुमरी में कोई लड़ाई ही नहीं है, क्योंकि वह टाइगर जगरनाथ महतो की कर्मभूमि है। झामुमो की जीत में कोई किंतु-परंतु नहीं है। जब आजसू और भाजपा ने मिलकर चुनाव लड़ा, तब भी झामुमो ने उन्हें हराया है।

डुमरी झामुमो की परंपरागत सीट है। पांडेय ने कहा यह दिवंगत नेता जगरनाथ महतो की संघर्ष की भूमि है। उन्होंने डुमरी में झारखंड यात्रा और 1932 खतियान की लड़ाई लड़ी है। उन्होंने दावा किया कि 75,000 पारा शिक्षकों की दुआ भी उम्मीदवार के साथ होगी। शिक्षा मंत्री के रूप में बेबी देवी ने पारा शिक्षकों के लिए अद्वितीय काम किया है। मनोज ने कहा कि डुमरी उपचुनाव में एनडीए के भाजपा और आजसू को न सिर्फ इंडिया की मजबूत ताकत का सामना करना पड़ेगा। बल्कि एक लोकप्रिय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की लोकप्रियता से भी उनका सामना होगा। 17 अगस्त को राज्य की मद्य निषेध मंत्री बेबी देवी नामांकन पत्र दाखिल करेंगी।

श्रम एवं तकनीकी प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष पहुंचे बेतिया

बेतिया, (हि.स)। शहर के बस स्टैंड स्थित निजी होटल में शनिवार को श्रम एवं तकनीकी प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रामचरित्र प्रसाद सिंह का स्थानीय कार्यकताओं ने अंग वस्त्र व गुलदस्ता देकर स्वागत व अभिनंदन किया। प्रदेश अध्यक्ष ने जिले के विभिन्न प्रखंड से आए हुए कार्यकताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा हमारे नेता नीतीश कुमार बिहार के लिए जो विकास के लिए काम किए हैं और आगे करते रहेंगे।

श्रम एवं तकनीकी प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष विनय कुमार ने कहा कि हम लोग जिले में प्रकोष्ठ के प्रखंड अध्यक्ष बनाए जा रहे हैं। मौके पर श्रम एवं तकनीकी प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष विनय कुमार, नवनिर्वाचित सचिव राजीव रंजन उर्फ डाक बाबू, प्रदेश महासचिव बलिराम प्रसाद,नगर उपाध्यक्ष नितेश कुमार, अजय कुमार यादव, जुनैद सम्स, बलिराम सिंह, राजकुमार सोनी, मनोज कुमार, हृदय कुमार, कन्हैया प्रसाद पटेल, प्रखंड अध्यक्ष मझौलिया श्रवण कुमार पटेल, लालबाबू पटेल, चनपटिया प्रखंड अध्यक्ष रविंद्र कुमार पटेल, विजय कुमार, मनोज प्रसाद, सुभाष कुमार पटेल इत्यादि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विश्व स्तर पर सबसे बड़ा अभियान है वाटर शेड विकास परियोजना : गिरिराज सिंह

बेगूसराय, (हि.स.)। केंद्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा है कि प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के वाटर शेड विकास घटक भूमि प्रबंधन और प्रशासन की नई पहलों के बारे में आम लोगों को जागरूक करने के लिए भूमि संसाधन विभाग का राष्ट्रीय मीडिया अभियान शुरू किया गया है। अभियान के पहले चरण में आउटडोर मीडिया, सोशल मीडिया, बल्क एसएमएस और रेडियो जिंगल घटक शामिल होंगे। इस कार्यक्रम के संबंध में आम जनता को जागरूक करने के लिए एक मीडिया योजना तैयार की गई, जिसे कल लॉन्च किया गया है। मीडिया अभियान में अतिरिक्त घटकों को व्यापक और लक्षित कवरेज के लिए बाद में जोड़ा जाएगा। उन्होंने बताया कि इस अभियान में राष्ट्रीय जेनेरिक दस्तावेज रजिस्ट्रीकरण प्रणाली, डब्ल्यूडीसी - पीएमकेएसवाई और कैक्टस परियोजना को शामिल किया गया है। भूमि विनियमन के तहत भारत सरकार ने उप रजिस्ट्रार कार्यालयों के कंप्यूटरीकरण के लिए राज्य सरकारों को एक सौ प्रतिशत वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए 2016 में डिजिटल इंडिया भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम शुरू किया गया है। इस राष्ट्रीय जेनेरिक दस्तावेज रजिस्ट्रीकरण प्रणाली के तहत राज्य-विशिष्ट अनुकूलन की सुविधा के साथ एक राष्ट्र एक सॉफ्टवेयर तैयार किया गया है। इस प्रणाली की शुरूआत के साथ रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया में समय और धन की बचत होती है तथा पूरी प्रक्रिया सरल और पारदर्शी हो जाती है। भूमि संसाधन विभाग ने 2009 से वाटर शेड विकास कार्यक्रम लागू किया है। जिसे 2015-16 में पीएमकेएसवाई योजना के साथ मिला दिया गया था।

इसके तहत किए गए कार्यकलापों में अन्य बातों के साथ-साथ रिज क्षेत्र निरूपण, जल निकासी लाइन निरूपण, मृदा एवं नमी संरक्षण, वर्षा जल संचयन, नर्सरी लगाने, वनीकरण, बागवानी, चारागाह विकास, परिसंपत्ति हीन व्यक्तियों के लिए आजीविका आदि शामिल हैं। भूमि संसाधन विभाग लोगों की भागीदारी को बढ़ाने के लिए वाटरशेड विकास कार्यकलापों के बारे में जागरूकता पैदा करेगा। विभाग, वर्षा सिंचित और अवक्रमित क्षेत्रों के विकास के लिए प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना का वाटरशेड विकास घटक का कार्यान्वयन कर रहा है। 97 मिलियन हेक्टेयर में से करीब 29 मिलियन हेक्टेयर अवक्रमित भूमि को वाटरशेड परियोजनाओं के तहत कवर किया गया है, जो शायद विश्व स्तर पर सबसे बड़ा अभियान है। कैक्टस परियोजना के संबंध में गिरिराज सिंह ने बताया कि नोपल्स कैक्टस एक प्रकार का शूलरहित पौधा है। जिसे फलने-फूलने के लिए बहुत कम पानी की आवश्यकता होती है और यह वाटरशेड क्षेत्रों में रोपण के लिए बहुत उपयुक्त है। विभिन्न शोध अध्ययनों में पाया गया है कि कैक्टस का पौधा बायो गैस उत्पादन, बायो लेदर, जैव उर्वरक, चारा, औषधि एवं खाद्य सामग्री के लिए उपयोगी है। गिरिराज सिंह ने बताया कि भूमि संसाधन विभाग ने हाल के वर्षों में नागरिकों के जीवन को आसान बनाने के लिए कई पहल की है।

डिजिटल इंडिया भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम के तहत, विभाग नागरिकों के लाभ के लिए भूमि अभिलेखों के कंप्यूटरीकरण और भूकर मानचित्रों के डिजिटलीकरण का प्रयास कर रहा है। आठ अगस्त तक राष्ट्रीय स्तर पर 94 प्रतिशत अधिकारों के अभिलेखों एवं रजिस्ट्री कार्यालयों का कंप्यूटरीकरण हो गया है। देश में 76 प्रतिशत नक्शों का डिजिटलीकरण हुआ है। इसके अलावा, भूमि संसाधन विभाग सभी भू-खंडों को भू-आधार या विशिष्ट भू-खंड पहचान संख्या प्रदान कर रहा है। एक साल में करीब नौ करोड़ भू-खंडों को भू-आधार सौंपा गया है। पहले दस्तावेजों का रजिस्ट्रीकरण मैनुअली होता था। लेकिन अब यह ई-रजिस्ट्रीकरण के रूप में किया जा रहा है। इसने अर्थव्यवस्था को खोल दिया है और बड़े पैमाने पर पूंजी निर्माण की सुविधा प्रदान की है।

जनता दरबार में सात में दो मामले हुए निष्पादित

किशनगंज, (हि.स.)। सदर थाना सहित जिले के सभी थानों में शनिवार को जमीनी विवाद के निपटारे को लेकर जनता दरबार लगाया गया। जनता दरबार मे फरियादी जमीन संबंधी विवादों को सुलझाने थाना पहुंच रहे थे। अलग अलग थाना में लगाये गए जनता दरबार मे फरियादियों की भीड़ जुटी। दूर दराज के गांवों से भी लोग फरियाद लेकर पहुंचे थे। सदर थाने में लगाये गए जनता दरबार में सात मामला सामने आया। जिसमें सिर्फ दो मामले का निष्पादन मौके पर किया गया। दूसरे पक्ष के नहीं पहुंचने के कारण पांच मामलों में अगली तिथि दी गयी। सीओ समीर कुमार, अंचल निरीक्षक गंगा राम टुडू, थानाध्यक्ष सुमन कुमार सिंह की मौजूदगी मे लगाए गए जनता दरबार में थाना क्षेत्र के कई लोग अपनी अपनी जमीन से संबंधित समस्याओं को लेकर पहुंचे। पूर्व में दोनों पक्षों को नोटिस भेजकर ससमय उपस्थित होने का निर्देश दिया गया था डीएम श्रीकांत शास्त्री व एसपी डा. इनाम उल हक मेगनु के निर्देश पर जिले के सभी थानों में जनता दरबार लगाया जाता है। एसपी डा. मेगनु ने कहा कि जमीनी विवाद से जुड़े मामलों में थानों में जनता दरबार लगाया जाता है। जिसमे सुलह के आधार पर थानों में लगने वाले जनता दरबार मे मामलों का निष्पादन किया जाता है।

संपादकीय

पीएम का अधूरा वक्तव्य

लोकसभा में विपक्ष का अविश्वास प्रस्ताव पराजित हो गया। यह नतीजा पहले से ही तय था, क्योंकि बहुमत का आंकड़ा एकतरफा था। वैसे भी बहस के बाद विपक्ष मत-विभाजन की मांग नहीं कर सका, क्योंकि उसने प्रधानमंत्री के वक्तव्य के अधबीच ही बहिर्गमन कर दिया था। प्रधानमंत्री मोदी कुल 2 घंटा 13 मिनट बोले। करीब डेढ़ घंटा बीत जाने के बाद वह मणिपुर और पूर्वोत्तर पर आए। उससे पहले उन्होंने विपक्षी गठबंधन को 'घमंडिया' कहा। परिवारवाद और दरबारवाद की बात कही। विपक्ष के व्यवहार को 'शुतुरमुर्ग' जैसा करार दिया। 'कब्र खुदेगी' वाले कांग्रेसी बयान को अपने लिए 'टॉनिक' माना। कांग्रेस के 'सीक्रेट वरदान' की बात कही कि वह जिसका बुरा चाहेगी, उसका अच्छा ही होगा। प्रधानमंत्री ने संसद में ही दावा किया कि 2024 में भाजपा-एनडीए तमाम रिकॉर्ड तोड़ते हुए, जनता के आशीर्वाद से, लगातार तीसरी बार सरकार में लौटेंगे। सरकार के तीसरे कार्यकाल में ही भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा। दरअसल प्रधानमंत्री के वक्तव्य में कोई नवीनता नहीं थी। वह गांधी परिवार, कांग्रेस और 'इंडिया' गठबंधन पर प्रहार और व्यंग्य करते रहे, क्योंकि यही उनकी चार दशक से अधिक समय से राजनीति रही है। प्रधानमंत्री ने 'गरीबी' पर अपनी पीठ ठोंकी कि उनके शासन-काल में 13.5 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं। यह नीति आयोग की रपट है। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष को उद्धृत करने से सच स्पष्ट नहीं होता। प्रधानमंत्री ने यह खुलासा नहीं किया कि देश में कितने गरीब लोग हैं और कितनी आबादी अब भी गरीबी-रेखा के नीचे है? आरएसएस के सरकार्यवाह (महासचिव) दत्तात्रेय होसबले ने कहा था कि आज भी 23.5 करोड़ लोग गरीब या गरीबी-रेखा के तले जीने को विवश हैं। वे रोजाना 350 रुपए कमाने में भी असमर्थ हैं। प्रधानमंत्री नीति आयोग और दत्तात्रेय की रपटों का तुलनात्मक खुलासा करें कि यथार्थ क्या है? यह भी स्पष्ट करें कि क्या गरीबी-रेखा की नई परिभाषा तय कर ली गई है कि कितनी आमदनी वाला नागरिक उसकी परिधि में आएगा? सवाल यह भी है कि कोरोना की समाप्ति के बावजूद 80 करोड़ से अधिक भारतीयों को 5 किलोग्राम मुफ्त अनाज हर माह क्यों देना पड़ रहा है? बेशक प्रधानमंत्री ने विश्व स्वास्थ्य संगठन की रपट का हवाला देते हुए कहा है कि 'जल-जीवन' योजना से 4 लाख लोगों की जान बची है और 3 लाख लोगों को मरने से बचाया गया है। ये लोग कौन हैं-गरीब, दलित, शोषित, वंचित और पिछड़े ग्रामीण। यानी देश में ऐसी जमात अब भी मौजूद है। उन्हें गरीबी से बाहर कैसे रखा जा सकता है? प्रधानमंत्री ने देश में कुपोषण और महिलाओं, शिशुओं में खून की कमी सरीखे भयावह सच का उल्लेख नहीं किया। उससे भी भारी संख्या में मौतें होती रही हैं। चिंतनीय स्थिति यह है कि इन गरीबों के पास इतने संसाधन नहीं हैं कि वे अपना इलाज करवा सकें। 'आयुष्मान' योजना के तहत सभी गरीब लाभान्वित नहीं हैं। बहरहाल प्रधानमंत्री मोदी ने मणिपुर की जनता को आश्वासित किया है कि जल्द ही शांति का नया सूरज उगेगा। पूरा देश, पूरा सदन मणिपुर के साथ है, लेकिन हिंसा के दौर के 100 दिन गुजर जाने के बावजूद आज स्थिति क्या है, प्रधानमंत्री ने उसका जरा-सा भी जिक्र नहीं किया। मणिपुर के संवेदनशील इलाकों की औसतन तस्वीर यह है कि जली हुई बस्तियां, टूटे मकान, बंद पड़े, सुनसान बाजार आज का भयावह यथार्थ बयां कर रहे हैं। करीब 350 राहत शिविरों में 40,000 से अधिक लोग ठूंसे गए हैं। ज्यादातर महिलाएं और बच्चे हैं। युवाओं के हाथों में जाति या सोशल स्टेटस के नाम पर हथियार हैं-देसी भी और आधुनिक भी। शिविरों में बच्चे दूध के लिए रोते हैं, तो माताएं बिस्कुट खिला कर सुला देती हैं। कई महिलाएं गर्भवती हैं। उनके स्वास्थ्य की देखभाल के लिए न दवाएं हैं, न पर्याप्त खुराक है और न ही नर्सें हैं। युवाओं ने किताबें छोड़ कर हथियार थाम रखे हैं और बंकरों के बाहर पहरा दे रहे हैं। होटल, रेस्तरां और टूरिज्म से जुड़े व्यापारी अपने मूल राज्यों को लौट चुके हैं। करीब एक लाख से ज्यादा कामगार घर बैठे हैं या पलायन कर चुके हैं। अविश्वास का मौका था, तो प्रधानमंत्री को सभी महत्त्वपूर्ण मुद्दों को छूना चाहिए था। राजनीति तो संसद के बाहर जारी रहती ही है। मणिपुर का मसला गंभीर जातीय हिंसा का मसला बन गया है। इसे प्राथमिकता के साथ हल किया जाना चाहिए। सभी संबद्ध पक्षों से बातचीत करके समस्या का सर्वसम्मत हल निकाला जा सकता है। राज्य की जनता हिंसा के पक्ष में नहीं है, अतः इस समस्या का हल निकालना इतना भी मुश्किल नहीं है।

> विपक्ष के व्यवहार को 'शुतुरमुर्ग' जैसा करार दिया। 'कब्र खुदेगी' वाले कांग्रेसी बयान को अपने लिए 'टॉनिक' माना। कांग्रेस के 'सीक्रेट वरदान' की बात कही कि वह जिसका बुरा चाहेगी, उसका अच्छा ही होगा। प्रधानमंत्री ने संसद में ही दावा किया कि 2024 में भाजपा-एनडीए तमाम रिकॉर्ड तोड़ते हुए, जनता के आशीर्वाद से, लगातार तीसरी बार सरकार में लौटेंगे। सरकार के तीसरे कार्यकाल में ही भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा। दरअसल प्रधानमंत्री के वक्तव्य में कोई नवीनता नहीं थी। वह गांधी परिवार, कांग्रेस और 'इंडिया' गठबंधन पर प्रहार और व्यंग्य करते रहे, क्योंकि यही उनकी चार दशक से अधिक समय से राजनीति रही है। प्रधानमंत्री ने 'गरीबी' पर अपनी पीठ ठोंकी कि उनके शासन-काल में 13.5 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं। यह नीति आयोग की रपट है। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष को उद्धृत करने से सच स्पष्ट नहीं होता। प्रधानमंत्री ने यह खुलासा नहीं किया कि देश में कितने गरीब लोग हैं और कितनी आबादी अब भी गरीबी-रेखा के नीचे है? आरएसएस के सरकार्यवाह (महासचिव) दत्तात्रेय होसबले ने कहा था कि आज भी 23.5 करोड़ लोग गरीब या गरीबी-रेखा के तले जीने को विवश है।

कुछ अलग

संसद में सियासी जमाखोरी

इस अविश्वास ने संसद की भाषा और सदन की मर्यादा को अवश्य ही जनता के सामने बेनकाब कर दिया। जिसे हम लोकतंत्र का मंदिर कहते-कहते भारत को पारंगत करते थे, वहीं अविश्वास प्रस्ताव ने कुछ तो स्तर और सारांश गिरा दिया। संसदीय बहस के इतिहास में क्रिकेट के चौके-छक्के मारने का सरकारी पक्ष नाद कर सकता है या उस नारेबाजी का अभिनंदन करें जिसे प्रधानमंत्री स्वयं आहूत करते रहे। संसद के भीतर सियासी नफरतों के इतने पल तो रहे हैं कि अगर देश चारित्रिक या नैतिकता के हिसाब से डूबना चाहे, तो तसल्ली से डूब सकता है। क्या यह राष्ट्रीय मंचन था या राष्ट्रीय मंथन, जहां देश की फटेहाली अपने आवरण को सिल पाई या बहस किसी द्रौपदी को दरबार में ढूंढ रही थी। वहां मुगालते थे, मुचलके भी थे, लेकिन कोई निर्दोष साबित नहीं हो पाया। अभी तक मणिपुर कहीं मणिपुर में सिसक रहा था, लेकिन देश ने लोकतंत्र की छत के नीचे उसे बिलखते देखा, तो मंजर इनका भी था, उनका भी कसूर था। वहां किसने देखा कि बाहर टमाटर की कीमत से हर मतदाता के गाल लाल हो चुके हैं। वहां किसने गौर किया कि देश में पढने के गुनाह से पीढियां बेरोजगार हो गईं। हम यह तो न देखना चाहते थे और न ही सुनना कि हमारे नेतृत्व की शान में शब्द बेशर्म और संदर्भ निर्लज्ज हो जाएं। वैसे देश का सबसे बड़ा संदर्भ क्या चुनाव मान लिया जाए और अगर ऐसा ही है, तो जरूर वहां सत्ता पक्ष जीत गया। वहां मुनादी हो गई और राजनीति की जमाखोरी भी हमारी नजरों के सामने, लोकतंत्र के चीरहरण के बीच हमें चुनाव के नजारे दिखाती रही। हमें मालूम हो गया कि देश की सबसे बड़ी जरूरत चुनाव है और यह साबित भी हो गया कि अब सरकार ही चुनाव है। सरकार जब भी बोलती है तो चुनाव बोलती है। आखिर किस चुनाव को सत्य मानें। वह जो हमारे जैसे मतदाताओं के भ्रम बढ़ा देता है या हमें भ्रम में रहना सिखा देता है। हम संसद के लिए मकड़ी हो जाएं या संसदीय बहस के मकडज़ाल में घिनौना सब्र कर जाएं। हम भारतीय कर भी क्या सकते, यहां तो भारत किसी के हिस्से में आ रहा है और 'इंडिया' परेशान दिखाई दे रहा है। हमने आजादी को जिन निगाहों से देखा, आज देश भी यह समझ नहीं पा रहा कि चुनाव में निजात पाएं भी तो किससे। जो यहां है, कल वहां होंगे और जो वहां होंगे उन्हें पवित्र बताया जाने की व्यवस्था हो गई। आखिर कब तक हम अतीत के कूड़ेदान को संसद के बचाव में काम आते देखेंगे और कब एक ही भाषण और एक ही मुद्दे का रिपीट टेलिकास्ट देखते रह जाएंगे। अविश्वास प्रस्ताव एक फेरी लगा गया और संसद में कोई देश के एक सौ चालीस करोड़ लोगों की खरीददारी में लग गया। वहां बहस में न पक्ष और न विपक्ष, बल्कि देश की लोकतांत्रिक परंपराएं बिक रही थीं। मीडिया भी इस खरीददारी में यही देखता रहा कि क्या उसका 'स्वामी' बहुत कुछ खरीदकर जीत गया। यह जीत अगर मीडिया को मुबारक लगती है, तो लोकतंत्र के इस स्तंभ के घुटने टूट चुके हैं और रीढ़ को वफादारी ने खरीद लिया है।

महात्मा गांधी धर्म के आधार पर देश के विभाजन के विरोधी थे इसलिए वह आजादी के जश्न में भी शामिल नहीं हुए थे

कांग्रेस ने अगर अंग्रेजों के आगे घुटने नहीं टेके होते तो देश का विभाजन नहीं हुआ होता

नीरज कुमार दुबे

> कांग्रेस की शह पर इतिहासकारों ने स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास को ऐसे लिखा कि सिर्फ नेहरू-गांधी परिवार और कांग्रेस पार्टी के कुछ दिग्गज नेताओं के अलावा आजादी के आंदोलन में और किसी का नाम और योगदान नजर नहीं आता। इसलिए आजादी के आंदोलन की सफलता का श्रेय सिर्फ खुद को देने वाली कांग्रेस को यह भी तो बताना चाहिए कि देश के विभाजन का जिम्मेदार कौन था? विभाजन के समय जो कत्ले आम हुआ और मानवता को शर्मसार करने वाली जो घटनाएं हुईं उसका जिम्मेदार कौन था? यही नहीं, यह भी बताना चाहिए कि देश के विभाजन के चलते भारत के समक्ष जो समस्याएं खड़ी हुईं और जिनका खामियाजा आज भी देश भुगत रहा है उसका जिम्मेदार कौन है? आजादी के समय हुए नरसंहार के लिए तत्कालीन कांग्रेस नेतृत्व को ही जिम्मेदार कहा जायेगा क्योंकि उसकी अदूरदर्शिता की वजह से कई गलत निर्णय हुए थे।

कांग्रेस पार्टी की ओर से बार-बार कहा जाता है कि देश को आजादी हमने दिलाई जबकि आजादी के आंदोलन में देश की हर गली, हर मोहल्ले और हर घर का व्यक्ति शामिल था। लेकिन कांग्रेस की शह पर इतिहासकारों ने स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास को ऐसे लिखा कि सिर्फ नेहरू-गांधी परिवार और कांग्रेस पार्टी के कुछ दिग्गज नेताओं के अलावा आजादी के आंदोलन में और किसी का नाम और योगदान नजर नहीं आता। इसलिए आजादी के आंदोलन की सफलता का श्रेय सिर्फ खुद को देने वाली कांग्रेस को यह भी तो बताना चाहिए कि देश के विभाजन का जिम्मेदार कौन था? विभाजन के समय जो कत्ले आम हुआ और मानवता को शर्मसार करने वाली जो घटनाएं हुईं उसका जिम्मेदार कौन था? यही नहीं, यह भी बताना चाहिए कि देश के विभाजन के चलते भारत के समक्ष जो समस्याएं खड़ी हुईं और जिनका खामियाजा आज भी देश भुगत रहा है उसका जिम्मेदार कौन है? आजादी के समय हुए नरसंहार के लिए तत्कालीन कांग्रेस नेतृत्व को ही जिम्मेदार कहा जायेगा क्योंकि उसकी अदूरदर्शिता की वजह से कई गलत निर्णय हुए थे। महात्मा गांधी धर्म के आधार पर देश के विभाजन के विरोधी थे इसलिए वह आजादी के जश्न में भी शामिल नहीं हुए थे। क्योंकि यह वह आजादी नहीं थी जिसके लिए महात्मा गांधी ने लड़ाई लड़ी थी। महात्मा गांधी ने शांति और अमन चैन वाली पूर्ण आजादी की मांग की थी लेकिन कांग्रेस के तत्कालीन नेताओं की वजह से उन्हें अपने उद्देश्य में आधी-अधूरी ही कामयाबी मिली थी। आप आजादी के समय के घटनाक्रमों पर गौर करेंगे तो साफ प्रतीत होगा कि कांग्रेस के तत्कालीन नेतृत्व की सत्ता लोलुपता ही भारत के विभाजन का असल कारण थी। कांग्रेस जानती थी कि अंग्रेजों की बांटो और राज करो की नीति है। इस बात को समझते हुए भी भारत के विभाजन के लिए राजी होना बहुत बड़ी गलती थी। विभाजन की प्रक्रिया को अंजाम देने के समय अंग्रेज सरकार का विरोध नहीं करके कांग्रेस के तत्कालीन नेतृत्व ने बहुत अपराध किया था। देखा जाये तो कांग्रेस का तत्कालीन नेतृत्व इस बात के लिए आतुर था कि कैसे जल्दी से जल्दी सत्ता पर कब्जा किया जाये। इसलिए भारत का विभाजन होते समय उन्हें कोई दर्द ही नहीं हुआ। दर्द तो उन लोगों ने सहा जिन्हें अपना घरबार छोड़ना पड़ा, परिजनों को खोना पड़ा और संपत्ति से हाथ धोना पड़ा। इतिहास में यह भी उल्लेख मिलता है कि अंग्रेजों ने जहां-जहां राज किया उनमें से उन्होंने सिर्फ चार देशों- आयरलैंड, फिलिस्तीन, साइप्रस और भारत में ही विभाजन कराया। अंग्रेजों ने विभाजन के धार्मिक और नस्ली कारण बताये लेकिन असल कारण उनके अपने राजनीतिक और सामरिक हित थे।

अंग्रेजों द्वारा कराये गये सभी विभाजनों में भारत का विभाजन ही सर्वाधिक हिंसा से प्रभावित रहा। इसलिए सवाल उठता है कि अंग्रेजों की चाल समझते हुए भी कांग्रेस के तत्कालीन नेतृत्व द्वारा विभाजन का कोई विरोध क्यों नहीं किया गया। देखा जाये तो भारत का विभाजन मानव इतिहास में सबसे बड़े विस्थापनों में से एक है, जिससे लगभग 20 से 25 लाख लोग प्रभावित हुए थे। लाखों परिवारों को अपने पैतृक गांवों, कस्बों और शहरों को छोड़ना पड़ा था और शरणार्थी के रूप में संघर्षमय जीवन जीने के लिए मजबूर होना पड़ा था। बहुत से विद्वान मानते हैं कि उस समय कांग्रेस ने सत्ता लोलुपता ना दिखाई होती और अंग्रेजों के आगे घुटने नहीं टेके होते तो ना तो देश का विभाजन होता ना ही लोगों को विस्थापित होना पड़ता। दरअसल अंग्रेजों ने कांग्रेस की किसी भी कीमत पर सत्ता पाने की आतुरता को भांप लिया था इसलिए योजनाबद्ध तरीके से स्वतंत्रता की घोषणा पहले और विभाजन की घोषणा बाद में की थी। इससे भारत और पाकिस्तान की नयी सरकारों के सर पर एकदम से शांति कायम रखने की जिम्मेदारी आ गयी थी। जाहिर तौर पर दोनों ही सरकारें शांति व्यवस्था कायम करने के लिए तैयार नहीं थीं। इस वजह से हालात बिगड़ते चले गये। देखते-देखते दंगे भड़कते गये और जब पाकिस्तान से ट्रेनों में भरकर हिंदुओं और सिखों की लाशें आने लगीं तो यहां भी लोग उन्मादी हो गये। यही कारण रहा कि जहां एक ओर पंडित जवाहर लाल नेहरू और उनके सहयोगी सत्ता संभालने में लगे हुए थे तो दूसरी ओर विभाजन के चलते भड़के सांप्रदायिक दंगों को रोकने के लिए उस वक्त महात्मा गांधी बंगाल के नोआखली में अनशन पर बैठ गए थे और स्वतंत्रता दिवस समारोह में भी शामिल नहीं हुए थे। उस समय के हालात के बारे में जो इतिहास मिलता है वह बहुत भयावह है। 15 अगस्त 1947 की सुबह जहां आजादी लेकर आई थी और सभी के चेहरों पर खुशी थी वहीं यह भी दृश्य देखने को मिल रहे थे कि लोग ट्रेनों, बैलगाड़ियों, घोड़ों या खच्चरों पर बैठकर या फिर पैदल ही सर पर सामान लादे हुए और अपने बच्चों का हाथ पकड़े हुए अपनी मातृभूमि को छोड़कर अलग-अलग बन चुके देश की ओर रवाना हो रहे थे। भारत के विभाजन के समय भड़के सांप्रदायिक दंगों में लोगों की मौत का आंकड़ा 20 लाख तक बताया जाता है। देख जाये तो उन दंगों में ना जाने कितने परिवार बिछड़ गये, कितनी महिलाओं को अपनी इज्जत से हाथ धोना पड़ा, कितने लोगों के शरीर के टुकड़े कर दिये गये, कितने लोगों के घर लूट लिये गये या फूंक दिये गये...तत्कालीन सरकार और प्रशासन बस शांति की अपील करता रह गये थे। तत्कालीन राजनेताओं की यह सबसे बड़ी नाकामी थी कि ना तो वह देश का विभाजन रोक पाये और ना ही कत्लेआम। लेकिन सवाल उठता है कि क्या उस नाकामी का श्रेय आज की कांग्रेस लेगी? इसके साथ ही, विभाजन प्रक्रिया में बढ़-चढ़कर भाग लेने वालों से एक सवाल यह भी है कि पंडित नेहरू के राज में 1962 की लड़ाई के दौरान जब चीन ने भारत के काफी बड़े भूभाग पर कब्जा जमा लिया था और तत्कालीन केंद्र सरकार कुछ नहीं कर पाई थी तो उसके लिए किसे दोषी ठहराया जाये। इसके अलावा, विभाजन प्रक्रिया में बढ़-चढ़कर भाग लेने वालों से एक सवाल यह भी है कि जब इंदिरा गांधी की सरकार ने 1974 में कच्चातिवु द्वीप श्रीलंका के सुपुर्द कर भारत के हितों को नुकसान पहुँचाया था तो उसके लिए किसे दोषी ठहराया जाये? वैसे यह गर्व करने लायक बात है कि आजादी के बाद से अब तक भारत बहुत आगे बढ़ गया है और दुनिया का सबसे बड़ा और सफल लोकतंत्र तथा तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। लेकिन देश के विभाजन के दर्द को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। अपनी आजादी का जश्न मनाते हुए एक कृतज्ञ राष्ट्र के रूप में हमें अपनी मातृभूमि के उन बेटे-बेटियों को 14 अगस्त के दिन विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर अवश्य नमन करना चाहिए, जिन्हें हिंसा के उन्माद में अपने प्राणों की आहुति देनी पड़ी थी। हम आपको याद दिला दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऐलान किया था कि हर साल 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाया जायेगा। विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाने की घोषणा के पीछे उद्देश्य यह था कि वर्तमान और आने वाली पीढ़ी विभाजन के दौरान लोगों द्वारा झेले गए दर्द और पीड़ा को जाने। देखा जाये तो विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस हमें भेदभाव, वैमनस्य और दुर्भावना के जहर को खत्म करने के लिए न केवल प्रेरित करता है बल्कि इससे देश की एकता, सामाजिक सद्भाव और मानवीय संवेदनाएं भी मजबूत होंगी। बहरहाल, भारत को 15 अगस्त, 1947 को ब्रिटिश शासन से आज़ादी मिलने पर स्वतंत्रता की मिठास के साथ-साथ देश के विभाजन का आघात भी सहना पड़ा था।

ज्ञानवापी मंदिर को लेकर बढ़ता विवाद

> नंदी बैल का तो मुंह ही ज्ञानवापी ढांचे की ओर है। कुछ समय पहले ढांचे में बजूखाना की जांच पड़ताल हुई थी। बजूखाना उस जगह को कहते हैं जहां से श्रद्धालु नमाज पढ़ने से पहले हाथ मुंह आदि धोते हैं। यह जांच न्यायालय के आदेश के बाद ही हुई थी। वहां बजूखाना में से शिवलिंग होने के प्रमाण मिले। लेकिन अशरफ समुदाय इस बात पर अड़ा है कि यह शिवलिंग न होकर फव्वारा है। अब वहां पुलिस बिठा दी गई है। लेकिन मामला यहीं शान्त नहीं हुआ। न्यायालय में कुछ लोगों ने याचिका दायर कर दी कि ज्ञानवापी ढांचे के अन्दर पूजा पाठ करने का अधिकार मिलना चाहिए।

काशी के ज्ञानवापी ढांचे को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। अशरफ समुदाय के लोग इस ढांचे को मस्जिद कहते हैं और आम भारतीय इसे मंदिर मानता है। यह ढांचा काशी के ऐतिहासिक विश्वनाथ मंदिर के आधे हिस्से में बना हुआ है। नंदी बैल का तो मुंह ही ज्ञानवापी ढांचे की ओर है। कुछ समय पहले ढांचे में बजूखाना की जांच पड़ताल हुई थी। बजूखाना उस जगह को कहते हैं जहां से श्रद्धालु नमाज पढ़ने से पहले हाथ मुंह आदि धोते हैं। यह जांच न्यायालय के आदेश के बाद ही हुई थी। वहां बजूखाना में से शिवलिंग होने के प्रमाण मिले। लेकिन अशरफ समुदाय इस बात पर अड़ा है कि यह शिवलिंग न होकर फव्वारा है। अब वहां पुलिस बिठा दी गई है। लेकिन मामला यहीं शान्त नहीं हुआ। न्यायालय में कुछ लोगों ने याचिका दायर कर दी कि ज्ञानवापी ढांचे के अन्दर पूजा पाठ करने का अधिकार मिलना चाहिए। उसी सिलसिले में न्यायालय ने ढांचे को बिना कोई क्षति पहुंचाए, भारत के पुरातत्व सर्वेक्षण के निदेशक को ज्ञानवापी ढांचे का सर्वे करने का आदेश दिया। अशरफ समुदाय इस सर्वे को रुकवाने के लिए उच्चतम न्ययालय तक पहुंचा। लेकिन इधर उधर घूम कर अशरफ समाज वापस ज्ञानवापी ही पहुंच गया। न्यायालय ने सर्वे को रोकने का आदेश जारी करने से इंकार कर दिया। अब वहां सर्वे का काम चालू है। लेकिन असली प्रश्न है कि अशरफ समाज या एटीएम (अरब-तुर्क-मुगल मंगोल) मूल के मुसलमान सर्वे का विरोध क्यों कर रहे हैं? पुरातत्व विभाग ने न्यायालय में शपथ पत्र दिया है कि सर्वेक्षण के दौरान ढांचे को कोई नुकसान नहीं होगा। न ही इस दौरान ढांचे के भीतर कहीं खुदाई की जाएगी। इसके बावजूद अशरफ समुदाय को किस बात का डर है? इसमें कोई शक ही नहीं कि औरंगजेब के शासनकाल में काशी विश्वनाथ का यह मंदिर तोड़ा गया था। लेकिन जब उसकी जगह यह नया ढांचा बनाया गया तो पुराने मंदिर के इतने प्रमाण क्यों छोड़े गए? मंदिर के मलबे को पूरी तरह हटा कर वहां मस्जिद का नया ढांचा बनाया जा सकता था। वे प्रमाण ही अब अशरफ समुदाय के लिए जी का जंजाल बन गए हैं। इस प्रश्न का उत्तर जानने के लिए मुगल या उससे पूर्व सल्तनत काल के विदेशी शासकों की मानसिकता को समझना होगा। वे मंदिर तोड़ कर मस्जिद नहीं बना रहे थे। मस्जिद बनाने के लिए तो काशी, अयोध्या और मथुरा में बहुत जमीन पड़ी थी। मुगल शासक बन गए थे। वे कहीं भी मस्जिद बना सकते थे। वे तो इस देश में अपनी विजय का गजट नेटिफिकेशन प्रकाशित कर रहे थे। आजकल जब शासन बदलता है, नया मुख्यमंत्री बनता है तो गजट नोटिफिकेशन निकाला जाता है। जयराम ठाकुर की जगह सुखविंदर सिंह सुक्खू मुख्यमंत्री बने तो शासन ने गजट नोटिफिकेशन निकाल कर इसकी बाकायदा सूचना जारी कर दी ताकि हर आम और खास को आधिकारिक तौर पर इस परिवर्तन का पता चल जाए। लेकिन मुगल शासन काल में शासन परिवर्तन का गजट नोटिफिकेशन देश के सर्वमान्य प्रतीकों को नष्ट करके उसके स्थान पर अपने देश के प्रतीकों का निर्माण करके ही किया जाता था। काशी विश्वनाथ मंदिर से बड़ा प्रतीक भला इस नोटिफिकेशन के लिए और क्या हो सकता था? लेकिन जब सत्ता बदल गई तो क्या बाबर, औरंगजेब द्वारा बनाए गए इन नोटिफिकेशनों को हटाने की जरूरत नहीं है? इस प्रश्न पर देश को तटस्थ मन से विचार करना चाहिए। अशरफ समुदाय को भी विचार करना चाहिए कि उनके पूर्वजों ने इस देश पर हमला करके इसको जीता था, जगह जगह मंदिरों को गिरा कर अपनी जीत के विजय स्तम्भों का निर्माण किया था, लेकिन बदले हालात में इन विजय स्तम्भों की जरूरत नहीं है। अशरफ समुदाय में से भी सैयद बिरादरी इस मामले में नेतृत्व प्रदान कर सकती है। इसी से जुड़ा हुआ दूसरा प्रश्न और गहरा है। ये विजय स्तम्भ बनाते हुए अशरफ समाज के मुगल शासकों ने मंदिरों की मूर्तियों को तोड़ कर उन्हीं का प्रयोग नवनिर्माण में क्यों किया? दरअसल मंदिर को तोडऩा और मूर्तियों को खंडित करना भारतीयों को अपमानित करने का एक तरीका भी था। औरंगजेब के सिपहसालार मंदिर तोड़ रहे हैं, संघर्ष हो रहा है, लेकिन देखते देखते मंदिर धराशायी हो जाता है। मंदिर को भगवान का घर मानने वाले भारतीय निस्सहाय देख रहे हैं। लेकिन यहीं यह प्रकरण समाप्त नहीं हो जाता। फिर देव मूर्तियां तोड़ी जा रही हैं। यदि ये खंडित देव मूर्ति भी भारतीयों के हवाले कर दी जाती तब भी वे विधि विधान से जल में प्रवाहित कर सकते थे। खंडित देव मूर्ति के बारे में यह शास्त्रीय विधान है। लेकिन विदेशी शासक ये खंडित देव मूर्तियां भी भारतीयों के हवाले नहीं करता। वह इसे मस्जिद के नाम पर बनाए जा रहे नए ढांचे की सीढियों में लगा रहा है। अशरफ समुदाय के लोग जब मस्जिद में आते हैं तो प्राकारान्तर से इन देव मूर्तियों पर चढ़ कर आगे बढ़ते हैं। पराजित जाति का इससे बड़ा अपमान क्या हो सकता था? तथाकथित मस्जिद के हर हिस्से में देव मूर्तियों के अंग समाए हुए हैं। इस प्रकार के ढांचों को देख कर ही भारतीयों के मन में मुगल शक्ति का आभास होता था। समय बदला। अरब गए, तुर्क गए और मुगल भी चले गए। कहते हैं इतिहास बड़ा क्रूर होता है। अंग्रेज आ गए।

देश दुनीया से

छात्रों के लिए फिटनेस कार्यक्रम कब?

पिछले कई वर्षों से स्कूली स्तर पर फिटनेस कार्यक्रम शुरू करने की बात इस कॉलम के माध्यम से हो रही है, मगर हिमाचल प्रदेश का कोई भी सरकारी या निजी स्कूल अपने यहां फिटनेस कार्यक्रम लागू करने में नाकाम रहा है। नया शिक्षण सत्र शुरू हो चुका है। क्या इस बार सरकारी स्कूल अपने यहां या कोई निजी स्कूल पहल करेगा? शिक्षण विषयों के रिपोर्ट कार्ड की तरह स्वास्थ्य के मानकों का रिपोर्ट कार्ड भी प्रत्येक विद्यार्थी का हर स्कूल में अनिवार्य रूप से हो। क्योंकि भाषा व अन्य शिक्षण विषयों की तरह ही स्वास्थ्य के मूल स्तंभ स्पीड, स्ट्रेंथ, इडोरैंस व लचक आदि का प्रयोगिक प्रशिक्षण भी उसी उम्र में शुरू करना होता है। शिक्षण विषयों के लिए तो स्कूलों के पास शिक्षक सहित पूरा प्रबंध है, मगर स्वास्थ्य के घटकों को विकसित करके उनका मूल्यांकन करने की कोई भी सुविधा आज तक उपलब्ध नहीं हो पाई है। इस कॉलम के माध्यम से कई बार इस विषय पर स्कूलों व अभिभावकों को चेताया जा चुका है, मगर कोई भी समझने के लिए तैयार नहीं है। किसी भी देश को इतनी क्षति युद्ध या महामारी से नहीं होती है जितनी तबाही नशे के कारण हो सकती है। आज जब देश के अन्य राज्यों सहित हिमाचल प्रदेश में भी नशा युवा वर्ग पर ही नहीं किशोरों तक चरस, अफीम, स्मैक, नशीली दवाओं तथा दूरसंचार के माध्यमों के दुरुपयोग से शिकंजा कस रहा है, इसलिए सरकार, स्कूल प्रबंधन व अभिभावकों को इस विषय पर जरूरी कदम जल्दी ही उठा लेने चाहिए। यदि विद्यार्थी किशोरावस्था में नशे से बच जाता है तो वह फिर युवावस्था आते-आते समझदार हो गया होता है। माध्यमिक से वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों को विभिन्न विद्याओं में व्यस्त रखने के साथ-साथ शारीरिक फिटनेस की तरफ मोडऩा बेहद जरूरी हो जाता है। मानव का सर्वांगीण विकास शिक्षा के बिना अधूरा है। शिक्षा की परिभाषा में साफ-साफ लिखा है कि यहां शारीरिक व मानसिक दोनों तरह से बराबर विद्यार्थियों का विकास करना है जिससे वे आगे चलकर जीवन को सफलतापूर्वक खुशहाल जी सकें। शारीरिक विकास के लिए खेलों के माध्यम से फिटनेस कार्यक्रम बहुत जरूरी हो जाता है। खेल ही वह माध्यम है जिसके द्वारा विद्यार्थी को नशे से दूर रखा जा सकता है। पड़ोसी राज्य पंजाब एक समय तरक्की में देश का अग्रणी राज्य रहा है। खेलों में उत्कृष्टता उस प्रदेश की तरक्की व खुशहाली का भी पैमाना होती है। पंजाब में हजारों प्रशिक्षक विभिन्न खेलों में खेल प्रशिक्षण के लिए नियुक्त होने के साथ-साथ खेल प्रशिक्षण के लिए आधारभूत ढांचा होना वहां के विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का प्रमुख कारण रहा था। बाद में जब पंजाब धीरे-धीरे खेलों से दूर हुआ तो पहले वहां आतंकवाद और फिर आजकल पंजाब नशे का अड्डा बना हुआ है। यही कारण है कि हर क्षेत्र में आज हरियाणा पंजाब से काफी आगे निकल गया है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने एशियाई, राष्ट्रमंडल व ओलंपिक खेलों में पदक विजेता होने पर खिलाडियों को करोड़ों रुपए के नगद ईनाम व सम्मानजनक नौकरी देकर हरियाणा में खेलों के लिए बहुत ही उपयुक्त बातावरण तैयार किया है। उसी का नतीजा है कि आज हरियाणा का हर किशोर व युवा किसी न किसी खेल के मैदान में नजर आता है। हिमाचल प्रदेश में भी पूर्व मुख्यमंत्री प्रोफेसर प्रेम कुमार धूमल ने प्रदेश की खेलों के लिए अपने पहले कार्यकाल से ही कई महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए हिमाचल प्रदेश में कई खेलों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्ले फील्ड, सरकारी नौकरियों में तीन प्रतिशत आरक्षण तथा देश में प्रशिक्षक कैडर डाईंग हो जाने के बाद पहली बार प्रशिक्षकों की भर्ती बहुत बड़े खेल सुधार किए। हिमाचल प्रदेश की खेल सुविधाओं का प्रयोग राज्य में स्वास्थ्य व खेलों के लिए बड़े स्तर पर करना चाहिए। हिमाचल प्रदेश इस समय शिक्षा के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में गिना जाता है।

> शिक्षण विषयों के लिए तो स्कूलों के पास शिक्षक सहित पूरा प्रबंध है, मगर स्वास्थ्य के घटकों को विकसित करके उनका मूल्यांकन करने की कोई भी सुविधा आज तक उपलब्ध नहीं हो पाई है। इस कॉलम के माध्यम से कई बार इस विषय पर स्कूलों व अभिभावकों को चेताया जा चुका है, मगर कोई भी समझने के लिए तैयार नहीं है। किसी भी देश को इतनी क्षति युद्ध या महामारी से नहीं होती है जितनी तबाही नशे के कारण हो सकती है। आज जब देश के अन्य राज्यों सहित हिमाचल प्रदेश में भी नशा युवा वर्ग पर ही नहीं किशोरों तक चरस, अफीम, स्मैक, नशीली दवाओं तथा दूरसंचार के माध्यमों के दुरुपयोग से शिकंजा कस रहा है, इसलिए सरकार, स्कूल प्रबंधन व अभिभावकों को इस विषय पर जरूरी कदम जल्दी ही उठा लेने चाहिए।

दृष्टिकोण

सामाजिक समरसता का केंद्र बने संत रविदास मंदिर

भारत को कमजोर करने के लिए जातीय द्वेष बढ़ाने में अनेक ताकतें सक्रिय हैं। उनके निशाने पर विशेषकर हिन्दू समाज है। वहीं, भारतीय समाज को एकसूत्र में बांधने के प्रयास करनेवाली संस्थाएं अंगुली पर गिनी जा सकती हैं। चिंताजनक बात यह है कि भारत विरोधी ताकतों के निशाने पर राष्ट्रीयता को मजबूत करनेवाले संगठन भी रहते हैं। ऐन-केन-प्रकारेण उनकी छवि को बिगाड़ने के प्रयास किए जाते हैं। राजनीतिक क्षेत्र में भी कमोबेश यही स्थिति है। वोटबैंक की राजनीति के चलते अनेक नेता एवं राजनीतिक दल भी हिन्दू समाज में जातीय विद्वेष को बढ़ाने के दोषी हैं। इन परिस्थितियों के बीच शिवराज सरकार ने मध्यप्रदेश के सागर जिले में संत शिरोमणि रविदास महाराज के मंदिर का निर्माण करने का सराहनीय निर्णय लिया गया है। सरकार इस मंदिर को सामाजिक समरसता के केंद्र के तौर पर विकसित करना चाहती है। समरसता मंदिर के निर्माण में संपूर्ण हिन्दू समाज की भागीदारी हो, इसके लिए सरकार के प्रयासों से प्रदेशभर में समरसता यात्राएं निकाली जा रही हैं, जो 12 अगस्त को निर्माण स्थल बड़तूमा पहुँचेंगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान संत शिरोमणि रविदास की जयंती के सुअवसर पर यहाँ समरसता मंदिर की नींव रखेंगे। यह मंदिर अपने उद्देश्य के अनुसार आकार ले, इसके लिए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान स्वयं सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। वे समरसता यात्राओं में सहभागिता कर लोगों तक संत रविदास के संदेश को पहुँचाने का भगीरथी प्रयास कर रहे हैं। आनंद की बात है कि संत रविदास समरसता यात्रा का रथ जहाँ-जहाँ से गुजर रहा है, वहाँ के लोग मंदिर निर्माण के लिये अपने क्षेत्र की मिट्टी और नदियों का जल देकर संदेश दे रहे हैं कि निश्चित ही यह स्थान सबको एकसूत्र में जोड़ने में सफल होगा। भारतीय संत परंपरा में संत रविदास जी का महत्वपूर्ण स्थान है। उन्होंने अपने दोहों-पदों और आचरण से समाज में व्याप्त जातिगत भेदभाव को दूर करके सामाजिक समरसता पर बल दिया। समाज कैसा होना चाहिए, उनके इस पद में इसके दर्शन मिलते हैं- "ऐसा चाहूँ राज मैं, जहाँ मिलै सबन को अन्न, छोट बड़ो सब सम बसै, रैदास रहै प्रसन्न"। उन्होंने हमारे सामने ऐसे समाज की संकल्पना रखी, जहाँ किसी भी प्रकार का लोभ, लालच, दुःख, दरिद्रता और भेदभाव नहीं हो। सब प्रसन्नता से रहें। सामाजिक समरसता के जीवनसूत्र देते हुए संत रविदास ने कहा- "रैदास जन्म के कारने होत न कोई नीच, नर कूं नीच कर डारि है, ओछे करम की नीच"। अर्थात कोई भी व्यक्ति सिर्फ अपने कर्म से नीच होता है, जो व्यक्ति गलत काम करता है, वह नीच होता है। कोई भी व्यक्ति जन्म से कभी नीच नहीं होता है। संत रविदास जी के इस दर्शन को हमें आत्मसात करना चाहिए और इसे अपने आचरण में उतार लेना चाहिए। हिन्दू समाज की पहचान भी इसी बात के लिए है कि वह समय के साथ आई बुराइयों को समय के साथ ही छोड़कर आगे बढ़ जाता है। यह सत्य हमें स्मरण रखना चाहिए कि समाज को दिशा देनेवाले महान लोगों ने भेदभाव को उस समय भी स्वीकार नहीं किया, जब यह बुराई चरम पर दिखने लगी थी। हमारे यहाँ जातिगत भेदभव के लिए कभी कोई स्थान नहीं रहा है। संत शिरोमणि रविदास जी ने 'अहम् ब्रह्मास्मि' और 'तत्वमसि' के दर्शन को सामान्य लोगों को समझ आनेवाली भाषा में समझाया। उनकी वाणी का संदेश यही रहा है कि हम सब एक ही हैं। एक ही ईश्वर के भक्त हैं। वे कहते हैं- "प्रभुजी तुम चंदन हम पानी, जाकी अंग-अंग बास समानी"। भारत के संत समाज ने हमें अनेक प्रकार से यह समझाने का प्रयास किया है कि हम सब एक ही ब्रह्म के अंश हैं। इसके बाद भी समाज में कुछ लोगों को यह बात समझ नहीं आती। विडम्बना यह है कि वे पढ़ते और पढ़ाते तो यही हैं, उपदेश भी इसी प्रकार के देते हैं लेकिन उनके आचरण से यह भाव नदारद है।

रूसी मंत्रालय ने आईफोन के इस्तेमाल पर पाबंदी लगाई : दावा- इनसे जासूसी कर रहा अमेरिका; सरकारी काम में नहीं यूज होंगे एप्पल प्रोडक्ट्स

मॉस्को।

रूस की डिजिटल डेवलपमेंट मिनिस्ट्री ने सरकारी कर्मचारियों के लिए आईफोन के इस्तेमाल पर बैन लगा दिया है। मंत्री मकसुत शाडेव ने इसकी जानकारी दी। एप्पल के बाकी प्रोडक्ट्स जैसे आईबुक, टैबलेट्स के इस्तेमाल पर भी रोक लगाई गई है। इन डिवाइस से कोई भी सरकारी कामकाज नहीं किया जा सकेगा। रूस की फेडरल सिक्योरिटी सर्विस के मुताबिक, इन डिवाइस के जरिए अमेरिका उनकी जासूसी कर रहा है। 2 महीने पहले दावा किया था कि अमेरिका हजारों आईफोन्स को हैक कर चुका है और इनमें अमेरिकी सर्विलांस सिस्टम मौजूद हैं। अमेरिकी हैकर्स ने जासूसी अभियान में इजराइल, सीरिया, चीन और सदस्यों के डिप्लोमैट्स को निशाना बनाया।

सोवियत संघ में रहे देशों की हो रही जासूसी - इसके अलवा कई स्थानीय रूसी लोग और सोवियत संघ का हिस्सा रहे देशों में काम कर रहे डिप्लोमैट्स के फोन भी हैक किए गए थे। अमेरिका की स्पेशल सर्विस इस खुफिया ऑपरेशन को अंजाम दे रही थी। रूस की एजेंसी ने ये भी दावा किया था कि अमेरिका की नेशनल सिक्योरिटी एजेंसी और एप्पल कंपनी के बीच करीबी सहयोग है।

एप्पल ने कहा था- हमने कभी ऐसा नहीं किया न करेंगे - हालांकि, उन्होंने इस बात के कोई सबूत नहीं दिए थे कि एप्पल कंपनी को इस जासूसी की जानकारी थी। वहीं, एफएसबी के आरोपों को एप्पल कंपनी ने खारिज कर दिया था। उन्होंने कहा था- हमने कभी भी किसी देश की सरकार के साथ मिलकर फोन में छेड़छाड़ नहीं की है और न ही कभी करेंगे।

कैस्पर्स्की लैब ने कहा- 2019 से हो रही जासूसी - एनएसए ने इस बारे में कोई बयान देने से इनकार कर दिया। दूसरी तरफ, मॉस्को की कैस्पर्स्की लैब कंपनी ने कहा कि इस ऑपरेशन के जरिए उसके कई कर्मचारियों के डिवाइस के साथ छेड़छाड़ की गई। कैस्पर्स्की ने एक ब्लॉग में कहा- जासूसी के सबूत सबसे पहले 2019 में मिले थे और ये अब तक जारी है। हालांकि, उन्होंने दावा किया कि वो इस साइबर अटैक का प्रमुख टारगेट नहीं थे।

रूसी अधिकारियों को आईफोन नहीं इस्तेमाल करने का आदेश - रिपोर्ट के बाद रूस के विदेश मंत्रालय ने कहा था- इससे साबित होता है कि अमेरिका में बने आईफोन्स पूरी तरह से पारदर्शी नहीं हैं। इन पर साइबर हमले करके बड़े पैमाने पर डाटा इकट्ठा किया जा रहा था। मंत्रालय के मुताबिक, अमेरिकी खुफिया एजेंसी सालों से इंटरनेट यूजर्स की जानकारी के बिना उनका डाटा इकट्ठा करने के लिए आईटी कंपनियों का इस्तेमाल कर रही है।

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के बेलफर सेंटर साइबर 2022 पावर इंडेक्स के मुताबिक, साइबर पावर के मामले में अमेरिका सबसे आगे है। उसके बाद चीन, रूस, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया का नंबर आता है। इससे पहले क्रेमलिन ने रूस में 2024 में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव को देखते हुए अधिकारियों से आईफोन्स का इस्तेमाल बंद करने को कहा था। उन्होंने आशंका जताई थी कि अमेरिका की इंटेलिजेंस एजेंसियां इसके जरिए रूस पर नजर रख रही हैं।

न्यूज ब्रीफ

बेहतर वर्कआउट के लिए बच्चों के जैसे चंचल बनें: नए तरीके आजमाएं, ये बचकाने हो सकते हैं; इससे मानसिक सेहत में भी सुधार होगा

न्यूयॉर्क। एक्सरसाइज करते वक्त वयस्कों के चेहरे पर अक्सर चिर-परिचित स्थिर भाव दिखाई देते हैं। चाहे वे

जॉगिंग कर रहे हों, पुश-अप या फिर फुटबॉल ही क्यों न खेल रहे हों। विशेषज्ञों का कहना है कि वर्कआउट को लेकर चंचल रवैया अपनाने से मानसिक सेहत को भी फायदा होता है। ऑस्टिन में ट्रेनर एरिका निक्स कहती हैं- आपने बच्चों को वर्कआउट करते देखा होगा। वे एक्सरसाइज करते समय गलतियां करने या मूर्ख दिखने को लेकर जरा भी चिंतित नहीं होते। बेहतर वर्कआउट के लिए एक बच्चे की तरह सोचना चाहिए। अच्छे नतीजे चाहते हैं तो बचपन की ओर देखें, बचकानी चीजें होने दें, एक्सपर्ट भी यही सलाह दे रहे हैं काइल लुइग्स बचपन में शर्मीले बच्चे थे, जिसे खेलना पसंद था। पर स्कूली जीवन में ऐसे मौके नहीं मिले। जॉर्जिया यूनिवर्सिटी में पढ़ाई के दौरान उन्हें अपनी बेसबॉल टीम द बनानाज बनाई। टीम मूर्खतापूर्ण हरकतों के लिए जानी जाती है। सदस्य खेल के दौरान ही आउटफील्ड में कोरियोग्राफ किए गए डांस और बल्लेबाज स्टिल्ट्स (दो बांसों पर चलना) जैसे करतब दिखाने लगते हैं। शुरुआत में लुइग्स को यह ठीक नहीं लगा, पर धीरे-धीरे उन्हें महसूस हुआ कि वे टीम के साथ बेहतर प्रदर्शन कर पा रहे थे। एक्सपर्ट कहते हैं कि वर्कआउट के लिए यही तरीका अपनाना चाहिए। लोग क्या सोचेंगे ये सोचना छोड़ दें। हम अपना श्रेष्ठ करने पर फोकस करें। पर्ड्यू यूनिवर्सिटी में इंटीग्रेटिव ह्यूमन हेल्थ के असिस्टेंट प्रोफेसर मैथ्यू लाडविग कहते हैं- ज्यादातर लोगों में किशोरावस्था शुरू होते-होते गंभीरता आने लगती है। एक्सरसाइज के आनंद को दोबारा खोजने का फॉर्मूला है, पहले की यादों को ताजा करना।

अमेरिका की खुफिया एजेंसी ने कराई चीन की जासूसी: ड्रैगन का दावा- सीआईए ने पैसों का लालच देकर इटली में हायर किया चीनी नागरिक

बीजिंग। चीन ने अमेरिका पर उसकी जासूसी कराने का आरोप लगाया है। चीन ने कहा है कि उन्होंने 52 साल के जेंग नाम के व्यक्ति को पकड़ा है जो अमेरिका की खुफिया एजेंसी सीआईए को चीन की मिलिट्री से जुड़ी अहम जानकारी दे रहा था। इसके बदले उसे काफी पैसा दिया जा रहा था। सीआईए ने जेंग को अमेरिका की नागरिकता दिलाने का भी लालच दिया था। चीन की स्टेट सिक्योरिटी के मुताबिक सीआईए ने उसे इटली से हायर किया था। जेंग ने जासूसी के लिए सीआईए से एग्रीमेंट साइन किया था। चीन के स्टेट मीडिया के मुताबिक जेंग पढ़ाई के लिए रोम गया था। जहां उसे सीआईए के एजेंट ने अप्रोच किया। ये इटली में अमेरिकी एम्बेसी का अधिकारी बताया जा रहा है। उसने डिनर और ओपेरा में साथ जाकर जेंग से दोस्ती बढ़ाई। इसके बाद जेंग को चीन की खुफिया जानकारी देने के लिए मनाया। इस अधिकारी का नाम सेठ बताया जा रहा है।

कोलंबो पहुंचा चीनी वॉरशिप: इसके सर्विलांस पावर से भारत की चिंताएं बढ़ीं, पिछले साल बैलिस्टिक मिसाइल और सैटेलाइट ट्रैकिंग शिप भी आया था

कोलंबो। चीन की पीपल्स लिब्रेशन आर्मी का नेवी वॉर शिप हाई यैंग 24 हाओ के श्रीलंका के कोलंबो बंदरगाह पहुंचा। इस जहाज की खासियत इसका सर्विलांस पावर है, इस वजह से भारत की चिंताएं बढ़ी हैं। हालांकि, भारत को ब्रीफ करके ही श्रीलंका ने इस वॉरशिप को अपने यहां एंट्री दी है। डेली मिरर की रिपोर्ट के अनुसार चीनी नेवी का ये जहाज काफी समय से श्रीलंका में एंट्री के लिए परमिशन मांग रहा था, लेकिन भारत के विरोध के कारण श्रीलंका ने इसे परमिशन नहीं दी थी। बता दें कि पिछले साल भी अगस्त में चीनी बैलिस्टिक मिसाइल और सैटेलाइट ट्रैकिंग शिप श्रीलंका पहुंचा था। इस जहाज का नाम युआन वैंग 5 था। ये जहाज श्रीलंका के हम्बनटोटा बंदरगाह पहुंचा था। तब भी भारत ने कड़ा विरोध दर्ज किया था। श्रीलंकन नेवी द्वारा जारी स्टेटमेंट में कहा गया- 129 मीटर लंबा चीनी नेवी वॉर शिप हाई यैंग 24 हाओ बृहस्पतिवार को कोलंबो पहुंचा। ये जहाज यहां से निकलेगा। इस जहाज में 138 क्रू मेंबर हैं। कमांडर जिन सिन इसे कमांड कर रहे है। भारत की परेशानी की वजह इस जहाज का सर्विलांस पावर है। भारत को डर है कि उसने जो अपने डिफेन्स इंस्टॉलेशंस (सुरक्षा के लिए लगाए गए ट्रैकिंग उपकरण) की जानकारी चीन ट्रैक कर लेगा। चीन अपनी डेब्ट ट्रैप नीति के तहत दुनिया के कई विकासशील देशों को निशाना बना रहा है।

नॉर्थ कोरिया बना रहा परमाणु हथियार

यूएन रिपोर्ट में खुलासा- 2022 में 14 हजार करोड़ की साइबर चोरी की; इन्हीं से हुई हथियारों की फंडिंग

प्योंगयांग।

नॉर्थ कोरिया परमाणु हथियार और उससे जुड़े दूसरे इक्विपमेंट्स बना कर रहा है। यूएन की एक रिपोर्ट में इस बात की जानकारी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि नॉर्थ कोरिया पर यूएन की तरफ से लगाए गए प्रतिबंध के बावजूद वो परमाणु और बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम चला रहा है। यूएन के मुताबिक, नॉर्थ कोरिया इसके लिए साइबर चोरी की मदद ले रहा है। यूएन के सैंक्शन्स पर नजर रखने वाली मॉनिटरिंग एजेंसी ने कमेटी को एक रिपोर्ट सौंपी। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि साल 2022 में नार्थ कोरिया के हैकर्स ने 1.7 बिलियन डॉलर यानी करीब 14 हजार करोड़ की साइबर चोरियां की। इसके लिए दुनियाभर में क्रिप्टोकरेंसी और फाइनेंशियल एक्सचेंज को टारगेट किया गया।

फॉरेन इंटेलीजेंस एजेंसी के लिए काम करते हैं हैकर्स

पहले भी मॉनिटरिंग एजेंसी ने नॉर्थ कोरिया पर परमाणु और मिसाइल प्रोग्राम की फंडिंग के लिए साइबर हमले के आरोप लगाए हैं। यह एजेंसी साल में 2 बार रिपोर्ट देता है। सैंक्शन मॉनीटरिंग एजेंसी ने कहा- ये हैकर्स नॉर्थ कोरिया की फॉरेन इंटेलीजेंस एजेंसी के लिए काम करते हैं। ये हैकर्स लगातार सॉफिस्टिकेटेड साइबर तकनीक का सहारा लेकर फंड और जानकारी चुराने का काम करते हैं। इन हैकर्स ने खासतौर पर क्रिप्टोकरेंसी, डिफेंस, एनर्जी और हेल्थ सेक्टर की कंपनियों को निशाना बनाया है। रिपोर्ट के मुताबिक, नॉर्थ कोरिया लगातार इंटरनेशनल फाइनेंस सिस्टम को एक्सेस कर रहा है और अवैध फाइनेंशियल गतिविधियों में लिप्त है।

नॉर्थ कोरिया के डिफेंस एक्सपोर्ट और कम्युनिकेशन की जांच कर रही यूएन एजेंसी

अपनी रिपोर्ट में मॉनिटरिंग एजेंसी ने कहा कि वे नॉर्थ कोरिया के मिलिट्री कम्युनिकेशन उपकरण और गोला-बारूद के एक्सपोर्ट की जांच कर रहे हैं। साथ ही संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों को भी हथियारों या किसी अन्य

तरह के मिल्ट्री सपोर्ट की बिक्री की जांच कर रहे हैं। हालांकि, नॉर्थ कोरिया ने हमेशा ही अपने ऊपर लगे सभी आरोपों से इनकार किया है।

गुरुवार को नॉर्थ कोरिया के नेता किम जोंग उन ने टॉप जनरल को पद से हटा दिया था और सेना से युद्ध के लिए तैयार रहने को कहा था। साथ ही सैन्य अभ्यास और हथियारों का प्रोडक्शन बढ़ाने के निर्देश भी दिए थे।

हथियारों के मास प्रोडक्शन के आदेश

किम जोंग उन ने मीटिंग के दौरान सेना से कहा था कि वो अपने सभी हथियारों का मास प्रोडक्शन कराए, ताकि जंग के दौरान उन्हें कमी न हो। दरअसल, किम जोंग उन के आदेशों की एक वजह साउथ कोरिया और अमेरिका के बीच होने वाली मिलिट्री ड्रिल्स भी हैं।

ये मिलिट्री ड्रिल 21 से 24 अगस्त तक चलेंगी। इन्हें लेकर नॉर्थ कोरिया चेतावनी भी दे चुका है। बैठक के दौरान किम जोंग उन ने अगले महीने 9 सितंबर को होने वाली मिलिट्री डे परेड की तैयारी को लेकर भी जरूरी निर्देश दिए हैं।

नॉर्थ कोरिया ने दिखाए थे परमाणु हथियार

मार्च में नॉर्थ कोरिया ने कई इंटर कॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल सहित दूसरी मिसाइलों की टेस्टिंग की थी। देश ने पहली बार अपने परमाणु हथियार दुनिया के सामने पेश किए थे। इस दौरान नॉर्थ कोरिया ने और भी खतरनाक परमाणु हथियार बनाने की बात कही थी।

न्यूक्लियर एक्सपर्ट्स का मानना है कि नॉर्थ कोरिया के हथियार बेशक छोटे हैं फिर भी इन्हें इंटर कॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइलों पर लगाकर अमेरिका और साउथ कोरिया में तबाही मचाई जा सकती है। सियोल नेशनल यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर क्यून सू के मुताबिक मार्च में ऑफिशियली दिखाए गए नॉर्थ कोरिया के परमाणु हथियार 2016 के मुकाबले बड़े हैं। इससे परमाणु हथियार बनाने में उनकी तरक्की साफ दिख रही है।

नॉर्थ कोरिया पर साल 2006 में संयुक्त राष्ट्र ने उसके न्यूक्लियर और बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम की वजह से प्रतिबंध लगा दिए थे। इसके बाद साल दर साल इन प्रतिबंधों को और बढ़ा दिया गया।

स्किन कलर एनालिटिक्स वाले चीनी निगरानी कैमरे बढ़ा रहे मानवाधिकार संबंधी चिंता

वाशिंगटन।

अमेरिका स्थित सुरक्षा और निगरानी उद्योग अनुसंधान समूह की ओर से कहा गया है कि इंटरनेट प्रोटोकॉल वीडियो मार्केट की एक रिपोर्ट के अनुसार, चीनी निगरानी उपकरण निर्माता दहुआ यूरोप में स्किन कलर एनालिटिक्स फीचर वाले कैमरे बेच रहा है। यह जानकारी अमेरिकी मीडिया के हवाले से दी। अमेरिकी मीडिया द्वारा एक्सेस की गई 31 जुलाई की इंटरनेट प्रोटोकॉल वीडियो मार्केट (आईपीवीएम) रिपोर्ट में निर्माता कंपनी ने स्किन कलर एनालिटिक्स को स्मार्ट सुरक्षा समाधान की बुनियादी विशेषता बताकर इसका बचाव किया। फरवरी, 2021 में आईपीवीएम और एक अमेरिकी अखबार ने बताया था कि दहुआ ने चीनी पुलिस को उइगर समुदाय की रियल टाइम संकेत के साथ एक वीडियो निगरानी प्रणाली प्रदान की थी, जिसमें भौंहों का आकार, त्वचा का रंग और जातीयता शामिल थी। आईपीवीएम की 2018 की सांख्यिकीय रिपोर्ट से पता चलता है कि 2016 के बाद से दहुआ और एक अन्य चीनी वीडियो निगरानी कंपनी हिकविजन ने चीन के शिनजियांग प्रांत की सरकार के साथ एक अरब अमेरिकी डॉलर के अनुबंध किए हैं। शिनजियांग प्रांत उइगर समुदाय के जीवन का केंद्र है। दरअसल, स्किन कलर एनालिटिक्स का इस्तेमाल मुख्य रूप से उइगर समुदाय का पता लगाने के लिए किया जा रहा है। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, मानव शरीर की विशेषताओं के लिए दहुआ के आईसीसी ओपन प्लेटफॉर्म गाइड में त्वचा का रंग और स्वभाव शामिल है। जिसे दहुआ डाटा डिक्शनरी का नाम देता है। इस बारे में कंपनी का कहना है कि त्वचा के रंग के प्रकार जिन्हें ये विश्लेषणात्मक उपकरण लक्ष्य बनाते हैं वे पीले, काले, और सफेद हैं। आईपीवीएम रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि त्वचा के रंग का पता लगाने का उल्लेख कार्मिक नियंत्रण श्रेणी में किया गया है। यह एक ऐसी सुविधा है जिसे दहुआ अपने स्मार्ट ऑफिस पार्क समाधान के हिस्से के रूप में पेश करता है जिसका उद्देश्य चीन में बड़े कॉर्पोरेट परिसरों के लिए सुरक्षा प्रदान करना है। आईपीवीएम रिपोर्ट की सह-लेखक चार्ल्स रोलेट के हवाले से अमेरिकी मीडिया ने बताया कि मूल रूप से ये वीडियो एनालिटिक्स क्या करते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि यदि आप कैमरों को चालू करते हैं, तो यह स्वचालित तरीके से उसकी त्वचा का रंग निर्धारित करने का प्रयास करेगा जो वहां से गुजरेगा, जिसे वह वीडियो फुटेज के रूप में कैद करेगा। उन्होंने कहा, तो इसका मतलब यह है कि कैमरा अनुमान लगा रहा है या यह निर्धारित करने का प्रयास कर रहा है कि सामने वाले व्यक्ति की त्वचा का रंग काला, पीला या सफेद है या नहीं।

नाइजर में 250 भारतीयों को देश छोड़ने की सलाह: तख्तापलट पर विदेश मंत्रालय की एडवाइजरी, कहा- एयरस्पेस बंद, बॉर्डर पार कर निकलें लोग

नियामी।

पश्चिम अफ्रीकी देश नाइजर में रहने वाले भारतीय मूल के लोगों को भारत सरकार ने देश छोड़ने की एडवाइजरी जारी की है। फिलहाल नाइजर में करीब 250 भारतीय मूल के लोग रह रहे हैं। दरअसल नाइजर में पिछले महीने हुए सैन्य तख्तापलट के बाद से प्रदर्शन और हिंसा को दौर जारी है। विदेश मंत्रालय ने अपनी एडवाइजरी में कहा कि जो लोग नाइजर जाना चाहते हैं वे हालात सामान्य होने का इंतजार करें। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा- भारत सरकार नाइजर की परिस्थिति पर नजर बनाए हुए है। मौजूदा हालात को देखते हुए, जिन भारतीयों का नाइजर में रुकना जरूरी नहीं हैं, वे जल्द से जल्द देश छोड़ दें।

नाइजर में रह रहे भारतीयों के लिए इमरजेंसी नंबर जारी - उन्होंने आगे कहा- जिन भारतीयों ने राजधानी नियामे के दूतावास में रेजिस्ट्रेशन नहीं करवाया है, वो जल्द ही इस प्रक्रिया को पूरा कर लें। भारतीय नागरिक दूतावास के इमरजेंसी नंबर +22799759975 पर संपर्क कर सकते हैं। साथ ही उन्होंने बताया कि नाइजर में फिलहाल एयरस्पेस बंद है, इसलिए बॉर्डर पार कर रहे लोगों को खास सावधानी बरतने की जरूरत है।

फ्रांस ने हजारों लोगों को बाहर निकाला - इससे पहले फ्रांस की सरकार ने 3 अगस्त को

नाइजर से हजार से ज्यादा लोगों को रेस्क्यू किया था। इनमें फ्रांस के अलावा 10-15 भारतीय भी शामिल थे। इसके अलावा फ्रांस ने यूरोप, लैटिन अमेरिका, अफ्रीका, मिडिल-ईस्ट के भी कुछ लोगों को रेस्क्यू किया था। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने ट्वीट कर इस बात की जानकारी दी थी।

राष्ट्रपति के गार्ड्स ने बनाया बंदी - 26 जुलाई को पश्चिमी अफ्रीकी देश नाइजर में सेना ने तख्तापलट कर दिया था। कुछ हथियार बंद सैनिकों ने राष्ट्रपति भवन में घुसकर उस पर कब्जा कर लिया था। इसी के साथ राष्ट्रपति मोहम्मद बजौम को सत्ता से हटाकर कैद कर लिया गया था। सेना ने तख्तापलट का ऐलान नेशनल टीवी पर आकर किया था। कर्नल अमादौ अब्द्रमाने ने दूसरे सैन्य अधिकारियों के साथ टीवी पर आकर राष्ट्रपति को सत्ता से बेदखल करने की बात कही थी।

यूक्रेन में सभी सेना भर्ती केंद्रों के चीफ बर्खास्त: घूस लेकर लोगों को देश छोड़ने में मदद कर रहे थे; जेलेंस्की बोले- यह देशद्रोह

कीव।

रूस-यूक्रेन जंग के बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदोमिर जेलेंस्की ने सेना भर्ती सेंटर्स के सभी हेड्स को बर्खास्त कर दिया है। कीव में उन्होंने इसकी घोषणा की। इन 33 अफसरों पर पुरुषों से घूस लेकर उन्हें देश छोड़ने में मदद करने के आरोप हैं। पिछले साल फरवरी में जंग की शुरुआत के साथ यूक्रेन में उन पुरुषों के देश छोड़ने पर बैन लगा दिया गया था, जो जंग लड़ने में सक्षम हैं। इन अफसरों के खिलाफ 112 क्रिमिनल केस भी दर्ज किए गए हैं। जेलेंस्की ने कहा- युद्ध के दौरान भ्रष्टाचार देशद्रोह है। हटाए गए लोगों की जगह उन लोगों को नियुक्त किया जाएगा, जिन्होंने देश के लिए अपना सब कुछ दांव पर लगा दिया। भले ही वे अब जंग के लिए फिट नहीं हैं, लेकिन देश के लिए ईमानदार हैं।

जंग लड़ने से बचने झूठी मेडिकल रिपोर्ट बनवा रहे यूक्रेनी - पिछले महीने क्रामाटोरस्क जिले में एक भर्ती केंद्र के 3 कर्मचारियों पर सिपाहियों को ड्यूटी के लिए अयोग्य और यूक्रेन छोड़ने के योग्य दिखाने के लिए जाली दस्तावेज बनाने का आरोप लगाया गया था। वहीं कुछ दिन पहले यूक्रेन के अधिकारियों ने एक ऐसी स्कीम का खुलासा किया था, जिसका इस्तेमाल कर वहां

के पुरुष जंग में जाने से बच रहे हैं। यूक्रेन में पुरुष अपनी झूठी मेडिकल रिपोर्ट्स बनवा रहे हैं। इनमें उन्हें जंग के लिए अनफिट दिखाया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक राजधानी कीव समेत यूक्रेन के 11 इलाकों में ये स्कीम चल रही थी। पुलिस ने कीव, ओडेसा, ल्वीव समेत 100 से ज्यादा जगहों पर छापे मारे हैं जहां नकली मेडिकल सर्टिफिकेट बनाए जा रहे थे।

सेना के अधिकारी ले रहे 5 लाख की रिश्वत - इस फर्जीवाड़े में मिलिट्री के लोग भी शामिल थे। भर्ती केंद्रों के अधिकारियों ने सेना में भर्ती होने के लिए मेडिकल जांच करने वाले मिलिट्री कमिशन से सांठ-गांठ की थी, ताकि चुने गए कुछ लोगों को सेना में शामिल होने के लिए जरूरी मेडिकल सर्टिफिकेट में अनफिट दिखाया जा सके। इसके बदले अधिकारियों को प्रति व्यक्ति 6 हजार डॉलर, यानी करीब 5 लाख रुपए मिल रहे थे। इतना ही नहीं, झूठी मेडिकल रिपोर्ट्स का इस्तेमाल कर कई लोग देश तक छोड़ कर चले गए थे। यूक्रेन की नेशनल पुलिस और सिक्योरिटी सर्विस मिलकर इस फर्जीवाड़े की जांच कर रहे हैं। हालांकि, इस मामले में अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं की गई है। पश्चिमी देशों के अधिकारियों के मुताबिक इस जंग में रूस के 1.80 लाख और यूक्रेन के 1 लाख सैनिक या तो मारे गए हैं या घायल हुए हैं।

जंग में मारे गए सैनिकों का आंकड़ा नहीं बता रहा यूक्रेन - वहीं, यूक्रेन ने 23 फरवरी तक रूस के 1.45 लाख सैनिकों के मारे जाने का दावा किया था। हालांकि, यूक्रेन ने अपने सैनिकों की मौत का आंकड़ा कभी साझा नहीं किया। न सिर्फ यूक्रेन, बल्कि जंग पर लगातार अपडेट दे रहा अमेरिका भी जंग में मारे गए यूक्रेनी सैनिकों की संख्या बताने से इनकार कर चुका है। वहीं, हाल ही के महीनों में सोशल मीडिया पर शेयर की गई पोस्ट में यूक्रेन में तेजी से बढ़ रही कब्रों को दिखाया जा रहा है। ये कब्र यूक्रेनी सैनिकों की बताई जा रही हैं।

दुनिया में 1 महीने में कोरोना के 80प्रतिशत मामले बढ़े

15 लाख केस दर्ज; डब्लूएचओ बोला- कम टेस्टिंग, ओमिक्रॉन के नए वैरिएंट से आंकड़ा बढ़ा

स्विट्जरलैण्ड।

दुनियाभर में कोरोना के नए मामलों में 80प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन ने इसकी जानकारी दी। वीकली अपडेट के दौरान डब्लूएचओ ने बताया कि 10 जुलाई से 6 अगस्त के बीच 15 लाख नए कोरोना के मामले सामने आए। ये पिछले 28 दिनों की तुलना में 80प्रतिशत ज्यादा है। हालांकि, इस दौरान कोरोना से जान गंवाने वालों का आंकड़ा 57प्रतिशत कम हुआ। डब्लूएचओ ने चेतावनी देते हुए कहा कि सही आंकड़ा इससे भी ज्यादा हो सकता है; क्योंकि कोरोना के समय सभी देशों में टेस्टिंग और मॉनिटरिंग ज्यादा हो रही थी, लेकिन अब ऐसा नहीं है। कम टेस्टिंग की वजह से भी कोरोना के दर्ज मामले कम हो सकते हैं।

वेस्टर्न पैसेफिक में 137प्रतिशत केस बढ़े - वेस्टर्न पैसेफिक क्षेत्र (ऑस्ट्रेलिया, चीन, जापान, मलेशिया, ताइवान, न्यूजीलैंड जैसे देश) में कोरोना संक्रमण के मामलों में 137प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। नॉर्दर्न हेमिस्फियर के देश जैसे अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और जापान में गर्मी के चलते मामले बढ़े हैं। हाल ही डब्लूएचओ ने ओमिक्रॉन के नए वैरिएंट मिलने की भी पुष्टि की थी। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, सावधानी बरतने में लापरवाही, बढ़ती गर्मी, टूरिज्म और कम टेस्टिंग की वजह से मामले बढ़ने की आशंका है।

एरीस 'वैरिएंट ऑफ इंटरेस्ट' घोषित - ओमिक्रॉन के सब-वैरिएंट या एरीस के बढ़ते मामलों को देखते हुए इसे 'वैरिएंट ऑफ इंटरेस्ट' घोषित किया था। जुलाई के मध्य में मिले कोरोना के मामलों में से 17प्रतिशत केस इसी वैरिएंट के थे। ये जून की तुलना में 7.6प्रतिशत ज्यादा थे। एरीस वैरिएंट का केस 31 जुलाई को ब्रिटेन में सामने आया था। इस वैरिएंट के सबसे ज्यादा

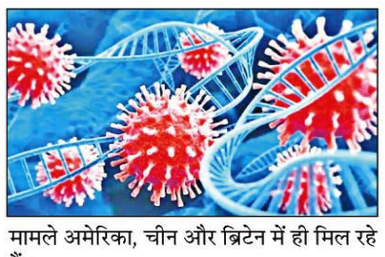

मामले अमेरिका, चीन और ब्रिटेन में ही मिल रहे हैं।

महाराष्ट्र में भी मिला एरीस वैरिएंट का केस - कुछ दिन पहले महाराष्ट्र में भी इस वैरिएंट का एक केस मिला था। राज्य स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, कोविड के एक्टिव केस की संख्या जुलाई के अंत में 70 से बढ़कर 6 अगस्त को 115 हो गई थी। वहीं हेल्थ सिक्योरिटी एजेंसी के मुताबिक कोरोना वायरस के 7 ऐसे मामले आए हैं जो एरीस वैरिएंट से जुड़े हुए हैं। डेटा के मुताबिक कोविड के कुल मामलों में से 14प्रतिशत मामले सिर्फ एरीस वैरिएंट से जुड़े हैं। पिछले हफ्ते की तुलना में इस हफ्ते कोरोना के मामले ज्यादा तेजी से फैले हैं।

ये काफी खतरनाक, जीनोम की संख्या बढ़ रही - 5.1 वैरिएंट से हमें कितना खतरा हो सकता है, इसका संकेत हमें तीन जुलाई 2023 को होराइजन स्कैनिंग के दौरान ही मिल गया था। तब से ही हमने इस पर नजर रखना शुरू कर दिया था। 3 जुलाई को इसे मॉनिटरिंग सिग्नल के तौर पर देखा गया, लेकिन ब्रिटेन में जीनोम की बढ़ती संख्या और सभी देशों में इसकी बढ़ती रफ्तार की वजह से इसे 31 जुलाई 2023 को वैरिएंट के रूप में क्लासिफाई किया गया। हालांकि अभी इसके लक्षण के बारे में नहीं बताया गया है। मई में कोरोना को ग्लोबल इमरजेंसी से हटाया गया था डब्लूएचओ ने इस साल मई में कोरोना को ग्लोबल इमरजेंसी से हटा दिया गया था। हालांकि, डब्लूएचओ के गवर्नर जनरल टेड्रोस एडनम घेब्रेयसस ने कहा था कि कोरोना भले ही अब ग्लोबल इमरजेंसी नहीं है, लेकिन इसका ये मतलब नहीं कि इससे अब कोई खतरा नहीं है। दुनिया में अगली महामारी जरूर आएगी और ये कोविड-19 से भी ज्यादा खतरनाक हो सकती है। ऐसे में हमें अभी से तैयारी करनी होगी। भारत में 27 जनवरी 2020 को मिला था पहला कोरोना केस कोविड से दुनिया में करीब 70 लाख लोग मारे गए। 30 जनवरी 2020 को इसे ग्लोबल इमरजेंसी डिक्लेयर किया गया था। कोविड से सबसे ज्यादा लोग अमेरिका में मारे गए थे। भारत में इसका पहला केस केरल में 27 जनवरी 2020 को मिला था।

नवीन युवा नीति बनेगी विजन 2030 को साकार करने का सशक्त माध्यम : मुख्यमंत्री

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि युवाओं के भीतर समाज में परिवर्तन लाने की शक्ति होती है। उनकी ऊर्जा और नए आविष्कार की क्षमता हमारे समाज को नई दिशा दे सकती है। इसी दिशा में नवीन युवा नीति हमारे विजन 2030 को साकार करने का एक सशक्त माध्यम बनेगी। गहलोत शनिवार को जयपुर के दुर्गापुरा स्थित कृषि अनुसंधान केंद्र में आयोजित राज्य स्तरीय युवा महापंचायत *युवा संकल्प* को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि युवा होना एक अद्भुत और महत्वपूर्ण दौर होता है, युवा शब्द सिर्फ एक आयु का ही नहीं बल्कि यह ऊर्जावान होने का भी संकेत है। नवीन युवा नीति से राजस्थान वर्ष 2030 तक देश का अग्रणी राज्य बनेगा। कार्यक्रम में राजस्थान की नवीन युवा नीति पर प्रस्तुतीकरण दिया गया तथा इस पर आधारित एक लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। इस दौरान युवा बोर्ड के अध्यक्ष सीताराम लांबा ने मुख्यमंत्री को नवीन युवा नीति का ड्राफ्ट सौंपा। मुख्यमंत्री ने *युवाओं की आकांक्षाएं* पुस्तिका का विमोचन किया। युवा महोत्सव में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार भी प्रदान किए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में पिछले साढ़े चार वर्षों में युवाओं के हित में अनेक महत्वपूर्ण फैसले लिए गए हैं। राज्य सरकार युवाओं के

कल्याण, उनके रोजगार और कौशल विकास, उच्च शिक्षा के अवसर प्रदान करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। युवाओं के सुनहरे भविष्य के लिए प्रदेश का बजट युवाओं को समर्पित किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में नई युवा नीति शीघ्र ही जारी की जाएगी। साथ ही राज्य में 500 करोड़ रुपए का युवा विकास और कल्याण कोष बनाने का निर्णय लिया गया है। राजीव गांधी नेशनल यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत 10 हजार युवाओं को एक्सपोजर विजिट का अवसर दिया जा रहा है। जिला और राज्य स्तरीय युवा महोत्सव का आयोजन भी किया जा रहा है। गहलोत ने कहा कि राज्य में बेहतर कानून व्यवस्था के लिए निरंतर नवीन फैसले लिए जा रहे हैं। मनचलों का रिकॉर्ड संधारण कर कड़ी कार्रवाई की जा रही है। निर्धारित समय से अधिक वक्त तक खुलने वाले बार एवं नाइट क्लबों के विरुद्ध अभियान चलाकर कड़ी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि अनिवार्य एफआईआर की नीति से जनता में पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ा है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अनिवार्य एफआईआर की नीति को पूरे देश में लागू करने का आग्रह किया। गहलोत ने कहा कि प्रदेश सरकार पेपर लीक के प्रकरणों को लेकर गंभीर है। इस तरह की घटनाओं की रोकथाम के लिए स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) का गठन किया गया है। *राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम के अध्युपाय) अधिनियम, 2022* लागू कर अनुचित साधनों का प्रयोग करने वाले परीक्षार्थियों, परीक्षा एजेन्सी, कोई भी व्यक्ति, मैनेजमेंट या संस्था के लिए 10 करोड़ रुपए तक का जुर्माना, आजीवन कारावास और सम्पत्ति की जब्ती जैसे कठोर प्रावधान किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों में बढ़ रही आत्महत्या की घटनाओं पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि अभिभावकों को अपने बच्चों से संवाद स्थापित कर सकारात्मक सोच को बढ़ावा देना चाहिए। साथ ही करियर को लेकर किसी भी प्रकार का मानसिक दबाव न बनाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर काउन्सलिंग का सहारा भी लिया जाए। विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि युवा नीति के क्रियान्वयन के साथ-साथ प्रदेश के युवाओं को संसदीय लोकतंत्र की कार्यप्रणाली से भी अवगत होने की आवश्यकता है। इससे सभी जनकल्याणकारी योजनाएं सुगमता से धरातल पर उतर सकेंगी। सीताराम लांबा ने कहा की राजस्थान देश का पहला राज्य है, जिसकी अपनी युवा नीति होगी। उन्होंने कहा की प्रदेश भर के हजारों युवाओं के साथ संवाद कर उनकी अपेक्षाएं तथा आकांक्षा को इस नीति के ड्राफ्ट में सम्मिलित किया गया है। यह नीति प्रदेश के युवाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, तथा उनके सर्वांगीण विकास पर केंद्रित है। यूएनएफपीए के डिप्टी रिप्रेजेन्टेटिव श्रीराम हरिदास ने कहा कि यह नीति डिजिटल स्किल का विस्तार कर खेलों को बढ़ावा देकर और युवा लड़कियों को सशक्त बनाकर विशेष रूप से हाशिए पर रहने वाले युवाओं के जीवन में बदलाव को गति देगी। युवा कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने युवाओं के साथ अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि आज के युवाओं को अपने विचारों की स्वतंत्रता एवं अधिकारों की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए। उन्होंने युवा नीति की पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह देश के अन्य राज्यों के लिए प्रेरणास्त्रोत बनेगी। राज्य की सशक्त युवा आबादी को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने युवाओं के लिए एक समर्पित नीति बनाने का निर्णय लिया था। नवीन युवा नीति का ड्राफ्ट यूनाइटेड नेशन्स पॉपुलेशन फंड (यूएनएफपीए) की तकनीकी सहायता से राजस्थान युवा बोर्ड द्वारा तैयार किया गया है। यह नीति सतत विकास लक्ष्यों और संविधान में निहित मौलिक अधिकारों के साथ संरेखित है।

आत्मरक्षा के साथ जुड़ा देशभक्ति का जज्बा, तिरंगा पाते ही गूंजा *जय हिंद*

उदयपुर (हिंस)। उदयपुर शहर के राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में शनिवार को उस समय *जय हिन्द, वंदे मातरम* और *भारत माता की जय* के नारे गूंज उठे जब आत्म रक्षा के गुर सीखने के दौरान छात्राओं के हाथों में राष्ट्रध्वज तिरंगा पहुंचा। आत्मरक्षा के साथ देश भक्ति का जज्बा जुड़ गया और छात्राओं ने राष्ट्र को सशक्त बनाने का संकल्प लेते हुए जय हिंद के नारों से गगन गुंजा दिया। भारतीय सेवा संस्थान की ओर से 9 अगस्त से शुरू किया गया तिरंगा अभियान चौथे दिन शनिवार को राबाउमा विद्यालय आयज पहुंचा जहां संस्थान की ओर से तिरंगा वितरण के साथ आत्मरक्षा प्रशिक्षण भी रखा गया। पुलिस विभाग की लेडी पेट्रोल में शामिल कंचन, विमला, मीर, कुकी ने बालिकाओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाए। इस अवसर पर प्राचार्य अंजली सालवी ने कहा कि बेटियां किसी भी क्षेत्र में कमजोर नहीं हैं। अब तो सेना में भी बेटियों का बोलबाला है। इस तरह का प्रशिक्षण और नियमित अभ्यास बेटियों को मजबूत बनाएगा और वे जीवन में किसी भी मुसीबत का सामना करने के लिए हर वक्त खुद को तैयार महसूस करेंगी। भारतीय सेवा संस्थान के सचिव राजकुमार पालीवाल ने बताया कि शनिवार को आत्मरक्षा प्रशिक्षण व तिरंगा अभियान में उप प्राचार्य राजेन्द्र कुमार कलाल, आशा शर्मा, हिम्मत लाल नागदा, महेश भावसार, मनोहर चौधरी, आनंद लाल चित्तौड़ा, दिनेश कुमार, पूर्णेन्दु गोस्वामी, भगवती कुमावत आदि का सहयोग रहा। शनिवार को छात्राओं-शिक्षकों सहित 350 को तिरंगा वितरण किया गया। अभियान के तहत 4 दिन में 890 झण्डों का वितरण किया जा चुका है। कुल 5100 झंडों का वितरण करने का लक्ष्य है। इस अवसर पर भारतीय सेवा संस्थान की अध्यक्ष पुष्पा मुदड़ा ने अभियान का उद्देश्य बताते हुए कहा कि आज आधुनिकता की चकाचौंध में नई पीढ़ी सनातन संस्कृति के संस्कारों को भूलती जा रही है। हम नैतिक संस्कारों को खोते जा रहे हैं। व्याभिचार और भ्रष्टाचार से हर कोई त्रस्त है। इन सभी से उबरने के लिए धर्म में दी गई शिक्षाओं को समझने तथा राष्ट्र के प्रति हमारे कर्तव्यों को भी समझकर उनकी पालना करने के लिए संकल्पबद्ध होने की जागरूकता के लिए यह अभियान शुरू किया गया है।

जल आपूर्ति मंत्री ने अफसरों के साथ लिया प्रोजेक्ट पब्बरा का जायजा

चंडीगढ़ (हिंस)। जल आपूर्ति एवं स्वच्छता मंत्री ब्रह्म शंकर जिम्पा ने शनिवार को पटियाला ज़िले के नहरी पानी आधारित प्रोजेक्ट पब्बरा का उच्च अधिकारियों के साथ दौरा किया। इस दौरान उन्होंने प्रोजेक्ट की प्रगति का जायज़ा लिया और ज़रूरी दिशा-निर्देश जारी किए। जल आपूर्ति एवं स्वच्छता विभाग के प्रमुख सचिव डी.के. तिवाड़ी और विभाग प्रमुख मुहम्मद इशफाक ने जिम्पा को बताया कि गांव पब्बरा में बन रहे नहरी पानी पर आधारित पीने वाले पानी का प्रोजेक्ट लगभग तैयार है। इसको अंतिम रूप दिया जा रहा हैं। इस प्रोजेक्ट के उद्घाटन के लिए मुख्यमंत्री भगवंत मान से आग्रह किया जाएगा। जिम्पा ने अधिकारियों को पब्बरा प्रोजेक्ट को जल्द पूरा करने के निर्देश देते हुए कहा कि पंजाब निवासियों को साफ पानी की निर्विघ्न आपूर्ति देना मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली सरकार की प्राथमिकता है। इस मकसद के लिए पब्बरा प्रोजेक्ट को समय पर मुकम्मल किया जाए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान राजनीति में आने से पहले भी इस बात की वकालत करते रहे हैं कि गांवों को साफ पानी देना सभी सरकारों की

प्राथमिकता होनी चाहिए। इस मकसद के लिए भगवंत मान राज्य के गांवों खास तौर पर सरहदी इलाकों का खुद दौरा करते रहे हैं। उन्होंने कहा कि पब्बरा प्रोजेक्ट का उद्घाटन मुख्यमंत्री के हाथों से करवाना गर्व की बात होगी। पब्बरा जल आपूर्ति परियोजना की कुल लागत 120.60 करोड़ रुपए है और इससे राजपुरा, पटियाला और सरहिन्द के 112 गांवों को लाभ पहुंचेगा। 21,693 घरों की 1 लाख 30 हज़ार 159 लोगों की आबादी को साफ पानी की आपूर्ति की जाएगी।

सरकार बताए किसानों को क्लेम देने की तारीख निश्चित क्यों नहीं है : दीपेंद्र हुड्डा

सिरसा (हिंस)। सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने शनिवार को गांव नारायण खेड़ा में भारतीय किसान यूनियन द्वारा जारी अनिश्चितकालीन किसान धरने पर पहुंच कर मांगों का पूर्ण समर्थन किया। उन्होंने कहा कि अपनी जायज मांगों को लेकर 4 किसान 110 फीट ऊंची पानी की टंकी पर चढ़कर 11 दिनों से विरोध जता रहे हैं। सरकार तुरंत किसानों से बातचीत कर उनकी मांगें माने और धरना खत्म कराए। सांसद दीपेंद्र हुड्डा को किसानों ने बताया कि वर्ष 2022 के फसल खराबे का बीमा क्लेम अब तक नहीं मिला। सरकार से मांग है कि अवलिम्ब बीमा राशि जारी कराए और किसानों की मांग के मुताबिक हर साल बीमा व मुआवजा राशि जारी करने की तारीख तय की जाए। दीपेंद्र हुड्डा ने हरियाणा सरकार को चेतावनी दी कि सरकार किसानों का और इम्तिहान न ले। 25 तारीख से शुरु हो रहे हरियाणा विधानसभा के सत्र से पहले ही बातचीत कर फैसला कराए, नहीं तो विपक्ष के सभी विधायक नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व में विधानसभा में कामरोको प्रस्ताव लाएंगे। दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि क्या फसल बीमा

योजना किसानों के खून-पसीने की कमाई लूटकर निजी बीमा कंपनियों की तिजोरी भरो योजना बन गई है। संसद में खुद केंद्र सरकार ने माना है कि पिछले 7 वर्षों में इन निजी बीमा कंपनियों ने किसानों से 1,97,657 करोड़ रुपए बीमा प्रीमियम वसूला, लेकिन 1,40,036 करोड़ रुपए मुआवजा देकर कुल 57,000 करोड़ का तगडा मुनाफा अपनी तिजोरियों में भर लिया। उन्होंने बताया कि वर्ष 2022 में निजी बीमा कंपनियों ने पूरे देश के किसानों से 27900.78 करोड़ रुपया प्रीमियम लिया, लेकिन किसानों को सिर्फ 5760.80 करोड़ रुपए ही बीमा मुआवजा दिया। वहीं, हरियाणा में वर्ष 2022-23 में कंपनी ने किसानों से 703.84 करोड़ रुपए प्रीमियम लिया लेकिन सिर्फ 7.46 करोड़ रुपए का ही मुआवजा दिया। दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि जब प्रीमियम देने की तारीख तो निश्चित होती है, लेकिन किसानों को क्लेम देने की तारीख निश्चित नहीं होती ये अन्याय है, इसके खिलाफ हम सडक से संसद तक लडाई लडेंगे। दीपेंद्र हुड्डा ने यह भी कहा कि इस सरकार ने लगातार किसान के हकों, अधिकारों को छीनने का काम किया है। इस सरकार ने हर वर्ग का अपमान और तिरस्कार किया है। देश के इतिहास में ऐसी सरकार का नाम काले अक्षरों में लिखा जाएगा। तीन काले कृषि कानूनों के खिलाफ 1 साल से भी ज्यादा समय तक किसानों को संघर्ष करना पडा। 750 से ज्यादा किसानों को कुर्बानी देनी पडी। सरकार की तरफ से उनके परिवारों के आंसू पोंछने भी कोई नहीं आया। उन्होंने कहा कि किसान आंदोलन में सबसे बडी चोट हरियाणा और पंजाब को लगी लेकिन पंजाब के सारे जनप्रतिनिधि पार्टी लाईन से ऊपर उठकर एक हो गए, लेकिन हरियाणा में सत्ता पक्ष के 14 सांसद किसानों के खिलाफ सरकार के पक्ष में रहे और वो अकेले विपक्ष के सांसद के तौर पर सरकार से लड़ते रहे।

स्वतंत्रता दिवस पर जिला में ड्रोन व पैरा-मोटर उड़ाने पर रहेगी पूर्ण पाबंदी

झज्जर (हिंस)। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में झज्जर जिला में 12 अगस्त 2023 को सुबह 8 बजे से अगले 96 घंटे तक किसी भी तरह के ड्रोन व पैरामीटर उड़ाने पर पाबंदी रहेगी। यह रोक आमजन की सुरक्षा के मद्देनजर एसपी डॉक्टर अर्पित जैन ने लगाई है। यह आदेश असामाजिक शरारती व आपराधिक तत्वों द्वारा ड्रोन ग्लाइडर अथवा पैरामोटर के संभावित दुरुपयोग को रोकने के लिए जारी किया है। पुलिस अधीक्षक झज्जर डॉक्टर अर्पित जैन ने बताया स्वतंत्रता दिवस को ध्यान में रखते हुए शांति एवं कानून व्यवस्था को दुरुस्त बनाए रखने के लिए जिला में उपरोक्त अवधि के दौरान ड्रोन व पैरामोटर उड़ाने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। इस संबंध में जिला के सभी थाना प्रभारियों, चौकी प्रभारियों व अपराध अन्वेषण टीमों को जरूरी दिशा निर्देश दे दिए गए

हैं। जो पूरे जिला में ड्रोन, ग्लाइडर व अन्य संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखेंगे। इस दौरान यदि कोई व्यक्ति आदेशों का उल्लंघन करता पाया जाएगा तो उसके खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। आदेशों का जानबूझकर उल्लंघन करने वालों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता व अन्य नियमों के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस मुलाजिमों और अन्य सरकारी अधिकारियों को उनकी ड्यूटी से संबंधित कामों के लिए जरूरी होने पर ड्रोन उड़ाने की शर्तों समेत इजाजत होगी। पुलिस मुलाजिम व अन्य सरकारी अधिकारी यदि उनकी कोई वर्दी है तो ड्रोन उड़ाने के मौके पर वर्दी जरूर पहनेंगे। उनके पास पहचान पत्र और समर्थ अधिकारी द्वारा उनकी ड्रोन उड़ाने की अधिकारिक डयूटी के सबंध में जारी किया अधिकारिक कार्ड/पास होना चाहिए।

जीडीसी कठुआ में एंटी रैगिंग जागरूकता सप्ताह शुरू

कठुआ (हिंस)। छात्र शिकायत निवारण समिति एंटी रैगिंग कमेटी गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज कठुआ ने सप्ताह भर चलने वाला एंटी रैगिंग जागरूकता कार्यक्रम की शुरूआत की। कार्यक्रम के पहले दिन रैगिंग विरोधी जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया जिसमें पचास से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रोफेसर सीमा मीर प्रिंसिपल जीडीसी कठुआ ने छात्रों के बीच रैगिंग विरोधी चित्र वितरित किए, जिन्हें कॉलेज परिसर के विभिन्न विभागों में चिपकाया जाएगा। उन्होंने छात्रों को रैगिंग के दुष्प्रभावों के बारे में सलाह दी और संस्थान से रैगिंग को खत्म करने की आवश्यकता के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने जोर देकर उन कारणों को दोहराया कि क्यों रैगिंग को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। प्रोफेसर रितु भगत संयोजक एंटी रैगिंग कमेटी ने रैगिंग के मुद्दे पर छात्रों को जागरूक किया।

मोदी के नेतृत्व में दुनिया की तीन बड़ी ताकतों में होगा शामिल भारत : गुर्जर

फरीदाबाद (हिंस)। केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने कहा कि शहीदों की बदौलत से हम आज आजादी की खुली हवा में सांस ले रहे हैं। शहीद देश की आन बान और शान हैं। उनकी कुर्बानी हमेशा हमेशा के लिए स्मरणीय रहेगी। सरकार का लक्ष्य 2047 तक भारत को विकसित देखना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ही देश विकसित भारत, विश्व गुरु भारत और दुनिया की तीन बड़ी ताकतों में शामिल होगा। गुर्जर शनिवार को गांव फैजुपर खादर में मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम बतौर मुख्य अतिथि शिरकत कर वहां उपस्थित लोगों को सम्बोधित कर रहे थे। केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने इस अवसर पर गांव फज्जुपुर खादर के शहीद राम कुमार भाटी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके उन्हें नमन किया। इस अवसर पर शहीद रामकुमार भाटी के परिजनों को स्मृति चिन्ह, शाल ओढ़ा कर सम्मानित भी किया। केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने कहा कि नया भारत जो तेजी से विकसित भारत के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है, अमृत काल की शुरुआत पर है और हम सबको मिलकर भारत को दुनिया का सर्वश्रेष्ठ देश बनाना है। केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से

मातृभूमि को नमन करने के लिए यह विशेष आयोजन किया जा रहा है, जिसमें जनभागीदारी को विशेष रूप से बढ़ावा दिया जाएगा। हर व्यक्ति को इस कार्यक्रम का हिस्सा बनना चाहिए, मिट्टी को वंदन-वीरों को नमन थीम के साथ यह अभियान आयोजित किया जा रहा है। कृष्ण पाल गुर्जर ने कहा कि जिला फरीदाबाद वीर-बलिदानियों की भूमि है। हर गांव से बलिदानी मिट्टी खंड स्तर पर पंहुचेगी और खंड स्तर से जिला स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में नमन किया जाएगा।

कैथल में बोले सुरजेवाला, कुछ जयचंद रोकना चाहते हैं इलाके की तरक्की

कैथल (हिंस)। शनिवार को कांग्रेस के हाथ से हाथ जोड़ो अभियान के तहत रणदीप सुरजेवाला कलायत पहुंचे। गांव कुराड़ में हरियाणा प्रदेश किसान कांग्रेस अध्यक्ष व हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी सदस्य धर्मवीर कौलेखा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि हिस्सा लिया। कार्यक्रम में बोलते हुए कांग्रेस महासचिव व सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि किसानों की आय दोगुणी करने का वायदा करके सत्ता में आई भाजपा सरकार ने किसानों को खून के आंसू रुलाने व उन्हें छलने का काम किया है। पेट व पीठ एक करके हल जोतने वाले किसानों को उसकी फसल का समर्थन मूल्य तक नहीं मिल रहा है। रणदीप सुरजेवाला ने दुष्यंत चौटाला पर प्रहार करते हुए कहा कि खट्टर व दुष्यंत सरकार ने हरियाणा के युवाओं के भविष्य को बेच दिया है। 43 बार पेपर बिक चुके हैं। हरियाणा के लोगों ने 10 विधायक जजपा पार्टी को दिए तो दुष्यंत ने खुद को भाजपा के हाथों बेच दिया। अगर उनके कहे अनुसार 47 सीटें जजपा को दें तो वो पूरे हरियाणा को ही बेच देंगे। एक दूसरे को जमुना व हरियाणा से बाहर करने वाले खट्टर व दुष्यंत एक दूसरे के यार और गोदी में बैठ गए हैं। कुछ जयचंद इलाके की तरक्की रोकना चाहते हैं।

आतंकी पन्नू के आवास पर तिरंगा फहराने पहुंचा मंड हिरासत में, रिहा

चंडीगढ़ (हिंस)। चंडीगढ़ में शनिवार को उस समय अफरा तफरी मच गई, जब यहां के सेक्टर 15 में खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू के आवास पर एक व्यक्ति तिरंगा फहराने पहुंच गया। उसे पुलिस ने हिरासत में ले लिया। तिरंगा फहराने का प्रयास करने वाले की पहचान इंटरनेशनल एंटी खालिस्तानी टेररिस्ट फ्रंट के राष्ट्रीय अध्यक्ष गुरसिमरन मंड के रूप में हुई है। पन्नू ने इस बार भी स्वतंत्रता दिवस के मौके पर तिरंगे का बहिष्कार करके खालिस्तानी झंडे फहराने का आह्वान किया हुआ है। पन्नू के समर्थक जगह-जगह खालिस्तानी झंडा फहराने के लिए प्रचार कर रहे हैं। इस बीच शनिवार की सुबह गुरसिमरन सिंह मंड अपने साथियों के साथ सेक्टर 15 पहुंचे। इसकी सूचना मिलते ही डीएसपी गुरमुख सिंह बड़ी संख्या में पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए।

ऊंट प्रजाति अब *दुधारू पशु* के रूप में पहचान बना रही : डॉ. साहू

बीकानेर (हिंस)। राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसन्धान केंद्र, बीकानेर के निदेशक डॉ. आर्तबंधु साहू ने कहा कि ऊंट प्रजाति अब एक *दुधारू पशु* के रूप में अपनी पहचान बनाने लगी है क्योंकि इसके दूध में विद्यमान औषधीय गुणधर्म विभिन्न मानव रोगों यथा-मधुमेह, टी.बी.ऑटिज्म आदि में लाभप्रद पाए गए हैं, नतीजतन अब ऊंट को मानव स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से देखा जाने लगा है। डॉ. साहू स्कूली विद्यार्थियों के लिए *मानव जीवन में ऊंट* विषयक हिन्दी भाषण प्रतियोगिता में अपनी बात कह रहे थे। कक्षा 9, 10, 11 व 12 वीं कक्षा तक के दो समूहों में आयोजित इस प्रतियोगिता में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय शिवबाड़ी, प्रार्थना शिक्षण समिति तथा हिमांशु बाल माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों ने भाग लिया। डॉ. साहू ने यह भी कहा कि ऊंट के बाल (ऊन), हड्डी, चमड़ी आदि लघु उद्योग के रूप में पनप रहे हैं तथा लोगों की आमदनी का जरिया बना है वहीं उष्ट्र सवारी-सफारी के प्रति पर्यटकों में खासा रुझान देखा गया है। ऊंट हर दृष्टिकोण से लाभ देने वाला पशु है, इस व्यवसाय को बढ़ावा देने से उष्ट्र प्रजाति व संबद्ध समुदायों दोनों को लाभ मिल सकेगा। बीकानेर

एसपी तेजस्विनी गौतम ने केंद्र के जमीनी स्तर के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि उष्ट्र प्रजाति के संरक्षण एवं विकास हेतु सामाजिक जुड़ाव वाले ऐसे कार्यक्रम नितांत आवश्यक है ताकि भावी पीढ़ी द्वारा उष्ट्र प्रजाति की इस बदलते परिवेश में उपयोगिता को समझा जा सके। गौतम ने केंद्र द्वारा उष्ट्र अनुसंधान की दिशा में किए जा रहे अनुसंधानिक एवं व्यावहारिक प्रयासों को महत्वपूर्ण बताया। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन में उपयोगी कई महत्वपूर्ण बातों की जानकारी देते हुए कहा कि आज प्रौद्योगिकी का दौर चल रहा है, हमें खासकर विद्यार्थियों को सोशल मीडिया के संबंध में विशेष सावधानी बरतते हुए इसका इस्तेमाल करना चाहिए। उन्होंने शिक्षा, समाज में महिलाओं की स्वीकार्यता एवं उन्हें समान अधिकार आदि कई पहलुओं पर प्रकाश डाला। डॉ. आरके सावल, प्रधान वैज्ञानिक एवं नोडल अधिकारी राजभाषा ने विद्यार्थियों को केंद्र में चल रही अनुसंधान गतिविधियों की जानकारी देते हुए इस पशु की विशेषताओं, बहु आयामी उपयोगिताओं एवं बढ़ते उष्ट्र व्यवसाय के बारे में जानकारी संप्रेषित की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में नरेश कुमार शर्मा, प्रधानाचार्य, राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय ने कहा कि निश्चित रूप से अपनी विशेषताओं के कारण ऊंट आज भी उपयोगी है, बशर्ते इससे लाभ लिया जाए। प्रतियोगिता में प्रथम वर्ग (कक्षा 9 व 10) में राहुल यादव प्रथम, अनिल कुमावत द्वितीय, सूरजदास गुप्ता एवं मोहित अठावनिय तृतीय स्थान पर रहे वहीं द्वितीय वर्ग (कक्षा 11 व 12) में सीटु चारण प्रथम, मुस्कान जूनवाल ने द्वितीय स्थान अर्जित किया। विजेताओं को अतिथियों द्वारा पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र वितरित किए गए।

भारत को टमाटर सप्लाई करने के लिए नेपाल तैयार; भारतीय बाजारों तक आसान पहुंच की मांग

काठमांडू।
टमाटर की आसमान छूती कीमतों को कम करने के लिए नेपाल दीर्घकालिक आधार पर भारत को बड़ी मात्रा में टमाटर निर्यात करने के लिए तैयार है, लेकिन उसने बाजार तक आसान पहुंच और अन्य आवश्यक सुविधाओं की मांग की है। नेपाल सरकार ने कहा कि वह भारत को बड़ी मात्रा में और दीर्घकालिक आधार पर टमाटर का निर्यात करना चाहती है, लेकिन इसके लिए उसे बाजार और अन्य आवश्यक सुविधाओं तक सुगम पहुंच की जरूरत है। इससे पहले वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद को बताया था कि भारत ने नेपाल से टमाटर का आयात शुरू किया है। इसके एक दिन बाद पड़ोसी देश की तरफ से यह मांग आई। भारत पहली बार ऊंची खुदरा कीमतों के कारण टमाटर का आयात कर रहा है। भारी बारिश के कारण आपूर्ति में व्यवधान के बीच टमाटर 242 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गया था।कृषि मंत्रालय की प्रवक्ता शबनम शिवकोटी ने बताया कि नेपाल दीर्घकालिक आधार पर भारत को टमाटर जैसी सब्जियों का निर्यात करने का इच्छुक है, लेकिन इसके लिए भारत को अपने बाजार तक आसान पहुंच और अन्य आवश्यक सुविधाएं प्रदान करनी होंगी। उन्होंने कहा, नेपाल ने एक सप्ताह पहले ही आधिकारिक चैनलों के माध्यम से भारत को टमाटर का निर्यात शुरू कर दिया है, लेकिन यह बड़ी मात्रा में नहीं है। उन्होंने कहा कि टमाटर के बड़े पैमाने पर निर्यात की व्यवस्था अब की जानी बाकी है। कालीमाटी फल और सब्जी बाजार विकास बोर्ड के उप निदेशक बिनाया श्रेष्ठ ने कहा, अगर हमें भारतीय बाजार तक आसान पहुंच प्रदान की जाती है, तो नेपाल भारत को भारी मात्रा में टमाटर निर्यात कर सकता है। उन्होंने बताया, नेपाली टमाटरों के लिए भारत एक अच्छा बाजार है। उन्होंने कहा कि काठमांडू घाटी के तीन जिलों काठमांडू, ललितपुर और भक्तपुर में टमाटर प्रचुर मात्रा में उगाए जाते हैं और यह स्थानीय मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त से अधिक है। श्रेष्ठ ने स्वीकार किया कि काठमांडू में उगाए गए कुछ टमाटरों को अनौपचारिक रास्तों के माध्यम से भारतीय बाजार में निर्यात किया जा रहा है। लगभग डेढ़ महीने पहले किसानों को अपने उत्पादों के लिए बाजार नहीं मिलने पर काठमांडू में कालीमाटी फल और सब्जी बाजार के पास लगभग 60,000 से 70,000 किलोग्राम टमाटर सड़कों पर फेंक दिए गए थे।

न्यूज ब्रीफ

इटली की 2000 साल पुरानी इमारत में मस्क-जुकरबर्ग की फाइट: मेटा और एक्स पर लाइव देख सकेंगे, दोनों की फाउंडेशन मैनेज करेंगी इवेंट

मुंबई। टेस्ला के सीईओ एलन मस्क और मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग के बीच केज फाइट इटली के कॉलेसियम में होगी। इस फाइट का पूरा मैनेजमेंट दोनों की फाउंडेशन कंपनियां देखेंगी। मस्क ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर ये जानकारी दी। मस्क ने एक्स पर अपनी पोस्ट में बताया, फाइट का मैनेजमेंट मेरी और जक (जुकरबर्ग) की फाउंडेशन कंपनियां करेंगी। इसका लाइवस्ट्रीम इस प्लेटफॉर्म और मेटा (यानी फेसबुक और इंस्टाग्राम) पर होगा। उन्होंने आगे कहा, कैमरे के फ्रेम में सब कुछ प्राचीन रोम जैसा होगा, इसलिए कुछ भी मॉर्डन नहीं होगा। मैंने इटली के प्रधानमंत्री और संस्कृति मंत्री से बात की थी। वे एक एतिहासिक स्थान पर सहमत हुए हैं। इटली के संस्कृति मंत्री जेनारो सांगिउलिआनो ने जुकरबर्ग से संपर्क कर इटली के कॉलेसियम में फाइट होस्ट करने का प्रस्ताव दिया था। मस्क ने ङ्क पोस्ट में बताया था कि कॉलेसियम में फाइट होने के काफी चांस हैं। ऐतिहासिक धरोहरों में शामिल कॉलेसियम 2000 साल पुराना है और दुनिया के सात अजूबों में से एक है। पहले यह फाइट अमेरिका के वेगास ऑक्टागन में होने वाली थी। मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग 26 अगस्त को टेस्ला के सीईओ एलन मस्क के साथ फाइट करना चाहते हैं। मस्क ने जब पहली बार जुकरबर्ग को केज फाइट के लिए इनवाइट किया था तो जुकरबर्ग ने ये तारीख सजेस्ट की थी। हांलाकि, मस्क ने अभी तक फाइट डेट कंफर्म नहीं की है। मस्क ने हाल ही में अपनी एक्स पोस्ट में कहा था कि उनकी गर्दन और अपर बैक की एमआरआई होनी है। इसके बाद सर्जरी की जरूरत पड़ सकती है। इसलिए इस हफ्ते के आखिर तक वो डेट की जानकारी देंगे। मस्क ने ये भी कहा कि अगर लड़ाई छोटी रही तो मैं जीत सकता हूं। मेरा वजन 300 पाउंड यानी 136 किलो है।

देश में अपरेंटिस इकोसिस्टम मजबूत करने के लिए एनएपीएस में डीबीटी को किया लॉन्च, युवाओं को होगा फायदा

नई दिल्ली। देशभर में अपरेंटिस ट्रेनिंग में इंडस्ट्री और युवाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए केंद्रीय शिक्षा और कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने नेशनल अपरेंटिस प्रमोशन स्कीम में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर स्कीम लॉन्च की। इस स्कीम के लिए सरकार ने करीब 15 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। इसका फायदा अप्रेंटशिप ट्रेनिंग करने वाले एक लाख से ज्यादा युवाओं को मिलेगा। यह स्किल डेवलपमेंट में नया दौर शुरू करने में मदद करेगा। नेशनल अपरेंटिस प्रमोशन स्कीम को 2016 में शुरू किया गया था। 2016 के बाद से 31 जुलाई, 2023 तक 25 लाख युवा ट्रेनिंग ले चुके हैं। 2.6 लाख युवा वित्त वर्ष 2023-24 में ट्रेनिंग ले चुके हैं। इसका उद्देश्य युवाओं को क्वालिटी ट्रेनिंग उपलब्ध कराना है। सरकार की ओर से सभी सेक्टर्स के लिए क्वालिटी ट्रेनिंग उपलब्ध कराने के लिए इनिशिएटिव उठाए जा रहे हैं। इसी स्कीम के तहत ट्रेनिंग सेंटर्स की संख्या बढ़कर 2023-24 में 40,665 हो गई है, जो कि 2018-19 में 6,755 थी।

इंश्योरेंस खरीदते समय इन बातों का रखें ध्यान, नहीं तो अटक सकता है आपका क्लेम

नई दिल्ली। कोविड-19 महामारी के बाद से लोगों ने इंश्योरेंस में निवेश करना शुरू कर दिया है। मार्केट में इंश्योरेंस की मांग बढ़ गई है। हर व्यक्ति चाहता है कि वो खुद को और परिवार को सुरक्षित रखे। परिवार और खुद को सुरक्षित रखने के लिए इंश्योरेंस पॉलिसी काफी काम आती है। ऐसे में आपको कोई भी पॉलिसी को सिलेक्ट करने से पहले कई बातों का ध्यान रखना चाहिए। अगर आप इन बातों का ध्यान नहीं रखते हैं तो आपके साथ फ्रॉड भी हो सकता है। आप अगर इन बातों का ध्यान रखते हैं तो आपको भविष्य में क्लेम करते समय कोई परेशानी का सामना नहीं करना होगा। आइए, इसके बारे में विस्तार से जानते हैं। आप जब भी कोई पॉलिसी लेते हैं तो उसके बारे में पूरा पढ़ लेना चाहिए। आपको हमेशा कंपनी द्वारा दी गई जानकारी को एक बार क्रॉस-चेक करना चाहिए। आप भले ही एजेंट से पॉलिसी लेते हैं तब भी आपको एक बार कंपनी की अधिकारिक वेबसाइट पर जाकर उसे चेक करना चाहिए। अगर आपको एसा लगता है कि एजेंट जो आपको जानकारी दे रहा है वो अधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध नहीं है तो आपको एजेंट से इंश्योरेंस प्लान नहीं खरीदना चाहिए।

जी-सोनी मर्जर, 24प्रतिशत व्यूअरशिप के साथ सबसे बड़ा नेटवर्क

सस्ते में मिल सकता है कंटेंट; अमेजन, नेटफ्लिक्स जैसे ओटीटी प्लेटफॉर्म को टक्कर देगी

मुंबई।
जी और सोनी करीब 28 साल बाद एक होने जा रहे हैं। मर्जर के बाद 24प्रतिशत से ज्यादा व्यूअरशिप के साथ जी+सोनी देश का सबसे बड़ा एंटरटेनमेंट नेटवर्क होगा। ऐड रेवेन्यू मार्केट शेयर भी करीब 27प्रतिशत होने वाला है। ये पूरी इंडस्ट्री में सबसे ज्यादा है। नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल की मुंबई बेंच ने गुरुवार को जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज यानी और कल्वर मैक्स एंटरटेनमेंट के मर्जर को मंजूरी दी। कल्वर मैक्स को पहले सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया कहा जाता था।

इस मर्जर का फायदा दर्शकों को मिल सकता है। उन्हें सस्ते में ओटीटी और अन्य कंटेंट मिल सकता है। अभी ओटीटी स्पेस में डिज्नी हॉटस्टार, अमेजन और नेटफ्लिक्स जैसे प्लेटफॉर्म्स का दबदबा है। जी-सोनी इन प्लेटफॉर्म्स को टक्कर दे सकते हैं।

2021 में जी ने जापान के सोनी कॉर्प की सहायक कंपनी सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया के साथ विलय की घोषणा की थी, लेकिन क्रेडिटर्स की आपत्तियों के कारण मामला अटका था। अब 3-4 महीने में मर्जर पूरा हो सकता है।

दर्शकों को सस्ते दामों पर कंटेंट मिल सकता है

मर्जर से ऑपरेटिंग कॉस्ट घटने का अनुमान लगाया जा रहा है। ऑपरेटिंग कॉस्ट घटेगी तो कंपनी का मुनाफा बढ़ेगा। ऐसे में नई कंपनी इसका फायदा दर्शकों को दे सकती है। यानी प्लान सस्ते हो सकते हैं। सोनी और जी दोनों ओटीटी पर भी हैं। जी के ओटीटी जी5 के पास करीब 5 करोड़ पेड सब्सक्राइबर हैं, जबकि सोनी के ओटीटी सोनीलिव के पास 3 करोड़ से ज्यादा पेड सब्सक्राइबर्स हैं।

नई कंपनी कंटेंट को बेहतर करने के साथ-साथ यूजर बेस बढ़ाने के लिए सस्ते प्लान लॉन्च कर सकती है। वहीं, जी के दर्शकों की पहुंच सोनी के कंटेंट तक और सोनी के दर्शकों की पहुंच जी के कंटेंट तक हो जाएगी। जी के पास 49 और सोनी के पास 26 टीवी चैनल हैं। जी अभी स्पोर्ट्स जॉनर में नहीं है, लेकिन अब उसकी सोनी के 10 स्पोर्ट्स चैनलों तक पहुंच हो जाएगी।

कंपनी को मिलेगा बड़ा और डायवर्स ऑडियंस बेस

सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया लंबे समय से इंडियन टेलीविजन इंडस्ट्री में हैं। कंपनी ने भारत में 1995 में अपना पहला टीवी चैनल सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन लॉन्च किया था। कंपनी अपने बिजनेस को बहुत ज्यादा एक्सपेंड नहीं कर पा रही थी।

वहीं ने अपना पहला चैनल जी टीवी 2 अक्टूबर 1992 में लॉन्च किया था। झील पर लंबे समय से एस्सेल ग्रुप का कंट्रोल था, लेकिन एस्सेल पर अपने खुद के 2.4 अरब डॉलर (17,000 करोड़ रुपए) के कर्ज का बोझ था। ऐसे में इस मर्जर से दोनों कंपनियों को बड़ा और डायवर्स ऑडियंस बेस मिलेगा।

24प्रतिशत व्यूअरशिप के साथ सबसे बड़ा नेटवर्क होगा

नई कंपनी के पास कुल 75 चैनल हो जाएंगे। दो वीडियो स्ट्रीमिंग सर्विसेज और एक डिजिटल कंटेंट स्टूडियो भी होगा। 24प्रतिशत से ज्यादा व्यूअरशिप के साथ जी+सोनी देश का सबसे बड़ा एंटरटेनमेंट नेटवर्क होगा। अभी स्टार-डिज्नी के पास करीब 18प्रतिशत व्यूअरशिप शेयर है। जी की वेबसाइट के अनुसार वो 190+ देशों में मौजूद है। वहीं, सोनी की रीच 167 देशों में करीब 70 करोड़ लोगों तक है।

100 शेयरों के बदले नई कंपनी के 85 शेयर मिलेंगे

शेयरधारकों को झील के 100 शेयरों के बदले नई कंपनी के 85 शेयर मिलेंगे। नई कंपनी में प्रमोटर ग्रुप एस्सेल के पास 6.92 करोड़ शेयर या 3.99प्रतिशत हिस्सेदारी होगी। सोनी के पास 88.31 करोड़ शेयर या 50.86प्रतिशत हिस्सेदारी होगी। पब्लिक शेयरहोल्डिंग 78.39 करोड़ शेयर या 45.15प्रतिशत होगी। टोटल शेयरहोल्डिंग 173.63 करोड़ शेयर होगी। नई कंपनी की वैल्यू 10 बिलियन डॉलर यानी करीब 82,000 करोड़ रुपए होगी।

जी के प्रमोटर्स को 1,101 करोड़ रुपए मिलेंगे

दोनों कंपनियों के बीच मर्जर का ऐलान 22 सितंबर 2021 को किया गया था। जी के प्रमोटर्स को 1,101 करोड़ रुपए की नॉन कम्पीट फी मिलेगी। ये इन पैसों को मर्जर में इंफ्यूज करेंगे और 3.99प्रतिशत हिस्सेदारी बनाए रखने के लिए शेयर खरीदेंगे। नॉन कम्पीट एक ऐसा क्लॉज है जिसके तहत एक पार्टी दूसरी पार्टी के खिलाफ कॉम्पिटिशन में समान पेशे या ट्रेड में एंट्री नहीं लेने के लिए सहमत होती है। सोनी भी 1.5 अरब डॉलर, यानी करीब 12 हजार करोड़ रुपए निवेश करेगी।

10 जुलाई को एनसीएलटी ने अपना आदेश रिजर्व रखा था

एनसीएलटी ने सुनवाई पूरी होने के बाद 10 जुलाई को अपना आदेश रिजर्व रखा था। जी और सोनी ने दिसंबर 2021 में मर्जर पर सहमति जताई थी। दूसरे रेगुलेटर्स- सिक्योरिटी एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया और कॉम्पिटिशन कमीशन ऑफ इंडिया से अनुमति मिलने के बाद कंपनी ने ट्रिब्यूनल से मर्जर की आखिरी मंजूरी के लिए संपर्क किया था।

एक्सिस बैंक में एफडी पर अब ज्यादा ब्याज

बैंक ने फिक्स्ड डिपॉजिट की ब्याज दरों में किया बदलाव, अब 7.10प्रतिशत तक का सालाना रिटर्न

नई दिल्ली।
एक्सिस बैंक ने फिक्स्ड डिपॉजिट पर मिलने वाले ब्याज में बढ़ोतरी की है। बैंक ने इंटरेस्ट रेट्स 2 करोड़ रुपए से कम की एफडी पर रिवाइज्ड किए हैं। एक्सिस बैंक की ऑफिशियल वेबसाइट के मुताबिक, नई ब्याज दरें 11 अगस्त 2023 से लागू हो चुकी हैं।

3.50प्रतिशत से 7.10प्रतिशत तक मिलेगा ब्याज

अब आपको एक्सिस बैंक में एफडी कराने पर 3.50प्रतिशत से 7.10प्रतिशत तक ब्याज मिलेगा। 1 साल के लिए एफडी कराने पर 6.75प्रतिशत सालाना ब्याज मिलेगा। एसबीआई अमृत-कलश स्कीम में 15 अगस्त तक निवेश का मौका स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की स्पेशल फिक्स डिपॉजिट स्कीम अमृत कलश इस महीने 15 अगस्त को खत्म हो रही है। इस स्कीम के तहत सीनियर सिटिजन को एफडी पर 7.60प्रतिशत और अन्य को 7.10प्रतिशत सालाना ब्याज दिया जा रहा है। इस फिक्स डिपॉजिट स्कीम में 400 दिन के लिए निवेश करना होता है। ऐसे में अगर आप एफडी पर ज्यादा ब्याज चाहते हैं तो इस स्कीम में निवेश कर सकते हैं। हम आपको इसके बारे में बता रहे हैं।

एफडी से मिलने वाले ब्याज पर भी देना होता है टैक्स

एफडी से मिलने वाला ब्याज पूरी तरह से टैक्सेबल होता है। आप एक साल में एफडी पर जो भी ब्याज कमाते हैं, वो आपकी एनुअल इनकम में जुड़ता है। कुल आय के आधार पर, आपका टैक्स स्लैब निर्धारित किया जाता है। चूंकि एफडी पर अर्जित इंटरेस्ट इनकम को इनकम फ्रॉम अदर सोर्सेज माना जाता है, इसलिए इसे टैक्स डिडक्टेड एट सोर्स या टीडीएस के तहत चार्ज किया जाता है। जब आपका बैंक आपकी ब्याज आय को आपके अकाउंट में जमा करता है, तो उसी समय टीडीएस काट लिया जाता है। यदि आपकी कुल आय एक वर्ष में 2.5 लाख रुपए से कम है, तो बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट पर टीडीएस नहीं काटता है। हालांकि, इसके लिए आपको फॉर्म 15 जमा करना पड़ेगा।

ओएनजीसी ने जारी किये Qv के रिजल्ट, कंपनी का मुनाफा 34 फीसदी गिरा

नई दिल्ली।
भारत की सबसे बड़ी सरकारी कच्चे तेल की कंपनी ओएनजीसी ने बीते दिन तिमाही नतीजों का एलान किया है। इस तिमाही कंपनी का प्रदर्शन काफी अच्छा नहीं रहा है। कंपनी का नेट प्रॉफिट 34 फीसदी से ज्यादा कम हो गया है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि चालू वित्तीय वर्ष 2023-24 के पहले तिमाही यानी अप्रैल-जून में कंपनी का नेट प्रॉफिट 10,015 करोड़ रुपये हो गया है। वहीं, पिछले साल इसी अवधि में कंपनी का नेट प्रॉफिट 15,206 करोड़ रुपये था।

कंपनी का तिमाही नतीजे

कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस उत्पादक ओएनजीसी भारत की सबसे बड़ी सरकारी है। कंपनी ने इस तिमाही कच्चे तेल के हर बैरल पर 76.49 अमेरिकी डॉलर कमाए हैं। वहीं पिछले साल इसी समय पर कंपनी प्रति बैरल 108.55 अमेरिकी डॉलर का प्रॉफिट कमाता था। कंपनी का राजस्व 20 फीसदी गिर गया है। अब कंपनी का राजस्व 33,814 करोड़ रुपये हो गया है। कंपनी ने जानकारी दी है कि कच्चे तेल के उत्पादन में बी कमी आई है। अब कच्चे तेल का उत्पादन 3.2 फीसदी हो गया है। वहीं, गैस उत्पादन 3.3 फीसदी गिरकर 5.04 बिलियन क्यूबिक मीटर रहा।

कच्चे तेल की कीमत में उतार-चढ़ाव

यूक्रेन और रूस के युद्ध के बाद पूरी दुनिया में कच्चे तेल की आपूर्ति और मांग के साथ अनिश्चितता की स्थिति भी पैदा हो गई है। वैश्विक स्तर पर अप्रैल-जून 2022 से कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। आज भी कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी है। आपको बता दें कि जमीन के नीचे और समुद्र तल से निकाले गए कच्चे तेल को पेट्रोल, डीजल और अन्य ईंधन के उत्पादन के लिए उसे रिफाइन किया जाता है।

एक्स पर जल्द मिलेगी वीडियो कॉलिंग की सुविधा: सीईओ लिंडा याकारिनो बोलीं - नंबर एक्सचेंज किए बिना बात कर सकेंगे यूजर्स

नई दिल्ली।
सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर यूजर्स जल्द ही बिना नंबर शेयर किए वीडियो कॉल कर सकेंगे। कंपनी की सीईओ लिंडा याकारिनो ने ये बात कंफर्म की है। दरअसल, हाल ही में एक्स की डिजाइनर एंड्रिया कॉनवे ने एक पोस्ट में लिखा था कि अभी-अभी एक्स पर किसी को कॉल किया। इसके बाद से मीडिया रिपोर्ट में जल्द इस फीचर के ऐड होने को लेकर दावा किया जा रहा था। जिसे अब कंपनी की सीईओ ने ऑफिशियल रूप से कंफर्म कर दिया है।

प्लेटफॉर्म को एवरीथिंग ऐप बनाना चाहते हैं मस्क

एलन मस्क एक्स को एवरीथिंग ऐप बनाना चाहते हैं, जिसमें वह पेमेंट सर्विस सहित अन्य फीचर ऐड करने वाले हैं। मस्क ने लिंडा याकारिनो से पहले प्लेटफॉर्म में अपकमिंक कॉलिंग फीचर के बारे में

जानकारी दी थी। उन्होंने लिखा था, जल्द ही आप अपने हैंडल से किसी को भी वीडियो और ऑडियो कॉल कर सकेंगे। इस फीचर के जरिए आप दुनिया में कहीं भी लोगों से अपना नंबर एक्सचेंज किए बिना बात कर सकेंगे। हालांकि, कंपनी के मालिक और सीईओ ने अभी तक यह नहीं बताया कि वीडियो-ऑडियो कॉल एन्क्रिप्टेड होंगे या नहीं। एलन मस्क ने पिछले साल 27 अक्टूबर 2022 को 44 बिलियन डॉलर में एक्स खरीदा था। इसके बाद कई बड़े फैसलों को लेकर मस्क चर्चा में रहे...

आधे से ज्यादा कर्मचारियों को निकाला - एक्स खरीदने के बाद मस्क ने सबसे पहले कंपनी के चार टॉप ऑफिशियल्स को निकाला था। इनमें सीईओ पराग अग्रवाल, फाइनेंस चीफ नेड सेगल, लीगल एग्जीक्यूटिव्स विजया गड्डे और सीन एडगेट शामिल थे। जब मस्क ने एक्स की कमान संभाली थी, तो उसमे करीब 7500 एम्प्लॉई थे, लेकिन अब 2500 के करीब ही बचे हैं।

कई ब्लॉक अकाउंट को अन-ब्लॉक किया - नवंबर 2022 में मस्क ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समेत कई ब्लॉक अकाउंट को अनब्लॉक कर दिया था। उन्होंने एक्स पर ट्रम्प की वापसी को लेकर एक पोल किया था। उन्होंने पूछा था, क्या प्रेसिडेंट ट्रंप का अकाउंट बहाल किया जाना चाहिए। हां या ना। 1.5 करोड़ से ज्यादा यूजर्स ने वोटिंग में हिस्सा लिया और 52प्रतिशत लोगों ने हां में जवाब दिया था।

भारत ने भगोड़े आर्थिक अपराधियों के प्रत्यर्पण और भ्रष्टाचार मुक्त दुनिया की वकालत की

कोलकाता।
केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कोलकाता में महत्वपूर्ण जी-20 भ्रष्टाचार विरोधी मंत्रिस्तरीय बैठक के दौरान भ्रष्टाचार मुक्त दुनिया बनाने के अलावा भगोड़े आर्थिक अपराधियों के तेजी से प्रत्यर्पण और उनकी संपत्ति की वसूली पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भगोड़े आर्थिक अपराधी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कानून प्रवर्तन के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती पैदा करते हैं, क्योंकि वे न्याय से बचने के लिए देशों की कानूनी और वित्तीय प्रणालियों के बीच अंतराल और मतभेदों का फायदा उठाने में सक्षम हैं। केंद्रीय कार्मिक राज्यमंत्री सिंह ने कहा, भगोड़े आर्थिक अपराधी अपने देश में गंभीर आर्थिक अपराध करते हैं और गिरफ्तारी, अभियोजन या अपनी सजा की तामील से बचने के लिए दूसरे देश में भाग जाते हैं। उन्होंने कहा कि आर्थिक अपराधों में धोखाधड़ी, कर चोरी, मनी लॉन्ड्रिंग और गबन जैसी कई प्रकार की अवैध गतिविधियां शामिल हैं। सिंह ने कहा, उनके काम कानून के शासन को कमजोर करते हैं, आर्थिक विकास में बाधा डालते हैं और अक्सर भ्रष्टाचार में योगदान देते हैं। उन्होंने कहा कि भारत की अध्यक्षता में जी-20 भ्रष्टाचार निरोधक कार्य समूह (एसीडब्ल्यूजी) कानून प्रवर्तन सहयोग और सूचना साझाकरण और संपत्ति वसूली तंत्र को मजबूत करने से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर आम सहमति बनाने में सफल रहा है। मंत्री ने कहा, जी-20 के रूप में हमें अपनी महत्वाकांक्षा के प्रति साहसी होने और भ्रष्टाचार से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग में कमियों को दूर करने के लिए मिलकर काम करने की जरूरत है। मुझे यकीन है कि जी-20 सदस्य प्रत्यर्पण तंत्र की प्रभावशीलता को बढ़ाने और सीमा पार वित्तीय प्रवाह की बेहतर ट्रैकिंग की सुविधा हेतु इन सिद्धांतों को लागू करने के लिए ठोस कदम उठाएंगे, जो भगोड़े आर्थिक अपराधियों को रोकेगा। सिंह ने कहा कि भारत भ्रष्टाचार से निपटने के लिए एक मजबूत और समग्र दृष्टिकोण का प्रबल समर्थक रहा है। उन्होंने कहा कि दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के नेताओं के रूप में यह जी-20 की जिम्मेदारी है कि वह यह सुनिश्चित करे कि हम इस गति को तब

तक जारी रखें जब तक कि भ्रष्टाचार मुक्त दुनिया बनाने का यह दृष्टिकोण वास्तविकता न बन जाए। उन्होंने कहा, मजबूत भ्रष्टाचार विरोधी नीतियों को प्राथमिकता देकर और उसे लागू करके हम पारदर्शिता, अखंडता और जवाबदेही के लिए वैश्विक मानक स्थापित कर सकते हैं। हमारे पास भ्रष्टाचार के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने की शक्ति है जिसमें भ्रष्टाचार विरोधी कानूनों को सुसंगत बनाना, सूचना साझा करने की प्रवृति को बढ़ाना और सीमा पार जांच और अभियोजन को मजबूत करना शामिल है। सिंह ने पारस्परिक कानूनी सहायता के एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय पर जवाबदेही रिपोर्ट को अंतिम रूप देने की दिशा में काम पर जोर दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि इसके निष्कर्ष और सिफारिशें अंतरराष्ट्रीय अपराध से निपटने और वैश्विक सुरक्षा बनाए रखने में देशों के बीच सहयोग को बेहतर बनाने और मजबूत करने में बहुत उपयोगी होंगी। उन्होंने कहा, भगोड़े आर्थिक अपराधियों के खतरे से निपटने की दिशा में ये महत्वपूर्ण कदम हैं। सिंह ने यहां जी-20 भ्रष्टाचार निरोधी मंत्रिस्तरीय बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि भ्रष्टाचार के प्रति भारत का जीरो टॉलरेंस अप्रोच भ्रष्टाचार से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग के प्रति हमारे दृष्टिकोण का भी मार्गदर्शन करता है। उन्होंने कहा कि तकनीकी, पारदर्शिता और सार्वजनिक भागीदारी भ्रष्टाचार विरोधी प्रयासों का आधार है। मंत्री ने कहा, पारदर्शिता बढ़ाने के लिए तकनीकी का उपयोग करके और सक्रिय नागरिक भागीदारी की संस्कृति को बढ़ावा देकर भ्रष्टाचार का मुकाबला किया जा सकता है। मैं भ्रष्टाचार को रोकने और मुकाबला करने में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी की भूमिका को उजागर करने के लिए सभी जी-20 सदस्यों के प्रयासों का स्वागत करता हूं। उन्होंने कहा कि शासन का आधुनिकीकरण, दक्षता में सुधार और सेवा वितरण में वृद्धि भ्रष्ट आचरण को कम करने का मार्ग प्रदान करती है।

सिंह ने कहा कि जी-20 एसीडब्ल्यूजी ने भ्रष्टाचार से लड़ने में ऑडिटिंग की भूमिका पर अच्छी प्रथाओं का एक संग्रह तैयार करने में सराहनीय प्रगति की है। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि ऑडिट को एक प्रमुख उपकरण के रूप में उपयोग करके सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में सुशासन, अखंडता, जवाबदेही और पारदर्शिता को बढ़ाने में यह एक महत्वपूर्ण ज्ञान संसाधन साबित होगा। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लंबी और कठिन हो सकती है, लेकिन इसे जीतना असंभव नहीं है। उन्होंने सभी से इस उद्देश्य के लिए खुद को प्रतिबद्ध करने और ऐसे समाज बनाने के लिए कहा जहां समृद्धि और न्याय भ्रष्टाचार के संकट से कमजोर न हो।

उन्होंने कहा कि इस समय भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई और भी महत्वपूर्ण है क्योंकि दुनिया अद्वितीय और विविध चुनौतियों का सामना कर रही है, जिसमें कोविड महामारी, आपूर्ति-श्रृंखला व्यवधान, भू-राजनीतिक संघर्ष और जलवायु संबंधी घटनाएं शामिल हैं। मंत्री ने कहा, इन सभी ने अतीत में दुनिया द्वारा हासिल की गई प्रगति और विकास को पटरी से उतार दिया है।

करण और तेजस्वी का वीडियो वायरल

-करण तेजस्वी को प्रपोज करने की कर रहे एक्टिंग

मुंबई (ईएमएस)। छोटे परदे की लोकप्रिय जोडी करण कुंद्रा और तेजस्वी प्रकाश को रियलिटी शो बिग बॉस 15 में प्यार हो गया था। अफवाह है कि दोनों तब से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। इस जोडी का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें करण तेजस्वी के साथ प्रैंक करते हैं। करण तेजस्वी को प्रपोज करने की एक्टिंग करते हुए एक प्रैंक वीडियो बनाते हैं। वह तेजस्वी के लिए अपनी फीलिंग्स का इजहार करते हैं। ये सुनकर तेजस्वी को काफी अच्छा लगता है और वह एक्टर से कहती है कि बोलते जाओ। हालांकि, तेजस्वी उस वक्त शॉक्ड हो जाती है, जब करण कोई अंगूठी से नहीं, बल्कि एक फोन से उसे साथ में गार्डियंस ऑफ द गैलेक्सी वॉल्यूम 3 देखने के लिए प्रपोज करता है। करण ने शेयर किया कि वह गार्डियंस ऑफ द गैलेक्सी वॉल्यूम 3 को परफेक्ट डेट नाइट मूवी क्यों मानते हैं, यह उन सभी चीजों से भरा हुआ है जो मुझे पसंद हैं- एक्शन, कॉमेडी, इमोशन। यह फ्रेंचाइजी निश्चित रूप से मेरी फिल्म लिस्ट में सबसे ऊपर है और मैं इसमें शामिल सभी लोगों से बहुत प्रेरित हूं। मैं तेजस्वी के साथ इस फिल्म को दोबारा देखना चाहता हूं। तेजस्वी ने कहा, रॉकेट मेरे पसंदीदा करेक्टर्स में से एक है, वह बहुत प्यारा है और ब्रैडली कूपर ने आवाज देकर शानदार काम किया है। मैं क्रिस प्रैट और उनकी सभी फिल्मों का भी बहुत बड़ा फैन हूं। सबसे अच्छी बात यह है कि मुझे करण के साथ फिल्म देखने का मौका मिला। जेम्स गन द्वारा निर्देशित गार्डियंस ऑफ द गैलेक्सी वॉल्यूम 3 को 2 अगस्त को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज किया गया था।

ड्रीम गर्ल 2 ट्रेलर रिलीज के बाद से ही चर्चा में

-आयुष्मान ने रिलीज किया फिल्म का पहला गाना

मुंबई (ईएमएस)। फिल्म ड्रीम गर्ल 2 ट्रेलर रिलीज के बाद से ही चर्चा में बनी हुई है। यह फिल्म मल्टीटेलेंटेड कलाकार आयुष्मान खुराना की है। फिल्म का पहला गाना दिल का टेलीफोन 2.0 जारी कर दिया गया है, जो पूजा यानी आयुष्मान खुराना की मस्ती से भरा हुआ है। गाने में एक्टर के कई अलग-अलग अवतार देखने को मिल रहे हैं। ड्रीम गर्ल के पहले पार्ट में भी दिल का टेलीफोन गाना शामिल किया गया था, जो रिलीज के साथ ही वायरल हो गया था। अब इस गाने ने नए वर्जन के साथ धमाकेदार वापसी की है। दिल का टेलीफोन 2.0 पहले से ज्यादा मजेदार और मस्ती भरा है। फिलहाल दिल का टेलीफोन 2.0 की कॉल का जवाब देने के लिए तैयार हो जाइए। ड्रीम गर्ल 2, दिल का टेलीफोन की प्यारी धुन को फिर से वापिस लाई है। गाने का पुराना वर्जन लोगों को पसंद आया था। अब दिल का टेलीफोन नए ट्विस्ट के साथ वही पुराना जादू चलाने की पूरी कोशिश कर रहा है दिल का टेलीफोन 2.0 का कंपोजिशन मीत ब्रदर्स ने किया है। वहीं, जोनिता गांधी और जुबिन नौटियाल की जोड़ी ने गाने को अपनी आवाज दी है, जबकि लिरिक्स कुमार ने लिखे हैं। ड्रीम गर्ल 2 में आयुष्मान खुराना के साथ अनन्या पांडे लीड रोल प्ले कर रही हैं। ड्रीम गर्ल 2 का डायरेक्शन राज शांडिल्य ने किया है। वहीं, एकता कपूर और शोभा कपूर के प्रोडक्शन हाउस बालाजी फिल्म्स के बैनर तले ड्रीम गर्ल 2 को प्रोड्यूसर किया गया है। फिल्म 25 अगस्त 2023 को थिएटर्स में रिलीज की जाएगी। फिल्म में उनके साथ कई और टैलेंटेड एक्टर्स की स्टार कास्ट शामिल है, जो एंटरटेनमेंट के डोज का वादा करती है। इनमें अभिषेक बनर्जी, परेश रावल, विजय राज, मनजोत सिंह, राजपाल यादव, सीमा पाहवा, मनोज जोशी, अन्नू कपूर और असरानी जैसे स्टार्स शुमार हैं।

शाहरुख ने जवान का नया पोस्टर किया जारी

-पोस्टर में फिल्म के मुख्य कलाकारों को दशार्या गया

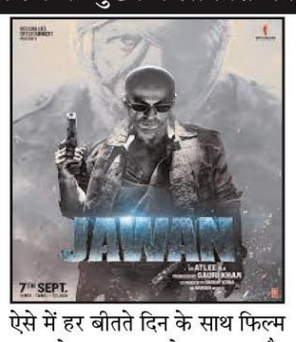

मुंबई (ईएमएस)। एक्टर शाहरुख खान ने अपनी अपकमिंग जवान का एक नया पोस्टर जारी किया है। पोस्टर पर फिल्म के सुपरस्टार्स अपने दमदार किरदारों में नजर आ रहें है। इस पोस्टर पर फिल्म के मुख्य कलाकारों को दशार्या गया हैं इसके अलावा एक और खास चीज जिसने लोगों का ध्यान खींचा है वो है पोस्टर पर पहली बार किंग खान और विजय सेतुपति के बीच एपिक फेस ऑफ की मिलने वाली झलक। शाहरुख खान की जवान की रिलीज में अब केवल एक ही महीना बाकी हैं और इस फिल्म को लेकर उत्साह बिल्कुल हाई है। ऐसे में हर बीतते दिन के साथ फिल्म का प्रमोशन मजबूत होता जा रहा है, जिससे सिल्वर स्क्रीन पर किंग खान का जादू देखने की उम्मीद और भी तेज हो गई है। अब, इसी कड़ी में मेकर्स ने एसआरके, नयनतारा और विजय सेतुपति स्टारर फिल्म का एक नया लीड कास्ट पोस्टर जारी किया है। इस पोस्टर के जरिए शाहरुख, नयनतारा और विजय सेतुपति को उनके अनोखे किरदारों में देखने से फिल्म को लेकर चर्चा और भी तेज हो गई है। ये पोस्टर फिल्म के सिनेमाघरों में आने के लिए लोगों को और अधिक उत्साहित कर रहा है। जहां जवान प्रीव्यू ने पहले ही हमारे दिलों पर राज कर लिया है, वहीं फिल्म के पहले गाने जिंदा बंदा ने भी फैन्स की प्लेलिस्ट में अपनी जगह पक्की कर ली है।

जैकलीन ने खरीदी बीएमडब्ल्यू आई7

अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस कभी अपनी पर्सनल तो कभी प्रोफेशनल लाइफ को लेकर अक्सर चर्चा में बनी रहती हैं, लेकिन इस वक्त जैकलीन अपनी लग्जरी लाइफ को लेकर सुर्खियों में आ गई हैं। जैकलीन ने हाल ही में 2 करोड़ रुपये की नई बीएमडब्ल्यू आई7 इलेक्ट्रिक कार खरीदी है। उन्हें इस नई कार के साथ हाल ही में स्पॉट भी किया गया है, जिसके वीडियोज सोशल मीडिया पर वायरल भी हो रहे हैं। जैकलीन फर्नांडिस ने ग्रे कलर की बीएमडब्ल्यू आई7 खरीदी है, जो देखने में बेहद शानदार है। सामने आए वीडियो में देखा जा सकता है कि एक्ट्रेस क्लीनिक से बाहर निकलते ही अपनी नई गाड़ी में बैठ जाती हैं। इस दौरान वह ब्लैक कलर के आउटफिट में कैजुअल लुक में नजर आती हैं।

अक्षय कुमार की फिल्म "ओह माय गॉड 2" ने पहले दिन कमाए 9.5 करोड़

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार की फिल्म "ओह माय गॉड" काफी पॉपुलर रही थी। इस फिल्म का सीक्वल "ओह माय गॉड 2" शुक्रवार (11 अगस्त) को रिलीज किया गया। फिल्म की घोषणा के बाद से ही दर्शक फिल्म देखने के लिए उत्साहित थे। हालांकि ऐसा लग रहा है कि इस फिल्म ने दर्शकों को निराश किया है। रिलीज के पहले दिन ही फिल्म का जादू बॉक्स ऑफिस पर फीका पड़ गया है। "ओह माय गॉड 2" ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर सिर्फ 9.50 करोड़ रुपये की कमाई की। "ओह माय गॉड 2" के साथ सनी देओल की "गदर 2" भी रिलीज हुई थी। "गदर 2" ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर 40-45 करोड़ रुपये की कमाई की है। उसके मुकाबले अक्षय कुमार की "ओह माय गॉड 2" की कमाई काफी कम होती नजर आ रही है। इसी बीच फिल्म "ओह माय गॉड 2" टीजर रिलीज के बाद से ही विवादों के भंवर में फंस गई है। फिल्म के निमार्ताओं को सेंसर बोर्ड ने 20 कट का सुझाव दिया था। पहले यह फिल्म ओटीटी पर रिलीज होने वाली थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक मेकर्स "जियो सिनेमाज" से बातचीत कर रहे थे। शायद डील 90 करोड़ में होने वाली थी, लेकिन फिर अचानक फिल्म को थिएटर में रिलीज करने का फैसला लिया गया। फिल्म "ओह माय गॉड 2" में अक्षय कुमार के साथ पंकज त्रिपाठी, गोविंद नामदेव, यामी गौतम भी मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म का निर्देशन अमित राय ने किया है।

पवन सिंह का गाना 'भोला जी के टोला' ने रिलीज के साथ मचाया धमाल

भोजपुरी संगीत जगत में अपनी गायकी से सबों के दिलोदिमाग पर राज करने वाले स्टार पवन सिंह का नया सावन स्पेशल गाना 'भोला जी के टोला' ने रिलीज के साथ धमाल मचा दिया है। गाने में पवन सिंह भगवान शिव के दर पर जाने की अपील करते नजर आए हैं, जो श्रद्धालुओं को बेहद पसंद भी आ रहा है। यह गाना जानी-मानी म्यूजिक कंपनी टी-सीरीज हमार भोजपुरी के ऑफिसियल यूट्यूब चैनल से रिलीज हुआ है। गाने को महज कुछ ही समय में लाखों के व्यूज मिल चुके हैं और अब यह तेजी से वायरल हो रहा है। पवन सिंह जब भी कोई नया गाना और फिल्म लेकर आते हैं, उनके फैंस टूट पड़ते हैं और उनके प्रोजेक्ट को खूब इन्जॉय करते हैं। यही वजह है कि जब उनका गाना 'भोला जी के टोला' रिलीज हुआ, इस गाने को भी लोगों ने खूब पसंद किया। कहा जा रहा है कि यह गाना भी रिकार्ड बनाएगा। पवन सिंह कहते हैं कि उन्होंने यह गाना भगवान शिव के भक्तों के लिए निःस्वार्थ भाव से बनाया है। इसलिए बस सबों का आशीर्वाद चाहिए। पवन सिंह ने कहा कि सावन एक विशेष महीना होता है। भोले बाबा के लिए गीत गुनगुना मुझे अच्छा लगता है। इसलिए हर साल मैं एक से बढ़ कर एक गाना लेकर आता हूँ और आगे भी आता रहूँगा। आपको बता दें कि गाना 'भोला जी के टोला' को पवन सिंह ने गाया है। इसके म्यूजिक वीडियो में बेबी काजल और पवन सिंह नजर आए हैं। इसके गीतकार विजय चौहान हैं, जबकि संगीतकार विकास यादव हैं। निर्देशक रवि पंडित हैं।

बार्बी ने तीन सप्ताह में कमाए 1 अरब डॉलर

फिल्म बार्बी ने एक अरब अमेरिकी डॉलर की कमाई की है। हालीवुड की इस फिल्म ने यह मात्र तीन सप्ताह में की है। इसके साथ ही यह किसी महिला निर्देशक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई है। बॉक्स ऑफिस के आधुनिक इतिहास में केवल 53 फिल्म ही एक अरब अमेरिकी डॉलर की कमाई कर पाई हैं। फिल्म की निर्देशक ग्रेटा गर्विंग हैं। उन्होंने पेटी जेनकिंस का रिकॉर्ड तोड़ दिया है, जिनकी फिल्म वंडर वुमन इस मामले में अब तक सबसे आगे थी। वंडर वुमन ने दुनियाभर में कुल 82.18 करोड़ अमेरिकी डॉलर की कमाई की थी। एक आकलन के अनुसार बार्बी ने इस सप्ताहांत 5 करोड़ 30 लाख अमेरिकी डॉलर की कमाई की। मार्गोट रोबी अभिनीत और निर्मित फिल्म तीन सप्ताह से शीर्ष पर काबिज है।

सनी देओल की 'गदर 2' ने बॉक्स ऑफिस पर मचाया धमाल, ग्रैंड ओपनिंग

सनी देओल और अमीषा पटेल स्टारर 'गदर 2' शुक्रवार (11 अगस्त) को रिलीज हो गई। रिलीज के पहले दिन फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर जोरदार कमाई की है। फिल्म को दर्शकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली है। यह 2001 की फिल्म गदरः एक प्रेम कथा का सीक्वल है। जानकारी के मुताबिक, 'गदर 2' ने प्रदर्शन के पहले दिन 40 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। हालांकि, अभी तक इस बारे में कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। फिल्म की एडवांस बुकिंग को दर्शकों का जोरदार रिस्पॉन्स मिला था। एडवांस बुकिंग में 20 लाख टिकटें बिकीं। उम्मीद है कि यह 'पठान' के बाद साल की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर होगी। बॉलीवुड के दबंग सलमान खान ने भी 'गदर 2' की पहले दिन की कमाई को लेकर एक पोस्ट शेयर किया और फिल्म की पूरी टीम को शुभकामनाएं दीं। सलमान ने पोस्ट में लिखा है- 'ढाई किलो का एक हाथ 40 करोड़ की ओपनिंग के बराबर है। सनी पाजी अद्भुत हैं। गदर 2 की पूरी टीम को बधाई।' फिल्म 'गदर 2' में सनी देओल और अमीषा पटेल, उत्कर्ष शर्मा, सिमरत कौर, लव सिन्हा, गौरव चोपड़ा, मीर सरवर प्रमुख भूमिकाओं में हैं। जबकि रोहित चौधरी और मनीष वाधवा ने फिल्म में विलेन का किरदार निभाया है।

सनी देओल के लिए 'गदर 2' की स्क्रीनिंग में शामिल हुए नाना पाटेकर

सनी देओल और अमीषा पटेल की फिल्म 'गदर 2' इस समय काफी चर्चा में है। 'गदर 2' को देशभर के सिनेमाघरों में जबरदस्त ओपनिंग मिली। फैंस को अनिल शर्मा की इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार था। यह फिल्म 2001 की ब्लॉकबस्टर फिल्म गदरः एक प्रेम कथा का सीक्वल है। इस बीच शुक्रवार को मुंबई में 'गदर 2' की स्पेशल स्क्रीनिंग रखी गई, जिसमें एक्टर सनी देओल, अमीषा पटेल समेत कई मशहूर हस्तियां शामिल हुईं। इस बार सनी और अमीषा भांगड़ा करते नजर आए। दिलचस्प बात ये है कि इस स्क्रीनिंग में नाना पाटकर भी पहुंचे। नाना पाटेकर को बहुत कम फिल्मों की स्क्रीनिंग में जाते हुए देखा गया है। लेकिन अपने पुराने दोस्त के लिए नाना 'गदर 2' की स्क्रीनिंग में शामिल हुए। सनी और नाना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें दोनों एक-दूसरे पर प्यार लुटाते नजर आ रहे हैं। नाना हमेशा की तरह सिंपल लेकिन आकर्षक लुक में नजर आए। 22 साल बाद आए 'गदर' के सीक्वल का फैंस के बीच जबरदस्त क्रेज है। सनी की इस फिल्म को दर्शकों और समीक्षकों से सराहना मिल रही है। 11 अगस्त को 'गदर 2' के साथ अक्षय कुमार की 'ओएमजी 2' भी रिलीज हुई।

बिना किसी प्रमोशन के ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई फिल्म 'आदिपुरुष'

फिल्म आदिपुरुष को अब दर्शक ओटीटी पर भी देख सकेंगे। यह फिल्म 16 जून को बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हुई थी। इसके बाद सोशल मीडिया पर डायलॉग्स, वीएफएक्स और प्रभास, सैफ अली खान और कृति सेनन के लुक्स को लेकर काफी विवाद हुआ था। हालांकि, फिल्म बॉक्स ऑफिस पर असफल रही, लेकिन फिल्म प्रेमी अभी भी डिजिटल प्लेटफॉर्म पर प्रभास अभिनीत फिल्म की रिलीज का इंतजार कर रहे थे। इस फिल्म से मचे विवाद को देखते हुए ऐसी खबरें आई थीं कि शुरूआत में कोई भी ओटीटी प्लेटफॉर्म इस फिल्म को लेने के लिए तैयार नहीं था, लेकिन अब दर्शक इस फिल्म को ओटीटी पर देख सकेंगे। ओम राउत के निर्देशन में बनी फिल्म आदिपुरुष ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर उपलब्ध कराई गई है। फिल्म को लेकर हो रहे विवाद के कारण बिना किसी प्रमोशन के नेटफ्लिक्स पर उपलब्ध करा दिया गया है। फिल्म आदिपुरुष महाकाव्य रामायण पर आधारित है। फिल्म में सुपरस्टार प्रभास ने राम, कृति सेनन ने सीता, सनी सिंह ने लक्ष्मण, सैफ अली खान ने रावण और देवदत्त नागे ने हनुमान की भूमिका निभाई। इस फिल्म को मनोज मुंतशिर ने लिखा था। कुछ आपत्तिजनक दृश्यों और संवादों के कारण फिल्म की काफी आलोचना भी हुई थी। ऑल इंडिया सिने वर्कर्स एसोसिएशन ने भी फिल्म की टीम के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी।

एवरग्रीन एक्ट्रेस है रानी मुखर्जी

बालीवुड एक्ट्रेस रानी मुखर्जी एक एवरग्रीन एक्ट्रेस हैं। इसी के चलते मेलबर्न के इंडियन फिल्म फेस्टिवल के मास्टरक्लास सेशन में रानी मुखर्जी ने ब्लैक स्ट्रिप्स वाले अट्रैक्टिव एमई+ईएम बेज पैंट सूट को पायल खंडेलवाल की ब्लैक शर्ट के साथ एलिगेंट ढंग से पहनकर सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। अपने पहनावे के क्लासिक टच के साथ पूरा करते हुए, रानी ने स्लीक ब्लैक गुच्ची शूज पहने। एक्ट्रेस की कॉम्पलेक्स पसंद ने सहजता से क्लासिक लूक को कैरी किया जिसमे वे बेहद खुबसूरत नजर आईं। बता दें कि रानी हमेशा अपने लुक का ध्यान रखती है। बात चाहे ट्रेडिशनल की हो या वेस्टर्न की एक्ट्रेस हर लुक में कमाल की नजर आती हैं।

सूडोकु नवताल- 6521

मध्यम

9		2		4	1	7		
1						6		
5	7	3	2				4	
				9	4	8		
4		7				9		6
		5	8	3				
	3				6	5	9	1
		6						7
		9	1	8		2		4

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6520 का हल

5	4	9	1	8	3	2	6	7
1	2	6	4	9	7	3	5	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
8	7	1	3	4	2	6	9	5
9	5	3	6	1	8	7	2	4
2	6	4	7	5	9	8	1	3
4	3	5	2	7	1	9	8	6
6	9	2	8	3	4	5	7	1
7	1	8	9	6	5	4	3	2

शब्दजाल - 7268

अ क ल व दे ह रा दू न ल क
र ल्मो ल रु व जी ग द इ ट ली
ग स ड्र ल द्र छ पु चं पा व त
क ढ़ ज य पु प्र न प न ल उ
क क वा ग श्री लं या तू ग झ ध
जी क ल ल ह झ पू ग ण घ म
उ आ नै नी ता ल ल श र ला सिं
क त्त दा ई धा ब क फ लो श ह
च बा र न ब्रा जी ल री ग प न
मो पा ल का व ह रि द्धा र प ग
ली क ल प शी न रा बा द प र

शब्द जाल में उत्तरांचल के 10 जिलों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

अल्मोडा, चमोली, चंपावत, देहरादून, गढ़वाल, हरिद्वार, नैनीताल, रुद्रप्रयाग, उधमसिंह नगर, उत्तरकाशी

शब्दजाल - 7267 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6221

1	2		4		6	
	21	1	36		39	
3		4			1	2
	36		30		26	
5	6		1	2		4
	48	6	32		22	
			4		2	1

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6220 का हल

1	6	7	3	4	2	5
6	32	2	31	3	32	1
2	3	5	1	6	7	4
4	27	4	26	1	39	6
5	1	3	4	2	6	7
7	33	6	32	7	38	3
3	7	1	4	5	6	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

टॉमी पॉल ने अल्काराज को किया अपसेट, 14 मैचों की जीत का सिलसिला समाप्त किया

टोरंटो (कनाडा) ।

टॉमी पॉल ने यहां कैनेडियन ओपन के क्वार्टर फाइनल में विश्व नंबर 1 कार्लोस अल्काराज को हराकर उलटफेर कर दिया जिससे अल्काराज की 14 मैचों की जीत का सिलसिला समाप्त हो गया। अमेरिकी खिलाड़ी ने गेंद पर सफाई से प्रहार करते हुए शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को 6-3, 4-6, 6-3 से हरा दिया और अपने पहले एटीपी मास्टर्स 1000 सेमीफाइनल में पहुंच गए। 26 वर्षीय खिलाड़ी, जिसने पिछले साल मॉन्ट्रियल में अल्काराज को हराया था, ने बेहतर कोर्ट कवरेज का प्रदर्शन किया और अक्सर विश्व नंबर 1 पर जीत हासिल करने के लिए आगे बढ़ने के अवसरों की तलाश में रहे। पॉल ने अपने ऑन-कोर्ट साक्षात्कार में कहा, मैंने वास्तव में अच्छा मैच खेला। मैं वास्तव में अपने शॉट्स के पीछे गया था। आप उसके खिलाफ अपने दम पर कोई अंक शुरू नहीं कर सकते अन्यथा वह इसका फायदा उठाएगा। इसलिए आपको वास्तव में रैली की शुरुआत में अपने शॉट्स के पीछे जाना होगा और मैं फर्स्ट-स्ट्राइक टेनिस में वास्तव में अच्छा महसूस कर रहा था। आज यही अंतर था। 12वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने 23 में से 21 नेट अंक जीते और दो घंटे, 20 मिनट की लड़ाई के दौरान आक्रामक रिटर्न के साथ अल्काराज को पछाड़ दिया, जिसमें स्पैनियार्ड ने 17 अप्रत्याशित फोरहैंड त्रुटियां कीं।

शुरुआती सेट में 5-2 के स्कोर पर सर्विस करते समय सर्विस ब्रेक होने के बावजूद, पॉल ने आगामी गेम में सेट को समाप्त करने पर ध्यान केंद्रित किया। अल्काराज अपनी अप्रत्याशित त्रुटियों से निराश हो गए, जबकि विश्व नंबर 14 ने अंतिम चार में पहुंचने के लिए रक्षा से आक्रमण तक सहज परिवर्तन दिखाया। स्पैनियार्ड ने दूसरे सेट में 2-3 से लगातार 10 अंक जीतकर अपना स्तर बढ़ाया, इस दौरान उन्होंने पॉल को छकाते हुए टोरंटो की भीड़ को तालियां बजाने पर मजबूर कर दिया। लेकिन यह पॉल ही थे जिन्होंने अंतिम सेट के छठे गेम में ब्रेक अर्जित करके बढ़त हासिल की और निर्णायक सेट में अपनी पहली सर्विस पर 76 प्रतिशत अंक जीते। अल्काराज़ के साथ उनकी लेक्सस एटीपी हेड टू हेड सीरीज़ में एक बार के टूर-स्तरीय टाइटललिस्ट के रिकॉर्ड में सुधार हुआ और यह 2-1 पहुंच गया जबकि अल्काराज का सीज़न में रिकॉर्ड 49-5 हो गया है। पिछले साल, पॉल ने मॉन्ट्रियल में अल्काराज को हराने के लिए एक मैच प्वाइंट बचाया था।

इस साल के ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनलिस्ट पॉल का अगला मुकाबला सातवीं वरीयता प्राप्त जानिक सिनर से होगा।

न्यूज़ ब्रीफ

ओलंपिक चैंपियन गोंग, लियू विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए चीन का नेतृत्व करेंगे

बीजिंग। चीनी एथलेटिक्स एसोसिएशन ने इस महीने हंगरी के बुडापेस्ट में होने वाली 2023 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए 41 एथलीटों की सूची घोषित की है। रिपोर्ट के अनुसार, 34 वर्षीय गोंग लिजियाओ

अपनी नौवीं विश्व चैंपियनशिप में महिलाओं के शॉट पुट में अपना तीसरा विश्व खिताब जीतने की कोशिश करेंगी, जबकि लियू शियिंग का लक्ष्य भाला फेंक में अपना पहला विश्व खिताब हासिल करना है। ओलंपिक चैंपियन जोड़ी के साथ टीम के साथी भी शामिल होंगे जिनमें पुरुषों की लंबी कूद के मौजूदा चैंपियन वांग जियानन, महिलाओं की डिस्कस थ्रो में गत चैंपियन फेंग बिन और टोक्यो में कांस्य पदक विजेता लियू होंग शामिल होंगे। 2023 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 49 पदक स्पर्धाएं होंगी। 200 से अधिक टीमों के 2,100 से अधिक एथलीट 19-27 अगस्त के बीच हंगरी के नए राष्टीय एथलेटिक्स केंद्र में प्रतिस्पर्धा करेंगे। महिला : हे वुगा, ली झिक्सुआन, झांग देशुन, ली लिंग, नीउ चुंगे, जू हुईकिन, गोंग लिजियाओ, सोंग जियायुआ, झांग लिनरू, फेंग बिन, वांग फांग, जी ली, वांग झेंग, झाओ जी, लियू शियिंग, लियू होंग, मा जेनक्सिया , यांग जियायु, बाई जुएयिंग, ली माओकुओ, कियांग शिजी पुरुष: फेंग पेइयू, हे जी, यांग शाओहुई, झू शेंगलोंग, झी झियू, हुआंग बोकाई, याओ जी, झोंग ताओ, वांग जियानान, झांग जिंगकियांग, झांग मिंगकुन, फेंग याओकिंग, सु वेन, झू यामिंग, नियू वेनचाओ, वांग झाओझाओ, झांग जून , हे जियानघोंग, वांग किन, झाक्सी यांगबेन।

जन्मदिन पर 18 साल के प्रगनानंदा का कमाल, विश्व के नंबर दो खिलाड़ी नाकामुरा को हराया

बाकू । भारत के युवा ग्रैंडमास्टर आर प्रगनाननंदा ने यहां फिडे विश्वकप कप शतरंत टूर्नामेंट में विश्व के नंबर दो खिलाड़ी हिकारू नाकामुरा को हरा दिया। भारतीय ग्रैंडमास्टर ने दोनों रैपिड मुकाबले जीतकर टूर्नामेंट के अंतिम-16 में प्रवेश किया। नाकामुरा को इस टूर्नामेंट में दूसरी वरीयता भी मिली हुई थी। दो क्लासिकल गेमों के ड्रॉ के बाद 18 साल के ग्रैंडमास्टर ने टाई-ब्रेक मुकाबले में अमेरिकी ग्रैंडमास्टर को हरा दिया। प्रगनाननंदा ने अपना जन्मदिन मनाया था। पांच बार के विश्व चैंपियन और भारत के दिग्गज शतरंज खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद ने प्रगनाननंदा की तारीफ की। उन्होंने कहा, प्रगनाननंदा ने कर दिखाया। नाकामुरा को हराना आसान नहीं है। प्रगनाननंदा ने शानदार प्रदर्शन किया है। प्रगनाननंदा ने अंतिम-16 में डी गुकेश के साथ जगह बनाई। डी गुकेश ने एंड्री एसिपेंको को बाहर कर दिया। प्रगनाननंदा अंतिम-16 में हंगरी के ग्रैंडमास्टर फेरेंस बर्केस के खिलाफ खेलेंगे। हालांकि, अन्य भारतीय निहाल सरीन टूर्नामेंट से बाहर हो गए। वह चौथे दौर में इयान से टाई-ब्रेक मुकाबले में हार गए। भारतीय ग्रैंडमास्टर विदित गुजराती और अर्जुन पहले ही अंतिम-16 में जगह पक्की कर चुके हैं। महिलाओं में भारत की ओर से सिर्फ हरिका ही चुनौती पेश कर रही हैं।

कैनेडियन ओपनः स्वीयाटेक ने कोलिन्स को हराया, सेमीफाइनल में पेगुला से भिड़ेंगी

मॉन्ट्रियल (कनाडा) । विश्व नंबर 1 इगा स्वीयाटेक यहां चल रहे कनाडाई ओपन में क्वालीफायर डेनिएल कोलिन्स पर 6-3, 4-6, 6-2 से जीत के साथ सेमीफाइनल में पहुंची। कोलिन्स के खिलाफ जीत स्वीयाटेक की सीज़न की

50वीं मैच जीत थी। सेमीफाइनल में उनका मुकाबला नंबर 3 जेसिका पेगुला से होगा, जिन्होंने युगल जोड़ीदार कोको गॉफ पर नाटकीय ढंग से 6-2, 5-7, 7-5 से जीत दर्ज की। पिछले दो सीज़न में, स्वीयाटेक ने 117 मैच जीते हैं - जो 2015-16 में एंजेलिक कर्बर के बाद दो साल की अवधि में डब्ल्यूटीए टूर पर सबसे अधिक है। बैक-टू-बैक सीज़न में 50 से अधिक मैच जीतने वाली आखिरी खिलाड़ी कैरोलिना प्लिस्कोवा (2018-19) थीं। स्वीयाटेक सेरेना विलियम्स (2013-2014) के बाद दो साल में 117 मैच जीतने वाली पहली खिलाड़ी हैं। इस क्वार्टरफाइनल में पहुंचकर, स्वीयाटेक ने नंबर 1-रैंक वाली खिलाड़ी के रूप में अपना दबदबा 72 सप्ताह तक बढ़ाया, सर्वकालिक सूची में 10वां स्थान और कैरोलिन वोज्नियाकी से एक अधिक।

एशिया कप के लिए बांग्लादेश टीम घोषित

शाकिब अल हसन करेंगे कप्तानी ; अनकैप्ड ओपनर तंजीद तमीम टीम में शामिल

नई दिल्ली ।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने एशिया कप 2023 के लिए 17 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। बीसीबी के चीफ सिलेक्टर मिन्हाजुल आबेदीन ने इसकी घोषणा की। बांग्लादेश के ऑलराउंडर शाकिब अल हसन टीम के कप्तान, वहीं मुश्फिकुर रहीम विकेटकीपर होंगे। 22 साल के ओपनर तंजीद तमीम को आगामी एशिया कप के लिए वनडे टीम में पहली बार मौका मिला है। तंजीद टूर्नामेंट से अपने इंटरनेशनल करियर का डेब्यू कर सकते हैं। तंजीद टीम में तमीम इकबाल की जगह लेंगे। तमीम इकबाल पीठ की चोट के कारण टीम से बाहर चल रहे हैं। तंजीद इमर्जिंग एशिया कप में अपने प्रदर्शन के दम पर आए हैं, जहां उन्होंने तीन अर्धशतक लगाए थे।

शमीम हुसैन को भी पहली बार वनडे टीम में शामिल किया गया – युवा बल्लेबाज शमीम हुसैन को भी पहली बार वनडे टीम में शामिल किया गया है। शमीम ने बांग्लादेश के लिए 17 टी-20 मुकाबले खेले हैं, लेकिन वनडे स्क्वॉड में उन्हें पहली बार शामिल किया गया है। एशिया कप 2023 में बांग्लादेश अपना पहला मैच 31 अगस्त को कैंडी में श्रीलंका के खिलाफ खेलेगा। एशिया कप के लिए बांग्लादेश टीम: शाकिब अल हसन (कप्तान), लिटन दास, तंजीद तमीम, नजमुल हुसैन शान्तो, तौहीद ह्रदॉय, मुश्फिकुर रहीम, मेहदी हसन मिराज, तस्कीन अहमद, मुस्तफिजुर रहमान, हसन महमूद, शेख महेदी, नसुम अहमद, शमीम हुसैन, अफीफ हुसैन , शोरफुल इस्लाम, इबादत हुसैन, मोहम्मद नईम।

31 अगस्त से शुरू होना था एशिया कप, अब 30 से – वनडे एशिया कप पहले 31 अगस्त से 17 सितंबर तक खेला जाना था, लेकिन ओपनिंग में बदलाव किया गया है। अब उद्घाटन मुकाबला 30 अगस्त को मुल्तान में खेला जाएगा।

हाइब्रिड मॉडल पर आयोजन, 6 टीमें हिस्सा लेंगी – टूर्नामेंट का हाईब्रिड मॉडल पर खेला जाएगा। यानी कि टूर्नामेंट के शुरुआती चार मुकाबले पाकिस्तान में होंगे, जबकि फाइनल सहित बाकी 9 मुकाबले श्रीलंका में खेले जाएंगे। टूर्नामेंट में 6 टीमें हिस्सा ले रही हैं।

पुजारा को टेस्ट टीम में वापसी की अब भी उम्मीद

नई दिल्ली। अनुभवी भारतीय क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा ने कहा है कि वह राष्टीय टेस्ट टीम में वापसी के लिए प्रथम श्रेणी क्रिकेट में रन बनाने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। पुजारा ने ससेक्स की ओर से खेलते हुए इंग्लैंड वनडे कप में समरसेट के खिलाफ 113 गेंदों पर 11 चौकों की मदद से नाबाद 117 रन बनाए। उनकी पारी के दम पर ससेक्स ने 11 गेंद शेष रहते 319 रन का पीछा करते हुए चार विकेट से मैच जीत लिया। ससेक्स क्रिकेट के साथ एक साक्षात्कार में, पुजारा ने कहा, देखिए, मैं हमेशा उन चीजों को नियंत्रित करने की कोशिश करता हूं जो मैं कर सकता हूं। मैं जो भी मैच खेलता हूं उसमें हमेशा अधिक से अधिक रन बनाने के बारे में होता है। उन्होंने कहा मैं अभी भी चीजों की योजना में हूं। इसलिए, मुझे उम्मीद है कि जैसे ही मैं प्रथम श्रेणी मैचों में अधिक रन बनाना शुरू करूंगा, मैं टीम में वापस आ जाऊंगा। लेकिन मैं वर्तमान में रहने की कोशिश करूंगा, एक समय में एक गेम लेने की कोशिश करूंगा। इस साल की शुरुआत में, 35 वर्षीय क्रिकेटर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में प्रदर्शन करने में विफल रहने के बाद वेस्टइंडीज दौरे के लिए राष्टीय टीम से बाहर कर दिया गया था।

आयरलैंड दौरे पर नहीं जाएंगे लक्ष्मण

18 अगस्त से खेला जाएगा पहला मुकाबला; बुमराह करेंगे टीम की कप्तानी

नई दिल्ली।

आयरलैंड दौरे पर टीम इंडिया के साथ कोचिंग स्टाफ के हेड के रूप में वीवीएस लक्ष्मण नहीं जाएंगे। टीम इंडिया तीन मैचों की टी-20 सीरीज के लिए 15 अगस्त को डबलिन के लिए रवाना होगी। टीम की कप्तानी जसप्रीत बुमराह करेंगे। राहुल द्रविड़ और उनकी कोचिंग टीम इस समय वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के लिए अमेरिका में हैं और आयरलैंड के खिलाफ टीम के साथ यात्रा नहीं करेंगे, इसलिए यह अनुमान लगाया गया था कि लक्ष्मण कोचिंग स्टाफ की जिम्मेदारी संभालेंगे। हालांकि, अब यह खुलासा हुआ है कि राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के प्रमुख इस दौरे का हिस्सा नहीं होंगे। इसके बजाय, सितांशु कोटक और साईराज बहुतुले जैसे कुछ अन्य कोच सहयोगी स्टाफ का हिस्सा होंगे।

आयरलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 सीरीज

वेस्टइंडीज दौरे के बाद टीम इंडिया आयरलैंड के खिलाफ आयरलैंड में टी-20 सीरीज खेलेगी।

इस सीरीज की शुरुआत 18 अगस्त से होगी। तीनों टी-20 मुकाबले मलाहाइड में खेले जाएंगे।

10 माह बाद टीम में वापसी कर रहे हैं बुमराह

जसप्रीत बुमराह करीब एक साल के बाद टीम इंडिया में वापसी कर रहे हैं। वे पीठ की चोट के बाद हृष्ट में रिहैब प्रक्रिया से गुजर रहे थे। बुमराह ने न्यूजीलैंड में अपनी बैक सर्जरी भी कराई थी। बुमराह ने आखिरी मुकाबला 25 सितंबर 2022 को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हैदराबाद में खेला था।

आयरलैंड दौरे के लिए टीम इंडिया का स्क्वॉड

जसप्रीत बुमराह (कप्तान), ऋतुराज गायकवाड़ (उपकप्तान), यशस्वी जयसवाल, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, संजू सैमसन (विकेटकीपर), जितेश शर्मा (विकेटकीपर), शिवम दुबे, वाशिंगटन सुंदर, शाहबाज अहमद, रवि बिश्नोई, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, मुकेश कुमार और आवेश खान।

एमएस धोनी भूले रास्ता राहगीरों से ली मदद, किसी तरह से पहुंचे रांची; वायरल हुआ माही का वीडियो

नई दिल्ली।

एमएस धोनी का मैदान के अंदर कितना तेज दिमाग चलता है, यह जग जाहिर है। इसलिए उन्हें चाचा चौधरी कहके भी पुकारा जाता है, लेकिन अपने ही गृह राज्य का रास्ता उन्हें दो बाइक सवार लोगों से पूछना पड़ा। दरअसल, भारतीय टीम के पूर्व कप्तान एमएस धोनी का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह रांची जाने का रास्ता पूछते हुए दिखाई दे रहे हैं।

टीम इंडिया के पूर्व कप्तान एमएस धोनी देश के सभी क्रिकेटरों में यकीनन सबसे लोकप्रिय हैं। इस साल आईपीएल में धोनी ने जो भी मैच खेला, स्टेडियम की आखिरी सीट तक दर्शक खचाखच भरे थे। आईपीएल खत्म होने के बाद से समय-समय पर उनके वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आती रहती हैं। अब, एक वीडियो इस समय वायरल हो रहा है, उसमें एमएस धोनी अजनबियों से रास्ता पूछते हुए दिखाई दे रहे हैं।

बाइक सवारों से पूछा एमएस धोनी ने रास्ता

वीडियो में, धोनी को एक कार के अंदर बैठे हुए हैं उनके साथ एक और शख्स मौजूद हैं। वह कुछ स्थानीय लोगों से बात करते हुए रांची के लिए रास्ता पूछते हुए

दिखाई दे रहे हैं। बाइक पर सवाल दो स्थानीय लोग एमएस धोनी को रास्ता बताते हुए दिखाई दे रहे हैं। साथ ही उन्हें दिशा-निर्देश समझाते हुए दिख रहे हैं। धोनी दिए गए निर्देशों को ध्यान से सुनते हैं और फिर हाथ मिलाकर आगे निकल जाते हैं।

2020 में लिया था अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास

बता दें कि एमएस धोनी इससे पहले एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वह कार ड्राइव करते हुए दिखाई दिए थे। धोनी ने 15 अगस्त 2020 को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। वह आखिरी बार टीम इंडिया के लिए 2019 विश्व कप के सेमीफाइनल में भारत के लिए खेले थे। हालांकि, वह अभी आईपीएल खेल रहे हैं। साल 2023 में धोनी ने अपनी कप्तानी में चेन्नई सुपर किंग्स को पांचवीं बार चैंपियन बनाया।

विराट बोले- सोशल मीडिया से कमाई की खबर सच नहीं

हूपर लिस्ट में दावा– पूर्व कप्तान को हर इंस्टाग्राम पोस्ट से 11 करोड़ की कमाई

नई दिल्ली ।

विराट कोहली ने सोशल मीडिया से होने वाली कमाई की खबर का खंडन किया है। उन्होंने एक पोस्ट में कहा, मुझे जीवन में जो कुछ भी मिला है, मैं उसका आभारी हूं, लेकिन सोशल मीडिया पर मेरी कमाई के बारे में जो खबरें चल रही हैं, वह सच नहीं हैं।

हाल ही में हूपर ने 2023 की इंस्टाग्राम रिच लिस्ट जारी की। इसके मुताबिक, विराट एक इंस्टाग्राम पोस्ट से करीब 11.45 करोड़ रुपए (13 लाख 84 हजार डॉलर) कमाई करते हैं।

ओवर ऑल लिस्ट में कोहली का 14वां नंबर

हूपर के मुताबिक, इंस्टाग्राम से एक पोस्ट की कमाई के मामले में टॉप 15 में कोहली का नंबर 14वां है। पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो टॉप पर काबिज हैं। वह एक पोस्ट से 32 लाख 34 हजार डॉलर (करीब 26.75 करोड़ रुपए) कमाई करते हैं। दूसरे नंबर पर अर्जेंटीना के फुटबॉलर लियोनल मेसी हैं।

मेसी की कमाई एक पोस्ट से 25 लाख 97 हजार डॉलर (21.49 करोड़) है। तीसरे नंबर पर अमेरिकी सेलेब्रिटी सेलेना गोमेज हैं, जो एक पोस्ट से 25 लाख 58 हजार डॉलर कमाती हैं। दुनियाभर की सेलेब्रिटी की लिस्ट में विराट का नंबर 14वां है। इस लिस्ट में कोहली के बाद दूसरी भारतीय एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा हैं। प्रियंका की कमाई एक पोस्ट से 5 लाख 32 हजार डॉलर है।

कोहली के ट्वीट पर लोगों का रिएक्शन

वरिट कोहली का यह ट्ववीट वायरल हो रहा है। वहीं कई फैन्स इस ट्ववीट पर रिएक्शन दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, इनकम टैक्स रेड का डर। वहीं एक ने लिखा, तो भैया इतना भी बता देते उससे ज्यादा है या कम। एक ने हसने वाली इमोजी के साथ लिखा, वामिका का दहेज।

डब्लूएफआई के होने वाले चुनाव पर रोक

28 अगस्त तक स्टे; बृजभूषण विरोधी दीपेंद्र हुड्डा की हरियाणा रेसलिंग एसोसिएशन पहुंची हाईकोर्ट

रेवाड़ी ।

भारतीय कुश्ती संघ के चुनावों पर पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट ने 28 अगस्त तक रोक लगा दी है। हाईकोर्ट ने ये रोक हरियाणा रेसलिंग एसोसिएशन की याचिका पर लगाई है। एसोसिएशन का आरोप है कि उनकी बजाय एक अन्य एसोसिएशन को इस चुनाव में भाग लेने की इजाजत दी गई है, जबकि वे डब्लूएफआई और हरियाणा ओलिंपिक एसोसिएशन से एफिलिएटेड है। सांसद दीपेंद्र हुड्डा हैं। जिन पर पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण महिला पहलवानों को धरना देने के लिए उकसाने का आरोप लगाते रहे हैं। पहलवान विनेश फोगाट, बजरंग पूनिया, साक्षी मलिक और संगीता फोगाट के संघ के पूर्व अध्यक्ष सांसद बृजभूषण पर महिला पहलवानों के यौन शोषण के आरोपों के बाद इन चुनावों पर सबकी नजर लगी हुई है।

हम चुनाव में हिस्सा ले सकते हैं – कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा की अगुआई वाली हरियाणा रेसलिंग एसोसिएशन की पैरवी करते हुए एडवोकेट रविंद्र मलिक ने कहा कि उनका संगठन हरियाणा में रजिस्टर्ड है। उसे डब्लूएफआई से मान्यता मिली हुई है। डब्लूएफआई के संविधान और नियमों के मुताबिक कोई भी मान्यता प्राप्त बॉडी डब्लूएफआई के चुनावों में वोटिंग के लिए 2 मेंबर भेज सकती है।

हरियाणा एमैच्योर रेसलिंग एसोसिएशन के दावे को नकारा – उन्होंने आगे कहा कि हरियाणा एमैच्योर रेसलिंग एसोसिएशन ने दावा किया कि उनका संगठन डब्लूएफआई और हरियाणा ओलिंपिक एसोसिएशन से मान्यता प्राप्त है। इस एसोसिएशन ने दावा किया कि दीपेंद्र हुड्डा वाली हरियाणा रेसलिंग एसोसिएशन डब्लूएफआई से

मान्यता प्राप्त नहीं है, इसलिए वे डब्लूएफआई चुनाव में हिस्सा नहीं ले सकते।

रिटर्निंग अफसर के फैसले को हाईकोर्ट में चैलेंज किया – इसके बाद रिटर्निंग अफसर ने हरियाणा एमैच्योर रेसलिंग एसोसिएशन के पक्ष में फैसला दिया। जिसके बाद उन्होंने इस फैसले को पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट में चैलेंज किया। जिसमें उन्होंने कहा कि हरियाणा एमैच्योर रेसलिंग एसोसिएशन डब्लूएफआई से मान्यता प्राप्त हो सकती है लेकिन ये हरियाणा ओलिंपिक एसोसिएशन से एफिलिएटेड नहीं है। इसका मतलब यह है कि यह संगठन डब्लूएफआई के चुनावों में हिस्सा नहीं ले सकता। **एचसी ने कहा- हरियाणा एमैच्योर रेसलिंग एसोसिएशन इलिजिबल नहीं** – एडवोकेट मलिक ने हाईकोर्ट में दलील दी कि अगर हरियाणा एमैच्योर रेसलिंग एसोसिएशन को डब्लूएफआई चुनावों में हिस्सा लेने दिया जाता है तो इससे डब्लूएफआई के चुनाव अवैध हो जाएंगे। जिसके बाद हाईकोर्ट के जस्टिस विनोद एस भारद्वाज ने कहा कि प्राइमरी तौर पर ये लगता है कि हरियाणा एमैच्योर रेसलिंग एसोसिएशन वोट देने के लिए इलिजिबल नहीं है। जिसके बाद स्टे लगा दिया गया। चुनाव के लिए जारी हो चुकी थी फाइनल उम्मीदवारों की लिस्ट अध्यक्ष पद पर संजय और श्योराण का मुकाबला सोमवार को डब्लूएफआई के उम्मीदवारों की फाइनल लिस्ट जारी हुई थी। अध्यक्ष पद पर 2010 कॉमनवेल्थ गेम्स की चैंपियन अनीता श्योराण और संजय सिंह के बीच टक्कर देखने को मिल सकती है। संजय सिंह को बृजभूषण का करीबी माना जाता है, जबकि अनीता श्योराण महिला पहलवानों के यौन शोषण के मामले में बृजभूषण के खिलाफ गवाह हैं। भिवानी की रहने वाली अनीता श्योराण 12 अगस्त को होने वाले चुनाव में अकेली महिला उम्मीदवार थी। उन्हें खेल मंत्रालय और बृजभूषण के खिलाफ धरना देने वाले पहलवानों का समर्थन माना जा रहा है। अपने जमाने के दिग्गज पहलवान करतार सिंह उन 5 उम्मीदवारों में शामिल हैं, जो भारतीय कुश्ती महासंघ के चुनाव में उपाध्यक्ष बनना चाह रहे हैं। बैंकाक (1978) और सियोल (1986) में स्वर्ण पदक जीतने वाले करतार इससे पहले डब्लूएफआई के महासचिव रह चुके हैं ।

प्रेग्नेंसी में पत्नी का कैसे रखें ख्याल

मां बनना एक बहुत ही सुखद एहसास है। लेकिन कोई भी महिला इस सुखद और सुंदर पहलू का आनंद तभी उठा सकती हैं जब गर्भावस्था के दौरान वो खुद और उसका बच्चा स्वस्थ रहे। ऐसा तभी मुमकिन हो सकता है जब गर्भवती महिला अपना अच्छे से ख्याल रखे। किन्तु गर्भावस्था के शुरू के तीन महीनों में कई महिलाओं को जी मचलाने या उल्टी आने की शिकायत होती है। इसके अतिरिक्त कुछ महिला उन दिनों बीमार भी पड़ जाती है। लेकिन होने वाले बच्चे के स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी है की उसकी माँ भी स्वस्थ रहे। इसलिए ऐसे में जरुरी है की पति अपनी पत्नी का ख्याल रखे। क्योंकि जब भी किसी लड़की को पता चलता है कि वह मां बनने वाली है तो वह इस बात को सबसे पहले अपने पति के साथ शेयर करना चाहती है।

सबसे पहले खुद एडजस्ट करें

गर्भवती होने के बाद हर महिला के शरीर में काफी परिवर्तन आ जाता है जिसके चलते दैनिक कार्य रूटीन से नहीं हो पाते है। ऐसे में उन्हें कुछ भी कहने के बजाय कुछ समय के लिए आप खुद एडजस्ट करना सिख जाए ऐसे में आपकी पत्नी परेशान नहीं होगी। जितना हो सके आपको होने वाली मां के कम्फर्ट का ध्यान रखना है। यदि आपको ब्रेकफास्ट नहीं मिल रहा है तो कुछ दिन बाहर ही नाश्ता कर ले।

पत्नी को प्यार दे

गर्भवती होने के बाद अपने शरीर में होने वाले परिवर्तन को देखकर स्त्री बहुत परेशान रहती है। उन्हें ऐसा लगता है की वह गर्भावस्था के दौरान अच्छी नहीं दिखती हैं, अब उनके पति उन्हें प्यार नहीं करेंगे। इसलिए उनका भ्रम दूर करे। उन्हें हर पल जताए की आप उनसे प्यार करते है और वो पहले जितनी ही सुंदर हैं। इसके साथ ही उनका ख्याल भी रखें।

कुछ महत्वपूर्ण बातो का ध्यान रखे

पति कुछ जरुरी बातो की जानकारी रखें जैसे पत्नी को कब कौन सा इंजेक्शन लगना है या फिर चिकित्सक को कब दिखाना है आदि। इसके अतिरिक्त यदि आपकी पत्नी को किसी चीज से एलर्जी है तो आपको इसका भी ध्यान रखना होगा।

उसके खान पान का ख्याल रखे

देखा गया है की ज्यादातर महिलाएं इन दिनों में अपने खान-पान का विशेष ध्यान नहीं रख पार्ती है। जिसे चलते उनके शरीर में लौह तत्व की कमी से एनीमिया होने की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए अपनी पत्नी के खान पान का भी ख्याल रखे। चाहे तो कुछ दिन के लिए अपने किसी रिस्तेदार को मदद के लिए बुलाले। गर्भावस्था में स्त्री को हरी पत्तेदार सब्जियां, फल, दाल, अंकुरित अनाज, प्रचुर मात्रा में दूध आदि अवश्य लेना चाहिए।

इन बातो का भी रखे ख्याल

- गर्भावस्था के दौरान अपनी पत्नी के साथ रेगुलर चेकअप पर जाएं। अल्ट्रासाउंड रूम में भी साथ रहें और बच्चे की हरकत को पेट छूकर महसूस करे।
- प्रेगनेंसी के दौरान महिलाओं को कमर में भयानक दर्द होता है। इसलिए ऐसे में उन पर अधिक काम का बोझ न लादें।
- अपनी पत्नी की भी बात सुनें, उनसे पूछें की उन्हें क्या अच्छा लगता है क्या नहीं। उनका ख्याल रखने के साथ साथ अधिकतर समय उनके साथ बिताएं।
- रोमेंटिक बातों के लिए टाइम निकाले, क्योंकि कुछ समय बाद आप दोनों अकेले नहीं रह जाएंगे। फिर शायद नन्हे को संभालने के चक्कर में आप एक दूसरे को ज्यादा वक्त नहीं दे पाए।

आफत न बन जाए आदत

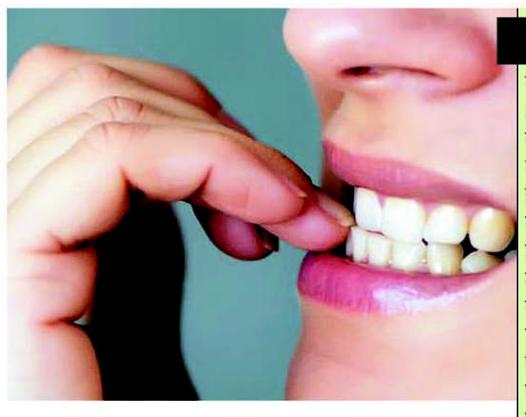

आदत से छुटकारा पाना बेहद मुश्किल होता है। खासतौर पर ऐसी आदतें, जिनमें तनाव को कम करने का गुण होता है, पर सेहत को नुकसान पहुंचाने वाली होती हैं, उन्हें छोड़ना और भी मुश्किल होता है। धूम्रपान, तंबाकू और अत्यधिक शराब के सेवन को इनमें शामिल किया जाता है। पर उन आदतों का क्या, जो दिखने में तो सामान्य लगती हैं, पर सेहत पर गंभीर असर डालती हैं?

देर रात स्नैक्स खाना

देर रात कुछ खाने में इतनी बुराई नहीं है, पर फल-सब्जियों या हल्का खाने की बजाए ठंडा पिज्जा, ब्रेड स्लाइस, नूडल्स या तला-भुना खाना सेहत के लिए समस्या पैदा कर सकता है। ऐसे लोग, जिन्हें एसिडिटी की समस्या रहती है, उनके लिए तो देर रात में खाना समस्या को बढ़ा सकता है।

क्या करें: आमतौर पर देर रात में खाना भूख की वजह से कम, बोरियत के कारण अधिक होता है। लोग टीवी या फिल्म देखते हुए आलू चिप्स या सैंडविच आदि खाते हैं। एक शोध के अनुसार, टीवी न देखते समय की तुलना में टीवी या फिल्म देखते समय लोग 44 प्रतिशत अधिक चिप्स खाते हैं। इस आदत से बचने के लिए बेहतर है कि आप टीवी देखते समय कुछ छोटे-छोटे काम कर लें, मसलन किए जाने वाले कार्यों की लिस्ट बनाना, कपड़ों की तह लगाना, ई-मेल चेक करना या अधूरे कामों को पूरा करना आदि। इससे आप कुछ खाने की अपनी इच्छा को दबा सकेंगे।

गलत फिटनेस एक्सेसरीज

यदि आप अपनी फिटनेस को लेकर सजग हैं और नियमित रूप से व्यायाम करते हैं तो अपनी फिटनेस एक्सेसरीज का भी अवश्य ध्यान रखें। गर्मी के दिनों में सामान्य सूती कमीज को पहन कर व्यायाम करना खुजली या त्वचा पर रगड़ उत्पन्न कर देता है। व्यायाम करते समय जूते-जुराब अवश्य पहनें।

क्या करें: सही स्पोर्ट शूज पहनें। ऐसी जगह से जूते खरीदें, जहां स्पोर्ट्स एक्सेसरीज मिलती हों। पसीने को सोखने वाले फेब्रिक से बने कपड़े पहनें। कपड़े आरामदेह या अधिक कसे हुए न हों।

भरपूर नींद न लेना

पर्याप्त नींद न लेना सेहत को कई तरह से नुकसान पहुंचाता है। इससे आपकी सक्रियता कम हो जाती है। पर्याप्त नींद की कमी रोग प्रतिरोधी क्षमता को कम कर देती है। महिलाओं का पर्याप्त नींद न लेना हृदय रोगों की आशंका को बढ़ा देता है।

क्या करें: विशेषज्ञों के अनुसार, नींद आहार की तरह है। समय पर सोना चाहिए। सोने से पहले कैफीनयुक्त पदार्थों के सेवन से बचें। शोर और अतिरिक्त रोशनी से दूर रहें।

यदि आप रात को नहीं सो पा रहे हैं तो थोड़ी नींद दोपहर में लें। सोने से पहले टीवी व कंप्यूटर न देखें।

नाखून चबाना

नाखून चबाना एक सामान्य आदत है, जो अक्सर तब देखने को मिलती है, जब व्यक्ति तनाव में होता है। इससे नाखूनों की सामान्य वृद्धि पर तो असर पड़ता ही है, उनकी शेप भी अनियमित हो जाती है। नाखूनों की उचित सफाई न रखने पर उनमें जमा कीटाणु खाने के जरिए पेट में जाकर संक्रमण का कारण बन जाते हैं। नाखूनों की परत के नीचे नुकसानदायक स्टेफिलोकोकस नामक बैक्टीरिया होता है, जो चबाने पर मुंह में चला जाता है। एक शोध के अनुसार, 19 से 29 प्रतिशत युवा वयस्क और 5 प्रतिशत बड़ी उम्र के व्यक्ति नाखून चबाते हैं।

क्या करें : दो से तीन सप्ताह में एक बार किसी प्रोफेशनल से मेनिक्योर करवा सकते हैं। जब आपके नाखून सुंदर लगते हैं तो आप उन्हें चबाना पसंद नहीं करते। नाखून चबाने की इच्छा उत्पन्न होने पर क्रीम या तेल से उनकी मालिश करें या फिर गाजर या सेब जैसी चीजें चबाएं।

डॉक्टर को पूरी बात न बताना

सेहत संबंधी समस्या है तो डॉक्टर के पास जाने से निश्चित तौर पर फायदा मिलता है, पर बातचीत करते समय चिकित्सक को पूरी बात न बताना उपचार के तरीके को बदल सकता है। खासतौर पर मधुमेह या हाइपरटेंशन से पीड़ितों के लिए दवा लेते समय विस्तृत बातचीत जरूरी है।

क्या करें: जब भी डॉक्टर के पास जाएं, बीमारी के लक्षणों और ली जा रही पूर्व दवाओं के बारे में पूरी जानकारी दें। बेहतर होगा कि मिलने से पहले पूरी सूची बना लें, जिसमें एल्कोहल या ली जा रही दवाओं व अन्य बातों की पूरी जानकारी दें।

कान में पिन डालना

कान में हल्का-सा भारीपन होने या फिर खुजली होने पर पहला ध्यान कान की सफाई करने का होता है। आमतौर पर लोग बालों में लगाने वाली पिन, बॉल पेन, पेंसिल आदि को कान में डाल कर कान के भीतर जमी परत को निकालते हैं, जिसे सामान्य शब्दों में मैल कह दिया जाता है।

क्या करें: कान में वेक्स जमा होने का एक बड़ा कारण भोजन को ढंग से चबा कर न खाना है। कान में लगाई जाने वाली एक्सेसरीज जैसे हैडफोन, लंबे समय तक ईयरफोन से भी वेक्स

जमा होती है। इनसे बचें।

संगीत का रोग

प्रारंभ में भले ही आप कुछ देर हेडफोन लगा कर तेज आवाज में संगीत सुनते हैं, पर कुछ समय बाद आपके कान को उतनी ही आवाज में सुनने की आदत पड़ जाती है। विशेषज्ञों के अनुसार, आपको पता ही नहीं चलता कि कब आप तेज से तेज आवाज को ग्रहण करने लगे हैं। पर लंबे समय तक ऐसा करना आपके सुनने की क्षमता में स्थायी दोष उत्पन्न कर सकता है। आपको लगता है कि लगातार कान में कुछ आवाज हो रही है, जिसे टिनिटस कहा जाता है।

क्या करें: मस्तिष्क को धीमी आवाज सुनने के लिए तैयार करें। अपने आईपैड या कार स्टीरियो की आवाज धीमी रखें, इतनी कि दूसरे जो आपसे बात कर रहे हैं, उन्हें चिल्लाना न पड़े।

शाम स्क्रीन के साथ बिताना

सप्ताह में एक-दो बार काम के बाद थियेटर में फिल्म देखना या कुछ देर नियमित टीवी देखना सही हो सकता है, पर हर दिन देर रात तक स्क्रीन के सामने समय बिताना बुरी आदत है। जो लोग अत्यधिक तनाव में रहते हैं या जिनके दोस्तों का नेटवर्क सीमित है, वे अक्सर काम के बाद अकेले समय बिताते हैं। नतीजा देर तक सोफे पर बैठे-बैठे टीवी देखते रहने से शरीर और दिमाग थकता है। शोध कहता है कि सप्ताह में 19 घंटे से अधिक टीवी या बड़े परदे के आगे समय बिताना मोटापे की आशंका 97 प्रतिशत बढ़ा देता है।

क्या करें: विशेषज्ञों के अनुसार, इस आदत से छुटकारा पाने का तरीका है कि टीवी देखते समय कुछ काम करते रहें। सप्ताह में दो-तीन बार कुछ समय दोस्तों के साथ बिताएं। खेलकूद में समय दें।

प्यार करोगे तो मोटे हो जाओगे!

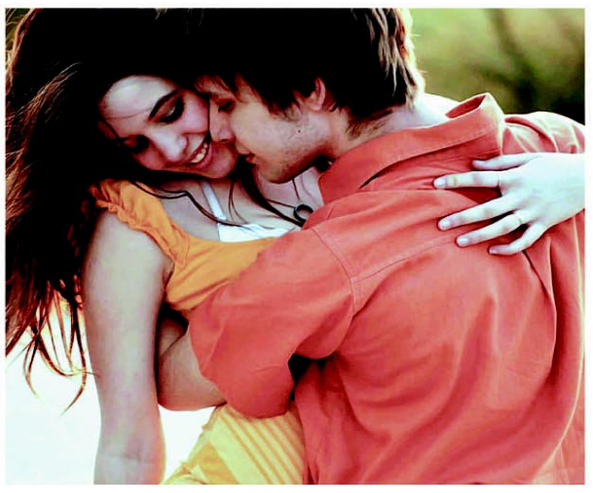

प्रेम होना किसी के लिए भी बेहद अमूल्य बात हो सकती है, लेकिन एक नए सर्वेक्षण के अनुसार मोटापा के लिए भी प्रेम में होना मुख्य कारण हो सकता है। नए सर्वेक्षण में प्रेम के कारण वजन बढ़ाने वाली कई परंपरागत परिस्थितियां बनती हैं, जैसे सहजता से भोजन करना, छुट्टियों में एक-दूसरे के साथ होना या व्यायाम न करना आदि।

सर्वेक्षण में शामिल अधिकांश व्यक्तियों ने स्वीकार किया कि प्रेम होने के बाद उनका वजन बढ़ा। इन्हीं व्यक्तियों से ठीक तीन महीने बाद दोबारा पूछे जाने पर उन्होंने स्वीकार किया कि उनके प्रेमी युगल के वजन में भी इजाफा हुआ। सर्वेक्षण में शामिल दो तिहाई लोगों ने स्वीकार किया कि प्रेम होने के बाद उनके और उनके प्रेमी युगल के वजन में भी वृद्धि हुई।

महिलाओं ने स्वीकार

सर्वेक्षणकर्ता एवं डाइट शेफ की पोषण एवं वजन प्रबंधन विशेषज्ञ ने कहा कि सर्वेक्षण में कुछ बहुत रोचक परिणाम सामने आए हैं। यह जानना बहुत चौंकाने वाला है कि प्रेम होने के बाद लोग कितने आत्मसंतुष्ट हो सकते हैं। सर्वेक्षण में शामिल अधिकतर महिलाओं ने स्वीकार किया कि जब वे अकेली थीं तब जितना भोजना करती थीं उसके मुकाबले साथी के साथ भोजन के दौरान वे थोड़ा ज्यादा भोजन करती हैं।

सर्वेक्षण में शामिल अधिकतर युगलों ने अपनी दिनचर्या में साथ-साथ टीवी देखना, घर में हों तब भी साथ-साथ भोजन करना और अगर बाहर हों तब भी साथ-साथ भोजन करना स्वीकार किया। इससे उनकी दैनिक क्रियाओं की गतिविधियों का पता चलता है।

फार्मा सेक्टर में बेहतर मौके...

फार्मेसी एक ऐसा सेक्टर है, जिसमें मंदी के दौरान भी नौकरी की कोई कमी नहीं होती। करियर के लिहाज से देखें, तो यह एक शानदार सेक्टर है। मौजूदा समय में भारत क्लीनिकल रिसर्च आउटसोर्सिंग के क्षेत्र में भी ग्लोबल हब बन कर उभर रहा है। ऐसे में अगर आप चिकित्सा और सेहत के क्षेत्र में दिलचस्पी रखते हैं तो फार्मेसी में करियर बना कर अपने भविष्य को संवारने का बेहतर मौका मिल सकता है। साइंस विषय के साथ बारहवीं परीक्षा पास करने के बाद दो साल के डी फार्मा कोर्स या चार साल के बी फार्मा कोर्स कोर्स में दाखिला ले सकते हैं। देश के अलग-अलग हिस्सों में स्थित कई संस्थान, महाविद्यालय, विश्वविद्यालय अंडरग्रेजुएट कोर्स करवाने के अलावा एम फार्मा कोर्स भी करवाते हैं। पहले भारत में फार्मास्युटिकल की पढ़ाई गिने-चुने संस्थानों में ही होती थी, लेकिन तेजी से बढ़ते बाजार और ट्रेंड लोगों की मांग को पूरा करने के लिए अब कई संस्थानों में ऐसे कोर्सेस की शुरुआत हो गई है। छात्र अब बारहवीं के बाद सीधे डिप्लोमा कर सकते हैं। कुछ कॉलेजों में फार्मेसी में फुलटाइम कोर्स संचालित हैं।

स्पेशलाइजेशन के लिए

फार्मा रिसर्च में स्पेशलाइजेशन के लिए एनआईपीईआर यानी नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मा एजुकेशन एंड रिसर्च जैसे संस्थानों में प्रवेश ले सकते हैं। इसके साथ-साथ पीजी डिप्लोमा इन फार्मास्युटिकल एवं हेल्थ केयर मार्केटिंग, डिप्लोमा इन फार्मा मार्केटिंग, एडवांस डिप्लोमा इन फार्मा मार्केटिंग एवं पीजी डिप्लोमा इन फार्मा मार्केटिंग जैसे कोर्स भी संचालित किए जा रहे हैं। इन पाठयक्रमों की अवधि छह माह से एक वर्ष के बीच है। इन पाठयक्रमों में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी की न्यूनतम योग्यता बीएससी, बीफार्मा अथवा डीफार्मा निर्धारित की गई है।

व्यक्तिगत योग्यता

यदि आप फार्मेसी की दुनिया में आगे बढ़ना चाहते हैं, तो आपकी साइंस और खासकर लाइफ साइंस तथा दवाइयों के प्रति दिलचस्पी होनी चाहिए। इससे जुड़े रिसर्च के क्षेत्र में काम करने के लिए आपकी दिमागी विश्लेषण क्षमता बेहतर हो और आपकी शैक्षणिक बुनियाद भी अच्छी होनी चाहिए। यदि आप इससे जुड़े मार्केटिंग क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं तो आपकी कम्युनिकेशन स्किल जरूर बेहतर होनी चाहिए। डीफॉर्मा और बीफॉर्मा कोर्स में दवा के क्षेत्र से जुड़ी उन सभी बातों की थ्योरेटिकल और प्रायोगिक जानकारी दी जाती है जिनका प्रयोग आमतौर पर इस उद्योग के लिए जरूरी होता है। इसके साथ फार्माकोलॉजी, इंडस्ट्रियल केमिस्ट्री, हॉस्पिटल एंड क्लीनिकल फार्मेसी, फॉर्मास्यूटिकल, हेल्थ एजुकेशन, बायोटेक्नोलॉजी आदि विषयों की जानकारी दी जाती है।

रिसर्च एंड डेवलपमेंट

भारत आज फार्मास्युटिकल्स के क्षेत्र में काफी तेजी के आगे बढ़ रहा है। वैसे, इस क्षेत्र का दायरा भी काफी व्यापक है। यहां नई-नई दवाइयों की खोज व विकास संबंधी कार्य किया जा सकता है। आरएंडडी क्षेत्र को जेनेरिक उत्पादों के विकास, एनालिटिकल आरएंडडी, एपीआई यानी एक्टिव फार्मास्युटिकल

कुछ प्रमुख संस्थान

- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फॉर्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, पंजाब
- आचार्या एंड बीएम रेड्डी कॉलेज ऑफ फार्मासी, बंगलुरु
- कॉलेज ऑफ फॉर्मेसी, दिल्ली विश्वविद्यालय
- गुरु जंबेश्वर विश्वविद्यालय, हिसार, हरियाणा
- बांबे कॉलेज ऑफ फॉर्मेसी, मुंबई
- गर्वनमेंट मेडिकल कॉलेज, केरल
- बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, पिलानी
- बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी
- राजीव गांधी यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेस, बेंगलुरु
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, चंडीगढ़

इन्ग्रेडिएंट्स या बल्क ड्रग आरएंडडी जैसी श्रेणियों में बांटा जा सकता हैं। इन सबका अपना सुपर-स्पेशलाइजेशन है।

ड्रग मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर

यह इस इंडस्ट्री की एक बेहद अहम शाखा है, जो स्टूडेंट्स को आगे बढ़ने के बेहतर अवसर उपलब्ध कराती है। आप चाहें, तो इस क्षेत्र में मॉलिक्युलर बॉयोलॉजिस्ट, फार्मेकोलॉजिस्ट, टॉक्सिकोलॉजिस्ट या मेडिकल इंवेस्टिगेटर बनकर अपना भविष्य संवार सकते हैं। मॉलिक्युलर बॉयोलॉजिस्ट जीन संरचना के अध्ययन और मेडिकल व ड्रग रिसर्च संबंधी मामलों में प्रोटीन के इस्तेमाल का अध्ययन करता है, जबकि फार्मेकोलॉजिस्ट का काम इंसान के अंगों व ऊतकों पर दवाइयों व अन्य पदार्थों के प्रभाव का अध्ययन करना होता है। इसी तरह टॉक्सिकोलॉजिस्ट दवाओं के घातक प्रभाव को मापने के लिए अलग-अलग परीक्षण करता है।

मेडिकल इंवेस्टिगेटर

नई दवाइयों के विकास व टेस्टिंग की प्रक्रिया से जुड़ा होता है। मानव जैविकी और दवाइयों संबंधी अपने बैकग्राउंड के कारण वे इसकी रिसर्च प्रक्रिया के लिहाज से बेहद अहम होते हैं। हॉस्पिटल पर दवाइयों और चिकित्सा संबंधी अन्य सहायक सामग्रियों के भंडारण, स्टॉकिंग और वितरण का जिम्मा होता है, जबकि रिटेल सेक्टर में फार्मासिस्ट को एक बिजनेस मैनेजर की तरह काम करते हुए दवा संबंधी कारोबार चलाने में समर्थ होना चाहिए।

क्लिनिकल रिसर्च

जब कोई नई दवा लॉन्च करने की तैयारी होती है, तो दवा लोगों के लिए कितनी सुरक्षित और असरदार है, इसके लिए क्लिनिकल ट्रॉयल होता है। भारत की जनसंख्या और यहां उपलब्ध सस्ते प्रोफेशनल की वजह से क्लिनिकल का कारोबार तेजी से फलने-फूलने लगा है। इस क्षेत्र में हाल के दिनों में अंतरराष्ट्रीय जगत की दिलचस्पी काफी बढ़ी है। आज देश में कई विदेशी कंपनियां क्लिनिकल रिसर्च के लिए आ रही हैं। दवाइयों की स्क्रीनिंग संबंधी काम में नई दवाओं या फॉर्मुलेशन का पशु मॉडलों पर परीक्षण करना या क्लिनिकल रिसर्च करना शामिल है जो इंसानी परीक्षण के लिए जरूरी है।

क्वालिटी कंट्रोल

फार्मास्युटिकल इंडस्ट्री का यह एक अहम कार्य है। नई दवाओं के संबंध में अनुसंधान व विकास के अलावा यह सुनिश्चित करने की भी जरूरत होती है कि इन दवाइयों के जो नतीजे बताए जा रहे हैं, वे सुरक्षित, स्थायी और आशा के अनुरूप हैं।

रजिस्टर्ड फार्मासिस्ट

जिस तरह डॉक्टरों को प्रैक्टिस के लिए लाइसेंस की जरूरत होती है, उसी तरह इन्हें भी फार्मेसी में प्रैक्टिस करने के लिए लाइसेंस चाहिए। उन्हें रजिस्ट्रेशन के लिए एक टेस्ट पास करना होता है। फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया ने इस विषय में ट्रेनिंग के लिए 'फार्मा डी' नामक एक छह साल का कोर्स शुरू किया है।

ब्रांडिंग एंड सेल्स

फार्मेसी की पृष्ठभूमि से जुड़ा कोई प्रोफेशनल, एमबीए डिग्रीधारी और यहां तक कि साइंस की डिग्री प्राप्त करने वाला शख्स भी सेल्स एंड मार्केटिंग में करियर बना सकता है। फार्मास्युटिकल सेक्टर में मार्केटिंग की काफी अहम है। मार्केटिंग प्रोफेशनल्स उत्पाद की बिक्री के अलावा बाजार की प्रतिस्पर्धा पर भी निगाह रखते हुए इस बात का निर्धारण करते हैं कि किस उत्पाद के लिए बाजार में ज्यादा संभावनाएं हैं। इसी के मुताबिक रणनीति तैयार की जाती है। इस क्षेत्र में काम करने के लिए यदि आपके पास बीफार्मा के साथ साथ एमबीए की भी डिग्री है तो सोने पर सुहागा वाली बात होगी। प्रशिक्षित पेशेवर की मांग दुनिया की बेहतरीन फॉर्मास्यूटिकल कंपनियां भारत में अपना कारोबार कर रही हैं। इनके अलावा, रैनबैक्सी, एफडीसी, कैडिला, शिपला, डॉ. रेड्डीज, डाबर, ल्यूपिन आदि कंपनियां भारत में व्यवसायरत हैं। इस क्षेत्र में प्रशिक्षित पेशेवरों की काफी मांग है।

यहां हैं मौके

नर्सिंग होम, अस्पतालों और कंपनियों में आपके लिए नौकरी के अवसर हैं। ड्रग कंट्रोल एडमिनिस्ट्रेशन और आर्म्ड फोर्सेज में भी काफी संभावनाएं हैं। बीफॉर्मा करने के बाद आप मैन्युफैक्चरिंग केमिस्ट, एनालिस्ट कैमिस्ट, ड्रग इंस्पेक्टर के रूप में काम कर सकते हैं। इसके अलावा क्लीनिकल रिसर्च आउटसोर्सिंग सेक्टर में भी आपके लिए कई अवसर मौजूद हैं। जिस तरह से मेडिकल टूरिज्म बढ़ रहा है और दवाइयों की खपत बढ़ीं हैं।

जेरियाट्रिक्स केयर बन कर सकते हैं चाहत पूरी

अगर आप सेवा के जुड़े क्षेत्र में कॅरियर बनाना चाहते हैं और साथ में अच्छी कमाई भी करना चाहते हैं कि जेरियाट्रिक्स केयर बन अपनी चाहत पूरी कर सकते हैं। इस पाठ्यक्रम का संचालन भारत सरकार का सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय करता है। इसका मकसद युवक-युवतियों को बुजर्गों की सेवा के लिए प्रशिक्षित करना है। पिछले कुछ सालों में इस क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं बढ़ी हैं। दरअसल बुजर्गों की सेवा के लिए इस क्षेत्र में दक्ष लोगों की जरूरत को काफी पहले से महसूस किया जा रहा था।

इस जरूरत को ध्यान में रखकर सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार ने जेरियाट्रिक्स केयर पाठ्यक्रम की शुरुआत की जिसके तहत बुजुर्गों से जुड़ी समस्याओं के बारे में बताया जाता है। इस पाठ्यक्रम में मूल रूप से विद्यार्थियों को समुदाय के अंदर वृद्ध लोगों की स्थित, एकल और संयुक्त परिवारों के गुण-दोष, सामाजिक सुरक्षा संबंधी उपाय, वृद्धावस्था में मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक स्थिति को समझने, पुनर्वास के अलावा उनकी समस्याओं को निपटाना, उनकी पोषाहार संबंधी जरूरतों की जानकारी और आहार प्रबंधन और मनोविज्ञान के अलावा वृद्धावस्था संबंधी देखभाल के आधारभूत सिद्धांतों की जानकारी दी जाती है। इस पाठ्यक्रम के तहत विद्यार्थियों को घर-घर जाकर वृद्धों की समस्याओं पर रिपोर्ट भी तैयार करनी होती है।

अपार संभावनाएं

इस क्षेत्र में हाल के दिनों में अपार संभावनाएं उभरी हैं। पीजी डिप्लोमाधारी अभ्यार्थी किसी सरकारी, गैर सरकारी, कॉरपोरेट क्षेत्र और शैक्षणिक संस्थाओं में अच्छे पद पर कार्य कर सकता है। इसके अलावा गृह देखभाल कर्ता, उपचार सहायक, शारीरिक चिकित्सा सहायक, परियोजना निदेशक, कार्यक्रम अधिकारी, कल्याण अधिकारी बनकर भविष्य संवार सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- डॉ. रेड्डी हैरिटेज फाउंडेशन, हैदराबाद।
- कलकत्ता मैट्रोपोलिटेन इंस्टीट्यूट ऑफ जिरानहोलॉजी, कोलकाता।
- न्यू इंटिग्रेटेड रूरल मैनेजमेंट एजेंसी, इम्फाल।
- राष्ट्रीय समाज रक्षा संस्थान, आरके पुरम, नई दिल्ली।

तीन कोर्स

बुजुर्गों की देखभाल संबंधी प्रमुख तौर पर तीन कोर्स चलाए जाते हैं। जिसमें तीन महीने और 6 महीने का प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम और पीजी डिप्लोमा कोर्स शामिल है। तीन माह का कोर्स खासतौर से समाजसेवी संस्थाओं के लिए है जो देश में बुजुर्गों की देखभाल और उनके लिए कार्य करती हैं। पीजी डिप्लोमा कोर्स का मुख्य उद्देश्य समर्पित व्यक्तियों की एक टीम तैयार करना होता है। पीजी डिप्लोमा कोर्स में इस क्षेत्र से संबंधित गहन अध्ययन कराया जाता है जिसमें थ्योरी स्तर प्रैक्टिकल और परियोजना कार्य के अलावा इंटर्निशप और सेमिनार प्रस्तुति भी सिखाई जाती है।

ऐसे होता है दाखिला

इन सभी पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए अभ्यर्थी को प्रवेश परीक्षा देना पड़ती है। पीजी डिप्लोमा कोर्स में नामांकन के लिए उम्मीदावार को किसी भी संस्थान से समाज विज्ञान, समाज कार्य, मानव विज्ञान, परिचर्चा या गृहविज्ञान में स्नातक होना आवश्यक है। साथ ही अभ्यर्थी की उम्र किसी भी हालत में 20 साल से कम नहीं होनी चाहिए।

वहीं वृद्धावस्था देखभाल संगठनों में कार्यरत या वृद्धावस्था सेवा क्षेत्र में प्रमाणपत्र प्राप्त उम्मीदवारों, सामाजिक कार्यकर्ता, काउंसलर, स्वास्थ्य कर्मी और नर्सिंग के क्षेत्र में कार्यरत लोगों को प्राथमिकता दी जाती है।

जबकि 3 और 6 महीने के प्रमाणपत्र कोर्स के लिए उम्मीदवार का मैट्रिक पास होना आवश्यक है साथ ही उसकी आयु 18 साल से कम नहीं होना चाहिए। प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थी को साक्षात्कार से भी गुजरना पड़ता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**